THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

जयशंकर ने बहरीन के विदेश मंत्री से की बात

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बहरीन के अपने समकक्ष अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल जायनी के साथ फोन पर बातचीत की। बहरीन तथा भारत के बीच लॉन्ग टर्म मल्टीडाइमेंशनल पार्टनरशिप को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। न्यूयॉर्क के दौरे पर आए जयशंकर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि बहरीन के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुलातिफ बिन राशिद अल जायनी से फोन पर बात करके अच्छा लगा। दोनों मंत्रियों ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों की दीर्घकालिक बहुआयामी साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। साथ ही वर्तमान क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

वर्ष-30 अंक : 231 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **मार्गशीर्ष कृ.13 2082 सोमवार, 17 नवंबर-2025**

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

पीएम मोदी ने बुलेट ट्रेन परियोजना की समीक्षा की

इंजीनियरों और कर्मचारियों से भी की बातचीत

सूरत, 16 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात में देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेजी से किया जा रहा है। इस बीच बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति का भी जायजा लिया।

इसके लिए पीएम मोदी सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने काम में लगे इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत भी की। रविवार को इससे संबंधित एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें पीएम मोदी सूरत स्टेशन पर काम की बारीकी से जांच करते हुए नजर आए। उन्होंने काम में लगे इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने पूछा कि काम में किसी तरह की परेशानी तो नहीं आ रही है और प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए किस तरह से काम किया जा रहा है? इस दौरान कर्मचारियों ने बताया कि हर स्तर पर पूरी मेहनत और बारीकी के साथ काम किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कर्मचारियों की मेहनत की सराहना की और कहा कि यह प्रोजेक्ट न सिर्फ गुजरात बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि हाई-स्पीड ट्रेन परियोजना देश के ट्रांसपोर्ट सिस्टम को आधुनिक बनाने में एक अहम कदम है और इससे यात्रियों को तेज और सुविधाजनक सफर मिलेगा।

गौरतलब है कि मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर अहमदाबाद, वडोदरा, भरूच, सूरत, वापी, ठाणे और मुंबई जैसे बड़े शहरों को जोड़ता है। इससे न सिर्फ मुंबई और गुजरात के बीच यात्रा सुगम होगी, बल्कि व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना में मुंबई से अहमदाबाद बाद के बीच कुल

12 स्टेशन होंगे। गुजरात में आने वाले हिस्से का काम काफी तेजी से चल रहा है। जल्द ही इसका ट्रायल भी शुरू किया जा सकता है। पूरी परियोजना के बाद मुंबई-अहमदाबाद की यात्रा केवल दो घंटे में पूरी हो जाएगी, जिससे मुंबई और अहमदाबाद के बीच रोज अपडाउन करने वालों को काफी राहत मिलेगी।

ईडी ने 110 'म्यूल' बैंक खाते किए फ्रीज

70 लाख रुपये नकद जब्त

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली में ड्रग तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में बड़ी कार्रवाई करते हुए 110 'म्यूल' बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है और करीब 70 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। एजेंसी को तलाशी के दौरान दुबई-आधारित क्रिप्टोकरंसी वॉलेट के उपयोग के सबूत भी मिले।

क्या होते हैं 'म्यूल' खाते :

ये वे बैंक खाते होते हैं जिनका इस्तेमाल अवैध पैसों को इधर-उधर करने के लिए किया जाता है। अक्सर इन्हें असली कस्टमर आईडी का दुरूपयोग करके या नकली पहचान के सहारे खोला जाता है।

किस मामले में हुई कार्रवाई :

ईडी ने यह कदम नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की उस शिकायत के आधार पर उठाया, जिसमें नवंबर 2024 में 82.53 किलो 'हाई-ग्रेड' कोकीन की बरामदगी का मामला दर्ज किया गया था।

'कभी चीन पर था तिब्बत का शासन'

भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी का बड़ा दावा

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि 14वें दलाई लामा की अहिंसा की शिक्षाओं के जरिए ही तिब्बत का पुनरुत्थान होगा।

इसके साथ ही उन्होंने निर्वासित तिब्बती बौद्धों की भावनाओं की सराहना की। 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो की हिंदी में पहली अधिकृत जीवनी की किताब 'अनश्वर' के विमोचन पर भाजपा नेता ने ये बात कही।

14वें दलाई लामा की हिंदी में पहली अधिकृत जीवनी पत्रकार-लेखक अरविंद यादव ने ये किताब लिखी है। इस कार्यक्रम में मुरली मनोहर जोशी, पूर्व सांसद कर्ण सिंह और तिब्बत हाउस के निदेश गेशे दोरजी दामदुल मौजूद रहे। पूर्व केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा, मैं तिब्बती बौद्धों और तिब्बती लोगों को नमन करता हूं कि उन्होंने अपने गुरु, उनके आदर्शों और उनके निर्देशों के लिए कितना कुछ सहा और स्वीकार किया है। फिर भी वे अपने सिद्धांतों से कभी नहीं डिगे।

भाजपा नेता ने कहा, यहां आकर रहने वाले तिब्बती लोगों ने बहुत दिक्कतें सहीं। उनके सामने इतनी सारी परिस्थितियां आईं कि अगर कोई और या कोई दूसरा समुदाय होता तो वे विद्रोह कर देते या जिंदा रहने के लिए अपने मूल्यों को पूरी तरह बदल देते।

उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्मगुरु ने सभी को अहिंसा और सद्भाव के सिद्धांत सिखाए। उन्होंने कहा, तिब्बत एक बार फिर से उठ खड़ा होगा और अपनी जमीन पर फिर से हक जमाएगा। मैं जानता हूं कि वो दिन आएगा। हो सकता है कि मेरे जीवित रहते ये ना हो, लेकिन ऐसा होगा।

'दलगत राजनीति से दूर हूं, भावनाओं पर नियंत्रण बेहद जरूरी..'

बिहार चुनाव और एसआईआर पर बोले उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को बिहार चुनाव-2025, कथित वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह दलगत राजनीति से दूर हूं। मेरी अपने सभी मित्रों से अपील है कि जो भी सार्वजनिक जीवन में हैं, उन्हें हमेशा अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए। यह बेहद जरूरी है। लोग हमेशा उसी पेड़ पर पत्थर फेंकते हैं, जिस पर फल ज्यादा होते हैं। इसलिए सार्वजनिक जीवन में धैर्य जरूरी है। हमें हर सवाल का जवाब देने की जरूरत नहीं। उन्हें सवाल पूछने का अधिकार है और हमें जवाब देने या न देने का अधिकार है।

बिहार चुनाव 2025 के नतीजों के बाद सांविधानिक संस्थाओं पर विपक्ष के हमले पर उपराष्ट्रपति ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह ठीक है। हर किसी की अपनी राय होती है, लेकिन लोग खुद जानते हैं कि सही क्या है। दिल्ली में हुए आतंकी हमले पर उन्होंने कहा, पुलिस और खुफिया एजेंसियों को हर बार सतर्क रहना पड़ता है। आतंकियों को सिर्फ एक बार सफल होना होता है।

'100 साल में पहली बार नियमों का पालन कर रहा है आरएसएस' : मंत्री प्रियांक खड़गे

कलबुर्गी, 16 नवंबर (एजेंसियां)। कलबुर्गी में कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने रविवार को आरएसएस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि संगठन '100 साल में पहली बार' नियमों का पालन करते हुए रूट मार्च कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार चित्तापुर में होने वाले मार्च के लिए आरएसएस ने कानूनी और संवैधानिक अनुमति ली है, जो पहले नहीं देखा गया था। चित्तापुर विधानसभा क्षेत्र, जहां से प्रियांक खड़गे विधायक हैं, में आरएसएस ने रूट मार्च निकालने की योजना बनाई थी। शुरूआत में जिला प्रशासन ने अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद संगठन अदालत पहुंचा और वहीं से इजाजत मिली। प्रियांक खड़गे ने कहा कि वे मार्च के खिलाफ नहीं हैं, बस नियमों के पालन पर जोर है।

उन्होंने कहा, मैंने कभी रूट मार्च का विरोध नहीं किया। मैंने बस इतना कहा कि अनुमति लेनी चाहिए। उनके यहां नियमों का पालन करने की आदत कम है, लेकिन अब कर रहे हैं, अच्छी बात है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रशासन ने कड़े नियम और शर्तें लगाई हैं।

आर्म्ड फोर्सेज का एकीकरण क्यों है जरूरी?

सीडीएस अनिल चौहन ने एलसीएम, एचसीएफ वाले फॉर्मूले से समझा दिया

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सशस्त्र बलों के एकीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि इस प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक सेवा 'अपनी व्यक्तिगत पहचान' बनाए रखेगी और उनकी सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जाएगा। सीडीएस जनरल चौहान ने यहां आयोजित एक संवाद सत्र में हाल में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के उदाहरणों का भी हवाला दिया। इस ऑपरेशन ने तीनों सेनाओं (थलसेना, नौसेना और वायुसेना) के बीच एकजुटता को प्रदर्शित किया। वह रक्षा थिंक-टैंक यूएसआई द्वारा 14 नवंबर एवं 15 नवंबर को आयोजित दो दिवसीय भारतीय सैन्य विरासत उत्सव में शामिल हुए।

सीडीएस जनरल चौहान ने अपनी नयी किताब 'रेडी, रेलेवेंट एंड रिसर्जेंट 2: शेपिंग ए फ्यूचर रेडी फोर्स' पर केंद्रित संवाद के दौरान संकेत दिया कि जल्द ही इसका तीसरा खंड भी आएगा जिसमें ऑपरेशन सिंदूर संबंधी विवरण भी होंगे।

सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं में एकजुटता और एकीकरण हासिल करने के सरकार के दृष्टिकोण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद की गई भारत की सैन्य कार्रवाई और इन सटीक हमलों से पहले के दिनों के कुछ उदाहरण दिए।

चेन्नई के ओशन इंस्टीट्यूट में समुद्रयान आकार ले रहा है

इसके 50 प्रतिशत हिस्से स्वदेशी, ये खास वैज्ञानिक पनडुब्बी 4 घंटे में 6 किमी की गहराई में पहुंचेगी

चेन्नई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। चेन्नई के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) में समुद्रयान आकार ले रहा है। इस वैज्ञानिक पनडुब्बी के हिस्से असेम्बल हो रहे हैं। दिलचस्प बात है कि पहले समुद्रयान के शत-प्रतिशत पार्ट्स इम्पोर्ट किए जाने थे, लेकिन कोविड और जियो पॉलिटिकल कारणों से पार्ट्स नहीं मिल पाए।

नतीजतन, अब 2025 में समुद्रयान के 50 प्रतिशत हिस्से भारतीय संस्थानों ने ही तैयार कर लिए। एनआईओटी के उपनिदेशक एस. रमेश ने कहा कि समुद्रयान का बेसिक फ्रेम, मत्स्य-6000, कम्युनिकेशन, नेविगेशन और कंट्रोल सिस्टम सॉफ्टवेयर भारत में ही विकसित

किए गए हैं। कुछ कैमरे, सेंसर, अकॉस्टिक फोन और सिंटेक्टिक फोम आयात करने पड़े।

लक्ष्य है कि 2026 में 30 मीटर, 200 मीटर और 500 मीटर की गहराई में समुद्रयान के तीन अलग-अलग रिहर्सल और टेस्ट होंगे। सभी उपकरणों और हर हिस्सों को नार्वे की एजेंसी डीएनवी (डेट नॉर्स्क वेरीटास) से सर्टिफिकेशन हासिल हो चुका है।

समुद्रयान भारत के डीप ओशन मिशन का हिस्सा :

समुद्रयान मिशन भारत का पहला मानवयुक्त समुद्र मिशन है, जिसका मकसद मत्स्य-6000 नाम के मानवयुक्त पनडुब्बी में 3 वैज्ञानिकों को समुद्र की 6,000 मीटर की गहराई तक भेजना है। यह भारत के 'डीप ओशन मिशन' का एक हिस्सा है। इसके तहत समुद्र के संसाधनों और जैव-विविधता का अध्ययन किया जाएगा। 2027 में गगनयान के मानव मिशन के साथ हिंद महासागर में 3 भारतीय एक्कानॉट्स समुद्र की गहराई में गोता लगाएंगे।

ड्रंक एंड ड्राइव केस में सजा के डर से युवक ने की आत्महत्या

करीमनगर, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर जिले के चोप्पाडांडी में शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में पकड़े गए एक युवक ने अदालत द्वारा संभावित कारावास की सजा और भारी जुर्माने के डर से शनिवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, सुरा विजय कुमार (28), जो एक चिकन सेंटर में काम करता था, तलाशी अभियान के दौरान नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया था। उसे शुक्रवार को अदालत में पेश होने को कहा गया था, लेकिन देर से पहुंचने के कारण उसे अगले दिन आने के लिए कहा गया। शनिवार को न्यायाधीश के अवकाश पर होने से मामला नहीं सुना जा सका और अदालत कर्मचारियों ने उसे नए सम्मन का इंतजार करने की सलाह दी। विजय कुमार ने घर जाकर अपनी पत्नी से चिंता व्यक्त की कि यदि अदालत ने जुर्माना लगाया, तो उसे भरना उनके लिए मुश्किल होगा।

मुजम्मिल के मोबाइल से बड़ा खुलासा

एक दर्जन से ज्यादा डॉक्टरों की तलाश, लिस्ट की गई तैयार, जैश से जुड़े तार

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। लाल किला के सामने बम धमाके के मामले में जांच एजेंसियां कई डॉक्टरों के मोबाइल फोन और सीडीआर से जुड़े नेटवर्क का पता लगा रही हैं। नूंह और फरीदाबाद से कई डॉक्टरों को पकड़ा गया है। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि विस्फोट के बाद से 12 से अधिक डॉक्टरों के फोन नंबर बंद हैं, जिन्हें जांच एजेंसियां ट्रेस करने की कोशिश कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक इनमें से अधिकतर अल फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं।

बम धमाके के मामले में जांच एजेंसियों को बड़ा सुराग मिला है। गिरफ्तार संदिग्ध डॉक्टरों के साथ डॉक्टर मुजम्मिल के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल रिकॉर्ड यानी कि सीडीआर से एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। सूत्रों के अनुसार एजेंसियों ने डॉक्टरों की एक लंबी लिस्ट तैयार की है।

इसमें अल फलाह यूनिवर्सिटी से पढ़े और वहां काम करने वाले डॉक्टरों की संख्या ज्यादा है। इनमें से कई डॉक्टरों के फोन उमर के बम धमाके के बाद से बंद हैं। सूत्र बताते हैं कि करीब एक दर्जन से ज्यादा डॉक्टरों की तलाश की जा रही है, जो जैश से जुड़े इन संदिग्धों के संपर्क में थे। डॉ. शाहीन के फोन से जांच एजेंसियों को कई सबूत मिले हैं।

अल फलाह यूनिवर्सिटी की जमीन की भी प्रशासन ने गहन जांच शुरू कर दी है। इस मामले में फरीदाबाद पुलिस की सीआईए ने यूनिवर्सिटी के मालिक व ट्रस्ट कार्यालय में जाकर कागज पत्रों की जांच की। यहां पर अल फलाह यूनिवर्सिटी के मालिक जावेद अहमद सिद्दीकी रहते हैं और चैरिटेबल ट्रस्ट का कार्यालय भी यहीं है।

नूंह से हिरासत में लिए गए डॉक्टरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

फिरोजपुर झिरका से डॉ. मोहम्मद, नूंह शहर से डॉक्टर रिहान और पुन्हाना के सुनहेड़ा गांव से डॉ. मुस्तकीम को एक दिन पहले पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था उन्हें देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के मुताबिक, मोहम्मद 15 नवंबर को अल फलाह यूनिवर्सिटी में ड्यूटी जॉइन करने वाला था लेकिन उससे पहले दिल्ली में ब्लास्ट हो गया।

इन नारों से डॉक्टरों का किया ब्रेनवॉश

कश्मीर बनेगा दारुल इस्लाम (कश्मीर इस्लाम का घर बनेगा) और शरीयत या शहादत के दो नारों से अल फलाह यूनिवर्सिटी के डॉक्टरों, स्टॉफ व छात्रों का ब्रेनवॉश किया जा रहा था। ये नारे आतंकी संगठन अंसर गजावत-उल-हिंद के हैं। पाकिस्तान में बैठे हैंडलर इन्हीं नारों के जरिये दिल्ली के नजदीक बनी अल फलाह यूनिवर्सिटी से ही राजधानी व आस-पास के हिस्सों को दहलाने की साजिश रच रहे हैं। पाकिस्तानी हैंडलर ये नारे डॉ. मुज्जमिल, डॉ. उमर व इनके अन्य साथियों को बताते थे।

भीषण सड़क हादसा, फॉर्च्यूनर कार और ट्रैक्टर ट्रॉली के बीच टक्कर में 5 की मौत

ग्वालियर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां एक फॉर्च्यूनर कार और रेत से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली के बीच टक्कर में कार सवार 5 लोगों की मौत हो गई है। हादसे के दौरान ही पांचों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। मामला ग्वालियर के सिरोल थाना क्षेत्र का है। यहां भीषण सड़क हादसा हुआ और रेत से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली से फॉर्च्यूनर कार टकरा गई। इस घटना में कार सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना ग्वालियर झांसी हाईवे पर मालवा कॉलेज के सामने हुई।

ये घटना सुबह लगभग 6:30 बजे के करीब हुई है। ग्वालियर सीएसपी ने बताया कि ग्वालियर के महाराजपुरा इलाके में एक अनियंत्रित फॉर्च्यूनर और ट्रैक्टर की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। ग्वालियर सीएसपी हिना खान ने बताया, आज सुबह 6-6:30 बजे कंट्रोल रूम को हाईवे पर मालवा कॉलेज के सामने एक हादसे की सूचना मिली, जिसमें एक कार और ट्रैक्टर की टक्कर हो गई।

'कांग्रेस अपने राजकुमार का बचाव कर रही'

चिदंबरम के लेख पर भाजपा की तीखी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा 2025 के नतीजों को लेकर भाजपा ने रविवार (16 नवंबर, 2025) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी। चिदंबरम की आलोचना की और उनकी पार्टी पर खराब प्रदर्शन के बाद लोगों का अपमान करने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कड़े शब्दों में आलोचना करते हुए लिखा कि कांग्रेस ने एक बार फिर अपनी नाकामी की जांच करने के बजाय जनता पर दोष मढ़कर अपने राजकुमार का बचाव करने का विकल्प चुना है।

'दोष मढ़ना कांग्रेस की आदत'

उन्होंने लिखा, आत्मचिंतन करने के बजाय, कांग्रेस ने एक बार फिर जनता पर दोष मढ़कर अपने राजकुमार का बचाव करना चुना है। चिदंबरम के कॉलम का जिक्र करते हुए पूनावाला ने कहा, पी चिदंबरम लिखते हैं, उन्हें सत्ता में लेकर आना जनता की जिम्मेदारी है। ये लोग कितने हकदार और भ्रमित हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में दोष मढ़ने की आदत रही है। उन्होंने कहा, ईवीएम को दोष दो, एसआईआर को दोष दो, अब बिहार की जनता को दोष दो। 95 की हार के लिए राहुल को दोष मत दो। राहुल कुछ गलत नहीं कर सकते, जनता गलत है! कांग्रेस ने फिर बिहार का अपमान किया!

चिदंबरम ने क्या लेख लिखा?

चिदंबरम ने 'मतदान जिम्मेदारियों का अंत नहीं है' शीर्षक से अपने कॉलम में जनादेश का विश्लेषण किया, जिसमें एनडीए को 202 सीटें दी गईं, जबकि महागठबंधन को 35 सीटें मिलीं। उन्होंने लिखा कि नागरिकों को परिणाम स्वीकार करना चाहिए, लेकिन उन्हें यह भी जांचना होगा कि राज्य को अभी भी गहरे संरचनात्मक संकटों का सामना क्यों करना पड़ रहा है।

पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि बिहार के लोगों को "लालू प्रसाद की सरकार के 15 साल याद हैं" और नीतीश कुमार के लंबे शासन को भी याद है, लेकिन फिर भी "भारी बेरोजगारी, काम के लिए करोड़ों लोगों का पलायन, बहुआयामी गरीबी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा की दयनीय स्थिति और शराबबंदी की विफलता" के बावजूद उन्होंने बदलाव के लिए वोट नहीं दिया। चिदंबरम ने तर्क दिया कि इन परिस्थितियों को देखते हुए, इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं है कि लोगों ने ऐसा मतदान क्यों किया।

उन्होंने कहा कि बिहार के मतदाताओं को चंपारण युग की भावना को फिर से खोजना होगा और अयोग्य शिक्षकों, बदहाल स्कूलों, पेपर लीक, हेरफेर किए गए परीक्षा परिणामों और नौकरियों के लंबे समय से अभाव को स्वीकार करने से इनकार करना होगा।

सुबह 3 बजे घर पर लगाई कोर्ट में जज का बड़ा फैसला

ईडी की हिरासत में भेजा मनी लॉन्ड्रिंग का आरोपी

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों के लिए बनाए फ्लैटों को महंगे दामों पर बेचने के आरोपी को सजा देने के लिए जज ने रात 3 बजे अपने घर में अदालत बुलाई और बड़ा फैसला सुना दिया। आरोपी को ईडी की हिरासत में भेजने के आदेश जारी किए गए। यह फैसला दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट की एडिशनल सेशंस जज शेफाली बरनाला टंडन ने सुनाया। फैसला इसलिए भी ऐतिहासिक था, क्यों कि आरोपी को सजा देने के लिए जज शेफाली ने सुबह का इंतजार भी नहीं किया। आरोपी ओशन सेवन बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड का प्रमोटर स्वराज सिंह यादव है।

ईडी ने देर रात आरोपी को लिया हिरासत में

मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला 222 करोड़ रुपये से अधिक का है, इस पैसे को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गुरुग्राम में गरीबों के लिए बने फ्लैटों को अवैध रूप से महंगे दामों पर बेचकर जुटाया गया। आरोपी ओशन सेवन बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड के प्रमोटर स्वराज सिंह यादव के ठिकानों पर दिनभर ईडी की छापेमारी चली और देर रात आरोपी को ईडी ने हिरासत में ले लिया। द टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, गरीबों के लिए बनाए फ्लैटों को अवैध तौर पर 40-50 लाख रुपये में बेचा गया था, जबकि एक फ्लैट की मूल कीमत 26.5 लाख रुपये थी। मूल आवंटियों के साथ धोखाधड़ी हुई और जिनका आवंटन रद्द हुआ, उन्हें जमा राशि भी नहीं लौटाई।

नौसेना डॉकयार्ड को उड़ाने की धमकी

मुंबई पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई में रविवार (16 नवंबर, 2025) को नौसेना के डॉकयार्ड को धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। डॉकयार्ड के दो कर्मचारियों ने मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में फोन कर धमकी दी थी। इस पर कार्रवाई करते हुए मुंबई पुलिस ने दोनों शख्स का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान सामने आया कि धमकी देने वाला शख्स उस समय नशे में था और डॉकयार्ड का ही कर्मचारी था। उसके साथ एक शख्स को भी पूछताछ के लिए लाया गया था। वह व्यक्ति भी उसी डॉकयार्ड का कर्मचारी था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दोनों लोगों ने शराब के नशे में धमकी भरा फोन किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई पुलिस ने फर्जी धमकी देने के मामले में जहांगीर शेख नाम के शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि धमकी देने वाले व्यक्ति के खुद आंध्र प्रदेश में होने की बात कही थी। उसने कॉल कर दावा किया कि किसी और ने उसे इस हमले की जानकारी दी है। धमकी मिलते ही पुलिस के साथ सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी हो गईं और तुरंत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू कर दिए गए। टीम ने डॉकयार्ड के इलाके में और आस-पास तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई भी संदिग्ध चीज, शख्स या गतिविधि नहीं मिली। इसके बाद अधिकारियों ने कॉल कर धमकी देने वाले शख्स का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

157 किसानों ने 50 लाख चुकाए, फिर भी कर्जदार

रतलाम, 16 नवंबर (एजेंसियां)। रतलाम जिले की नगरा सोसाइटी में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां 157 किसान 10 साल पहले कर्ज चुकाने के बावजूद डिफॉल्टर बने हुए हैं। सहकारी बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से हुए इस घोटाले में किसानों को खाद और ऋण नहीं मिल रहा है, जिससे वे आर्थिक रूप से परेशान हैं। शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं होने पर किसानों ने जल समाधि लेने का फैसला किया है। मामले में पता चला कि सोसाइटी के तत्कालीन सहायक प्रबंधक और लेखापाल ने मिलकर 31 लाख रुपए से अधिक का गबन किया। इस घोटाले के विरोध में किसानों ने सोसाइटी पर तालाबंदी की और कलेक्ट्रेट में धरना भी दिया,

'माफी मांगें या फिर कानूनी कार्रवाई होगी'

राजभवन में हथियार बांटे जाने के आरोपों पर बरसे राज्यपाल

कोलकाता, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने रविवार को टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया था कि राजभवन में हथियार बांटे जाते हैं। राज्यपाल ने आरोपों को आधारहीन बताया और चेतावनी दी कि अगर टीएमसी सांसद ने माफी नहीं मांगी तो वे कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं।

क्या बोले राज्यपाल सीवी आनंद बोस

राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि 'जो आरोप लगाए गए हैं, उनके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। जब सत्ताधारी पार्टी के सांसद कहते हैं कि राजभवन में हथियार उपलब्ध हैं तो इसका मतलब ये है कि उनका अपने ही राज्य की पुलिस पर भरोसा नहीं है?

क्या इसके पीछे कोई अंदरूनी राजनीति है?' राज्यपाल ने कहा कि 'राजभवन में हथियारों को ढूंढने की बात ऐसी है, जैसे कोई दृष्टिहीन व्यक्ति एक अंधेरे कमरे में काली बिल्ली को ढूंढ रहा हो, जो कि वहां है ही नहीं।' राज्यपाल ने कहा कि राजभवन लोगों के लिए खुला है। उन्होंने कहा कि 'सुबह 5 बजे से लेकर आम लोग, नागरिक समाज के लोग, मीडियाकर्मी राजभवन आकर देख सकते हैं कि क्या राजभवन में हथियार हैं या नहीं।'

बिहार में नई सरकार के गठन के लिए राजनीतिक सरगर्मी तेज

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में अगले 48 घंटे बेहद अहम होने वाले हैं। सोमवार से कई बड़ी बैठकें होने की संभावना है, जिनके बाद राज्य में सरकार परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। माना जा रहा है कि सीएम नीतीश कुमार सोमवार देर शाम या मंगलवार सुबह इस्तीफा भी दे सकते हैं। नई सरकार बनने तक वे कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

नीतीश कुमार के इस्तीफे को लेकर सामने आया बड़ा अपडेट

बीजेपी विधायक दल की बैठक सोमवार को संभव

बीजेपी की ओर से सोमवार को विधायक दल की बैठक बुलाई जा सकती है। इसके लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति आज शाम या कल सुबह तक होने की संभावना है।

जदयू विधायक दल की बैठक भी सोमवार को

जदयू भी सोमवार को अपने विधायकों की बैठक कर सकती है। यही बैठक आगे की रणनीति और राजनीतिक रास्ता तय करेगी। सोमवार को नीतीश कुमार अपनी कैबिनेट की एक अहम और सम्भवतः अंतिम बैठक कर सकते हैं। कैबिनेट की बैठक के बाद नीतीश कुमार सोमवार देर शाम या मंगलवार सुबह राजभवन जा सकते हैं। वह राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपेंगे। नई सरकार के शपथ लेने तक वे कार्यवाहक मुख्यमंत्री की भूमिका निभाएंगे।

राजभवन से लौटने के बाद एनडीए विधायक दल की बैठक

नीतीश के इस्तीफे के बाद एनडीए विधायक दल की बैठक मुख्यमंत्री आवास पर होगी। इस बैठक में नीतीश कुमार को एनडीए विधायक दल का नेता चुना जाएगा। एनडीए विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद नीतीश कुमार दोबारा राजभवन जाकर नई सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

22 नवंबर से पहले नई सरकार का गठन जरूरी

वर्तमान 17वीं विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इससे पहले नई (18वीं) विधानसभा के गठन और नई सरकार के शपथ का पूरा प्रोसेस पूरा करना जरूरी है।

जुआं घर पर छापा, 84 हजार रुपए जब्त

इंदौर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर की परदेशीपुरा पुलिस ने इलाके में एक जुआं घर पर छापा मारकर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, थाने के कुछ स्टाफ की मिलीभगत से यहां लंबे समय से जुआ संचालित हो रहा था। टीआई पहले भी दो बार दबिश दे चुके थे, लेकिन हर बार जुआरियों को पहले से भनक लग जाती थी और पुलिस खाली हाथ लौट जाती थी। पक्की मुखबिरी पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया और उनके पास से 84 हजार रुपए जब्त किए। टीआई आरडी। कानवा की टीम ने अमित उर्फ रिंकू ठाकुर, नरेश यादव, राम यादव, ग्यारसीलाल उर्फ गुड्डी अंकल ठाकुर, डैनी मोर्य और रवि मालवीय को पकड़ा।

पंजाब में शादी करवाने का झांसा देता था गिरोह, फर्जी दुल्हन समेत पांच गिरफ्तार

नगरोटा, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बगवां (कांगड़ा)फर्जी शादी कर गहने और नकदी लेकर भागने वाली दुल्हन के मामले में नगरोटा बगवां में पुलिस ने एक गिरोह को गिरफ्तार किया है। इसमें फर्जी दुल्हन समेत तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। तीन आरोपी पंजाब के हैं, जबकि एक महिला और एक पुरुष हिमाचल के रहने वाले हैं। गिरोह जिला कांगड़ा के युवकों की पंजाब की युवतियों के साथ शादी करवाकर ठगी की घटनाओं को अंजाम देता था।

अगस्त में पटियालकड़ क्षेत्र के एक युवक से शादी करने के बाद आरोपी युवती 20 दिन बाद ही गहने लेकर भाग गई थी। शनिवार को आरोपी फिर से लड़की की सुजानपुर में शादी करवाने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पीड़ितों ने इन्हें पकड़कर पुलिस थाना में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में इस तरह ठगी का शिकार हुए तीन व्यक्ति पुलिस के सामने आए हैं।

उन्होंने लिखित शिकायत दी कि गिरोह यहां के लड़कों की पंजाब की लड़कियों से शादियां करवाता था और कुछ दिन बाद लड़कियां घर से गहने आदि लेकर फरार हो जाती थीं। हालांकि, ऐसे मामलों की संख्या अधिक हो सकती है। पुलिस ने पीड़ित व्यक्तियों की लिखित शिकायत पर सुबह पंजाब नंबर की एक गाड़ी में सवार कुछ महिलाओं, एक चालक और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

6 लाख तक के नकली नोट खपाए

किराना दुकानों, पान की गुमटियों पर देता था आरोपी

भोपाल, 16 नवंबर (एजेंसियां)। भोपाल में नकली नोट खपाने वाले विवेक यादव ने पुलिस की पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। वह शहर के आउटरों में बनी छोटी किराना दुकानों, पान की गुमटियों और चाय-नाश्ते की होटलों पर इन नोटों को खपाता था। उसने रायसेन रोड, 11 मील, बैरसिया रोड का ईंटखेड़ी गुनगा, परवलिया सड़क, एयरपोर्ट रोड, गांधी नगर, पिपलानी, अवधपुरी समेत कई इलाकों में नोट चलाए हैं। आसपास के जिलों में भी उसने नोट चलाए हैं। खास बात यह है कि वह एक दिन में सिर्फ 3 से 4 नकली नोट ही चलाता था। आरोपी विकास के घर की तलाशी में पुलिस को 500 रुपए के 428 नकली नोट मिले हैं। पुलिस को उसके पास से 30 लाख से ज्यादा के नकली नोट छापने का रॉ मटेरियल भी मिला है।

पूछताछ में उसने नकली नोट खपाने के तरीके बताए हैं। यह भी बताया कि उसने नकली नोटों में अधिक सफाई लाने के लिए रकम जुटाकर महंगे उपकरण खरीदे थे। आरोपी पिपलानी इलाके में शांति नगर झुग्गी बस्ती के पास एक दुकान पर दोबारा नोट चलाने गया था। जहां उसे पहचान लिया गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दे दी। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी को शनिवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

आईआईटी इंदौर को मिली बड़ी सफलता

अब अंतरिक्ष मिशन में 'फेल' नहीं होंगे सेंसर

नए सेंसर की प्रमुख विशेषताएं

* -270 सेल्सियस तक के न्यूनतम तापमान पर भी विश्वसनीय संचालन की क्षमता।
* पारंपरिक दूरसंचार ऑप्टिकल फाइबर की तुलना में उल्लेखनीय रूप से उच्च संवेदनशीलता, जो आमतौर पर -150 सेल्सियस से नीचे प्रदर्शन खो देते हैं।
* मौजूदा मेटल-कोटेड फाइबर सेंसर की तुलना में बेहतर प्रदर्शन।

इंदौर, 16 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर के शोधकर्ताओं ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। संस्थान ने भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए एक अत्याधुनिक क्रायोजेनिक ऑप्टिकल फाइबर सेंसर विकसित किया है, जो अत्यंत निम्न-तापमान (-270 सेल्सियस तक) वाले वातावरण में भी सटीक रूप से काम करने में सक्षम है।

यह नवाचार मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की मेक्ट्रोनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन लैब द्वारा प्रोफेसर आईए। पलानी और शोधकर्ता डॉ। नंदिनी पात्रा के नेतृत्व में विकसित किया गया है। इस परियोजना को इसरो के लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (एलपीएससी) के साथ रेस्पॉन्ड कार्यक्रम के तहत कार्यान्वित किया गया है। इस तकनीक के लिए वर्तमान में तीन संयुक्त पेटेंट प्रक्रिया में हैं।

एयरोस्पेस, ऊर्जा और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में कई उन्नत प्रणालियों को हीलियम, हाइड्रोजन और नाइट्रोजन के क्वथनांक के करीब के तापमान पर काम करना पड़ता है। पारंपरिक सेंसर इतने ठंडे वातावरण में संघर्ष करते हैं। ऑप्टिकल फाइबर सेंसर हल्के होने और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक हस्तक्षेप से मुक्त होने के कारण बेहतर होते हैं, लेकिन स्टैंडर्ड ऑप्टिकल फाइबर भी बहुत कम तापमान पर अपनी संवेदनशीलता खो देते हैं।

इस चुनौती से पार पाने के लिए, आईआईटी इंदौर की टीम ने ऑप्टिकल फाइबर पर 'शेप मेमोरी एलॉय' (एसएमए) कोटिंग का इस्तेमाल किया। एसएमए में व्यापक तापमान सीमा में काम करने की अनूठी क्षमता होती है। यह कोटिंग फाइबर से गुजरने वाले ऑप्टिकल सिग्नल में होने वाले बदलावों को बढ़ा देती है, जिससे क्रायोजेनिक तापमान पर भी सेंसर की संवेदनशीलता में उल्लेखनीय सुधार होता है।

यह नव विकसित सेंसर कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसका उपयोग -180 सेल्सियस तक के तापमान पर एलएनजी पाइपलाइनों की निगरानी, रिसाव का पता लगाने, प्रक्षेपण यान के उपकरणों के तापीय स्वास्थ्य की निगरानी और अंतरिक्ष यान के क्रायोजेनिक ईंधन टैंकों में तापमान और द्रव स्तर को मापने के लिए किया जा सकेगा।

आईआईटी इंदौर के निदेशक, प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा, यह नवाचार भारत की रणनीतिक तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसरो के साथ हमारा सहयोग सीधे राष्ट्रीय अंतरिक्ष मिशनों का समर्थन कर सकता है और स्वदेशी एयरोस्पेस तकनीकों में योगदान दे सकता है। शोध दल का नेतृत्व करने वाले प्रोफेसर पलानी ने कहा कि अंतरिक्ष यान के ईंधन टैंकों में अति-निम्न तापमान की निगरानी एक बड़ी चुनौती है और यह नया सेंसर इस समस्या का प्रभावी समाधान है।

आप नेता पर हत्या का केस दर्ज, डेढ़ साल पहले हुई थी नौकरानी की मौत; यूपी में जीरो एफआईआर

जालंधर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में आम आदमी पार्टी (आप) नेता के खिलाफ पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया है। जालंधर की पॉश कॉलोनी शिव विहार में 20 वर्षीय नौकरानी निखिता की संदिग्ध मौत के लगभग डेढ़ साल बाद अब बड़ा मोड़ आ गया है। मामले में आप नेता और पूर्व पार्षद रोहन सहगल, उनकी मां नगीना सहगल, मृतका की बुआ कृष्णा वर्मा और एक अन्य व्यक्ति शिव के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश से आए जीरो एफआईआर के आधार पर की गई है।

मृतका के पिता सूरत वर्मा (निवासी—निबोरिया लोकाहवा, बृजमनगंज, यूपी) ने यूपी की अदालत में याचिका दायर की थी और पुलिस में शिकायत देकर आरोप लगाया था कि उनकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या कर शव फंदे से लटकाया गया था। पिता ने यह भी आरोप लगाए कि जालंधर पुलिस ने उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया और उन्हें रोहन सहगल व कृष्णा द्वारा जान से मारने की धमकियां भी मिलीं। अंतिम संस्कार के बाद वे बेटी को इंसाफ दिलाने के लिए यूपी में कानूनी लड़ाई लड़ते रहे। थाना-7 पुलिस ने केस नंबर 179 दर्ज करते हुए सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। एसएचओ बलजिंदर सिंह ने एफआईआर की पुष्टि की है।

कॉलेज छात्र का अपहरण कर जबरन करवाई लिंग परिवर्तन सर्जरी, ट्रांसजेंडर गिरोह के चार लोग गिरफ्तार

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई से एक हैरान करने वाला मामला सामने आ रहा है, जहां 19 वर्षीय कॉलेज छात्र का कथित तौर पर अपहरण किया गया। साथ ही ब्लैकमेल करते हुए जबरन लिंग परिवर्तन सर्जरी करवाई गई। पीड़ित का दावा है कि नेहा खान उर्फ नेहा इप्ते और उसके साथियों के नेतृत्व वाले एक गिरोह ने उसे निशाना बनाया। गिरोह ने कथित तौर पर उसे डराने के लिए हमला किया और अश्लील वीडियो दिखाकर धमकियां दीं। शिकायत के अनुसार, 28 अक्टूबर को, आरोपी व्यक्ति कथित तौर पर युवक को सूरत के एक अस्पताल ले गए और उसकी लिंग परिवर्तन सर्जरी करवाई। पीड़ित ने आगे आरोप लगाया कि गिरोह ने उससे भीख मांगने की कोशिश की, उससे पैसे ऐंठे और उसे लगातार धमकियां दीं। पीड़ित 4 नवंबर को भागने में कामयाब रहा और बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मालवानी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपहरण, ब्लैकमेल, जबरदस्ती और मेडिकल हमला/अत्याचार सहित कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

मंत्री इंदर सिंह परमार बोले- राजा राममोहन राय अंग्रेजों के दलाल थे, वह फर्जी समाज सुधारक थे

भोपाल, 16 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने राजा राममोहन राय को अंग्रेजों के दलाल के रूप में काम करने का विवादित बयान दिया है।

यहीं नहीं मंत्री ने कहा कि वह फर्जी समाज सुधारक थे। मंत्री आगर मालवा में जनजातीय नायक बिरसा मुंडी की 150वीं जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित रहे थे। अपने इस बयान से मंत्री एक बार फिर विवाद में आ गए हैं। इससे पहले मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा अमेरिका की खोज कोलंबस ने नहीं बल्कि हमारे पूर्वजों के द्वारा करने के बयान से चर्चा में आ गए थे। आगर मालवा में परमार ने कहा कि अंग्रेजी शासन के दौर में मिशनरी स्कूलों के माध्यम से लोगों की आस्था बदलने और धर्मांतरण का प्रयास किया गया। उन्होंने दावा किया कि उस दौर में समाज सुधारक के रूप में जिन व्यक्तियों को आगे बढ़ाया गया, वे वास्तविकता में अंग्रेजों के हितों के लिए काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजा राममोहन राय फर्जी समाज सुधारक थे। मंत्री ने बिरसा मुंडा की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने मिशनरी गतिविधियों को समझकर स्कूल जाना छोड़ दिया और जनजातियों की पहचान व आस्था की रक्षा के लिए अंग्रेजों का खुलकर विरोध किया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने धर्मांतरण को बढ़ावा देने वाली ताकतों के खिलाफ संघर्ष करते हुए आदिवासी समाज को एकजुट किया।

सुविचार: ये दुनिया है यहाँ सबको सब कुछ नजर आता है, सिवाय अपनी गलतियों के!

धनुष श्रीकांत को 1.20 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलेगी : खेल मंत्री

तेलंगाना स्पोर्ट्स स्कूल का उद्घाटन

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टोक्यो बधिर ओलंपिक 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाले धनुष श्रीकांत को बधाई देते हुए, राज्य के खेल मंत्री वक्ति श्रीहरि ने रविवार को घोषणा की कि राज्य सरकार खेल नीति के तहत निशानेबाज धनुष को 1 करोड़ 20 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करेगी। रविवार को मंत्री ने हनुमाकोंडा जिला मुख्यालय स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में नए तेलंगाना स्पोर्ट्स स्कूल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, श्रीहरि ने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने गठन के बाद से ही खेलों को उच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि खेलों में अनुशासन बहुत महत्वपूर्ण है और केवल एकाग्रता से ही खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि छात्र स्तर पर खेल कौशल में सुधार की आवश्यकता है और उन्होंने कहा कि तेलंगाना से छोटे देश दक्षिण कोरिया ने ओलंपिक में 36 स्वर्ण पदक जीते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को यह सोचना चाहिए कि वे ओलंपिक में कोई पदक क्यों नहीं जीत पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल स्कूलों में शामिल होने वाले छात्रों को वीडियो गेम, टीवी और मोबाइल जैसी गतिविधियों से विचलित नहीं होना चाहिए और केवल खेलों में ही रुचि दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों के लिए नौकरी के अवसरों में आरक्षण बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना खेल प्राधिकरण 2025-26 शैक्षणिक वर्ष के लिए हनमाकोंडा में 80 लड़के और लड़कियों के साथ एक खेल स्कूल शुरू करने पर प्रसन्न है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए एक खेल नीति लेकर आई है कि तेलंगाना राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भाग लें। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण स्तर के खिलाड़ियों की प्रतिभा को पहचाना जाएगा और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं की पहचान कम उम्र से ही की जानी चाहिए और उन्हें पोषित, प्रशिक्षित, शारीरिक रूप से मजबूत बनाया जाना चाहिए और खेलों में उत्कृष्टता हासिल करनी चाहिए। मंत्री ने बताया कि इसे एक तरह से विकसित किया जाएगा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस नीति के माध्यम से प्रत्येक जिले में आधुनिक स्टेडियम और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि खेल नीति का मुख्य उद्देश्य तेलंगाना को भारत का खेल केंद्र बनाना है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना राज्य सरकार पहली बार यंग इंडिया फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना करेगी और इस विश्वविद्यालय में शारीरिक शिक्षा और खेल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना खेल विभाग ने कोचों के लिए गुरु वंदनम योजना के तहत पहली बार कोचों के लिए एक कल्याणकारी योजना शुरू की है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत कोचों को 15 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य के सभी स्टेडियमों में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविरों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष, राज्य भर के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पहली बार शेपिंग यंग इंडिया 2025 नाम से ग्रीष्मकालीन कोचिंग शिविर आयोजित किए गए और ग्रामीण स्तर के खेलों को बढ़ावा देने के लिए सीएम कप 2024 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों को खेल पोशाक और किट वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में विधायक नयिनी राजेंदर रेड्डी, काडियाम श्रीहरि, नागराजू, वित्त आयोग के अध्यक्ष सिरिसिला राजैया, मेयर गुंडू सुधारानी, एसएटीएस के अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी, मत्स्य निगम के अध्यक्ष मेट्टू साई, मुदिराज निगम के अध्यक्ष बोर्रा ज्ञानेश्वर मुदिराज और अन्य ने भाग लिया।

निर्मल और आसिफाबाद में सड़क हादसों में दो की मौत

निर्मल/कुमराम भीम आसिफाबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों में शनिवार रात दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना निर्मल कस्बे में डॉक्टर्स लेन पर रात करीब 9 बजे हुई, जब पुरस्थु साई चरण (22) की बाइक डिवाइडर से टकरा गई। सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। साई चरण विदेशी उच्च शिक्षा की तैयारी कर रहा था और भारतीय नौसेना से संबंधित एक कोर्स भी पूरा कर चुका था। वह एक स्थानीय अखबार में कार्यरत पत्रकार का बेटा था।

दूसरी घटना सिरपुर (तमिलनाडु) मंडल के लिंबुगुडा गांव में हुई, जहां साप्ताहिक बाजार से लौटते समय एक ऑटो-रिक्शा पलट गया। हादसे में सिदाम भीमराम (53) की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद तिपहिया वाहन का चालक फरार हो गया।

तुम्मला ने जिनिंग मिलर्स की समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र से अपील की

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने रविवार को केंद्रीय कृषि मंत्री गिरिराज सिंह के कार्यालय के अधिकारियों के साथ तेलंगाना में जिनिंग मिलर्स के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने केंद्रीय कृषि विभाग के अधिकारियों से इन मुद्दों पर अनुकूल निर्णय लेने का आग्रह किया। यह चर्चा जिनिंग मिलों के प्रतिनिधियों द्वारा जारी एक अल्टीमेटम के बाद हुई, जिसमें संकेत दिया गया था कि सीसीआई द्वारा लगाए गए नियमों के कारण भारी नुकसान हो रहा है और सोमवार, 17 नवंबर से शुरू होने वाली कपास की खरीद रुकने का खतरा है। बातचीत के दौरान, मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने एल1 और एल2 नियमों के कारण जिनिंग मिलर्स के सामने आने वाली कठिनाइयों को दोहराया और केंद्र सरकार के अधिकारियों से इन चुनौतियों का शीघ्र समाधान करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जिनिंग मिलर्स के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाने का इरादा रखती है और इन समस्याओं के समाधान में मदद के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन शहर पहुंचे

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन तेलंगाना की अपनी पहली यात्रा पर रविवार को हैदराबाद पहुंचे और तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उपराष्ट्रपति को उनके आगमन पर गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा ने निकाली रैली

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर हैदराबाद के टैंकबंड में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के साथ स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में, उन्होंने पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और लोगों के साथ विवेकानंद की प्रतिमा से आदिवासी नेता कोमराम भीम की प्रतिमा तक आयोजित एक रैली में भाग लिया। उन्होंने कहा, हमने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद, हमने विवेकानंद की प्रतिमा से कोमुराम भीम की प्रतिमा तक एक विशाल रैली में भाग लिया। आदिवासी नायक भगवान बिरसा

मुंडा की 150वीं जयंती को इस वर्ष पूरे सम्मान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। जिन राज्यों में भाजपा और एनडीए सत्ता में हैं, वहां भगवान बिरसा मुंडा की जयंती आधिकारिक रूप से मनाई जा रही है। गैर-भाजपा शासित राज्यों में, हम पार्टी की ओर से उनकी जयंती मना रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और केंद्रीय कोयला खान मंत्री जी. किशन रेड्डी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि यह रैली भारतीय जनता पार्टी के आदिवासी मोर्चा द्वारा आयोजित की गई थी और यह विवेकानंद की प्रतिमा से कोमुराम भीम की प्रतिमा तक निकाली गई। उन्होंने याद दिलाया कि 1875 में बिरसा मुंडा ने 25 साल की उम्र में तत्कालीन ब्रिटिश सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने कहा कि वे देश की आजादी और आदिवासी अधिकारों के लिए बिरसा मुंडा के संघर्ष को मान्यता देने के लिए ये कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

पत्रकारिता एवं जनसंचार के छात्रों के लिए संयुक्त मास्टर क्लास का आयोजन

पीआरएसआई, हैदराबाद चैप्टर की विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नालंदा स्टूडेंट फोरम की पहल के तहत, पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया ने शहर के ग्यारह (11) डिग्री कॉलेजों के साथ हुए समझौता ज्ञापन के तहत डॉ.बी.आर. अंबेडकर कॉलेज, बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद में पत्रकारिता एवं जनसंचार के छात्रों के लाभ के लिए एक संयुक्त मास्टर क्लास का आयोजन किया। इसमें डॉ.बी.आर. अंबेडकर कॉलेज, सेंट जॉर्ज डिग्री एवं पीजी कॉलेज, सेंट जोसेफ डिग्री कॉलेज, पीआईओ एक्स डिग्री एवं पीजी कॉलेज, आध्या ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के लगभग 60 छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ.बी.आर. अंबेडकर कॉलेज के निदेशक, प्रो.जी. यादगिरी ने छात्रों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए पीआरएसआई द्वारा की गई पहल की सराहना की। कॉलेज के प्राचार्य श्री मत्ता शेखर ने कॉलेज द्वारा संचालित डिग्री और पीजी स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों और पीआरएसआई की पहल के बारे में बताया। सत्र वक्ता, वाई. बाबजी, पूर्व अध्यक्ष, पीआरएसआई और संपादक, पीआर वॉयस ने जनसंपर्क गतिविधियों में शामिल संचार मॉड्यूल के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत किया। एक अन्य वक्ता, कृष्ण बाजी, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (दक्षिण), पीआरएसआई ने कॉलेज से उत्तीर्ण होने के बाद छात्रों के लिए जनसंपर्क पेशे को एक करियर के रूप में प्रस्तुत किया। के. राजेश, सचिव, पीआरएसआई और जनसंपर्क अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे ने पीआरएसआई, हैदराबाद चैप्टर की विभिन्न गतिविधियों पर बात की। अपर्णा राजहंस, कार्यकारी समिति सदस्य, पीआरएसआई ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

बाबा गंगाराम वार्षिक महोत्सव जनवरी में

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। झुंझुनू वाले विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम का 22वां वार्षिक महोत्सव 25 जनवरी को सिकंदराबाद स्थित हरियाणा भवन में मनाया जाएगा। बाबा गंगाराम सेवा समिति के सभी सदस्यों की बैठक 15 नवंबर को समिति अध्यक्ष अशोक केजरीवाल के निवास पर संपन्न हुई जिसमें सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया तथा महोत्सव की रुपरेखा तैयार की गयी। इंडिया गॉट टैलेंट फेम एवं विश्वविख्यात सैंड आर्टिस्ट नितीश भारती बाबा गंगाराम की लीलाओं पर आधारित सैंड आर्ट का प्रस्तुति देंगे। बैठक में महोत्सव से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी समिति के विभिन्न सदस्यों को सौंपी गई। बैठक में केशव शर्मा, श्याम गोयनका, पवन डिडवानिया, संजय जालान, वरुण सराफ, संतोष टाटियां, सौरभ अग्रवाल, अमित मोदी, विशाल डिडवानिया, उमंग गोयनका, संतोष केजरीवाल, कुसुम सराफ, मधु जालान, भावना गोयल, मधु अग्रवाल, सुप्रिया डिडवानिया, वर्षा सराफ तथा नूपुर केजरीवाल ने मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बीआरएस प्रवक्ता मन्ने कृषांक को सोशल मीडिया पर मिली धमकी

जुबली हिल्स उपचुनाव में धांधली के आरोप लगाने के बाद भेजा गया संदेश

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव के बाद बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच बीआरएस के प्रवक्ता और सोशल मीडिया संयोजक मन्ने कृषांक को एक्स पर एक उपयोगकर्ता की ओर से धमकी भरा संदेश मिला है।

यह संदेश नवीन नामक अकाउंट से भेजा गया, जिसमें कृषांक को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की आलोचना न करने की चेतावनी दी गई है। यह धमकी उस समय भेजी गई, जब कृषांक ने उपचुनाव के दौरान हुई कथित धांधली और फर्जी मतदान के आरोपों पर खुलकर टिप्पणी की थी। उपचुनाव 11 नवंबर को हुए थे, जिसके बाद बीआरएस

उम्मीदवार मगंटी सुनीता ने मतदान केंद्रों पर गड़बड़ी और पार्टी कार्यकर्ताओं को धमकाने के आरोप लगाए थे।

कृषांक ने सोशल मीडिया पर इन अनियमितताओं को उठाया था और इसे विपक्ष की आवाज दबाने के लिए राज्य प्रायोजित धमकी बताया था। इसी टिप्पणी के जवाब में उन्हें संदेश मिला। (तम्मुडु लेपेस्थामु निनु रेवंत अन्ना जोलिकि ओस्थे) यानी, भाई, अगर आप रेवंत अन्ना को निशाना बनाएंगे तो हम आपको उठा लेंगे। धमकी भेजने वाले अकाउंट की प्रोफ़ाइल में खुद को हैदराबाद का मैकेनिकल इंजीनियर बताया गया है और उसके 16 फ़ॉलोअर हैं। कृषांक, जो हाल के महीनों में कांग्रेस सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट के चलते पुलिस मामलों का सामना कर चुके हैं, ने इस संदेश का स्क्रीनशॉट पार्टी नेताओं से साझा किया है और साइबर अपराध विभाग में शिकायत दर्ज कराने पर विचार कर रहे हैं।

ड्रंक एंड ड्राइव की विशेष जांच, 457 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद यातायात पुलिस ने शुक्रवार और शनिवार की रात को ड्रंक एंड ड्राइव की विशेष जांच अभियान चलाया, जिसमें 457 लोगों को नशे की हालत में वाहन चलाते पकड़ा गया। इनमें 377 दोपहिया, 27 तिपहिया और 53 चौपहिया वाहन चालक शामिल हैं। सभी के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। चार लोगों में बीएसी स्तर 300 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से अधिक पाया गया, जबकि 14 लोगों का बीएसी स्तर 251 से 300 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर के बीच था।

इसके साथ ही साइबराबाद पुलिस ने भी सप्ताहांत में अभियान चलाते हुए 468 लोगों को पकड़ा। इनमें 335 दोपहिया, 25 तिपहिया, 107 चौपहिया और एक भारी वाहन चालक शामिल हैं। कुल 12 लोगों में बीएसी स्तर 301 से 550 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर के बीच पाया गया।

छह चोर गिरफ्तार, 20 लाख की संपत्ति बरामद

कृषि पंप सेट, तांबे के तार और वाहनों की चोरी में शामिल थे आरोपी

करीमनगर, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर कमिश्नरेट पुलिस ने छह चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से लगभग 20 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की है। पुलिस आयुक्त गौश आलम ने शनिवार को मीडिया के सामने आरोपियों को पेश करते हुए मामले की जानकारी दी।

चोप्पाडांडी कस्बे के गुम्पलापुर चौराहे पर वाहन जांच के दौरान पुलिस ने दो मालवाहक वाहनों में संदिग्ध हालत में यात्रा कर रहे छह लोगों को रोका। पूछताछ में उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में 12 कृषि पंप सेट, तांबे के तार और तीन जानवरों की चोरी सहित कुल 15 अपराध कबूल किए। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मनुपति शेखर, मनुपति संजीव, उंदादी महेश, बोदासु कुमार, सागरला रंजीत और बोडिगे संपत शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से दो मालवाहक वाहन, एक मोटरसाइकिल और करीब तीन क्विंटल तांबे का तार बरामद किया।

अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने 72वां अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह मनाया

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 की पूर्व संध्या पर 16 नवंबर को अपने प्रधान कार्यालय, सिद्दिअंबर बाजार परिसर में 72वां अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह मनाया। इस कार्यक्रम में बैंक के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए नवीन कुमार अग्रवाल, प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष नारायण दत्त और निदेशक सीए पंकज कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे।

तेलंगाना राज्य सरकार की ओर से डॉ.जे प्रसन्ना, संयुक्त रजिस्ट्रार/डीसीओ और श्रीमती एल शारदाम्मा, सहायक रजिस्ट्रार डीआरसीएस, सहकारिता विभाग हैदराबाद और श्रीमती अन्नपूर्णा, संयुक्त रजिस्ट्रार/एमडी और श्रीमती आर संगीता, संयुक्त रजिस्ट्रार/संकाय, तेलंगाना सहकारी संघ लिमिटेड, गनफाउंड्री, हैदराबाद ने समारोह की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर बैंक की विभिन्न शाखाओं के ग्राहक भी उपस्थित थे।

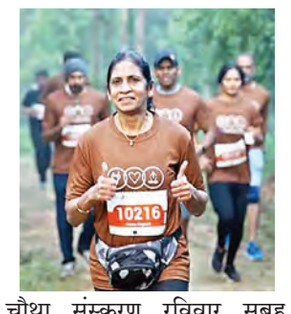

सीईओ सी.वी. राव ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की और उसके बाद अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने राज्य सरकार के अधिकारियों और बैंक के सभी ग्राहकों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि कैसे अग्रसेन बैंक ने चालू वित्त वर्ष में अक्टूबर 2025 तक शाखा नेटवर्क को 4 से बढ़ाकर 11 कर दिया है। 31 मार्च 2025 तक पहली बार 1000 करोड़ रुपये का कारोबार पार कर लिया है और अग्रोहा बैंक का अग्रसेन बैंक में विलय का प्रस्ताव भी रखा है। उन्होंने आगे बताया कि कैसे परिचालन दक्षता और पारदर्शिता में सुधार के लिए बैंक में डिजिटलीकरण शुरू किया गया है। उन्होंने आरबीआई और तेलंगाना राज्य सरकार से मिले अधिकतम समर्थन के लिए भी धन्यवाद दिया। संयुक्त रजिस्ट्रार/डीसीओ श्रीमती डॉ.जे. प्रसन्ना ने साइबर धोखाधड़ी और साइबर हमलों का सामना करने के लिए शक्तिशाली फायरवॉल बनाने जैसी सावधानियों पर विचार-विमर्श किया। श्रीमती अन्नपूर्णा ने अपने भाषण में बताया कि शहरी सहकारी बैंक ग्राहकों के साथ व्यक्तिगत संपर्क बनाए रखते हैं और ग्राहक भी बैंकों के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाए रखते हैं।

श्रीमती आर. संगीता ने बताया कि शहरी सहकारी बैंक अब किसी भी निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक से कमतर नहीं हैं और शहरी सहकारी बैंक अन्य बैंकों द्वारा दी जा रही सभी सुविधाएं भी प्रदान कर रहे हैं। कार्यक्रम का समापन वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए नवीन कुमार अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम में आनंद अग्रवाल, उपमहाप्रबंधक और अग्रसेन बैंक के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

ग्रैन्यूल्स ग्रीन हार्टफुलनेस रन में देशभर से एक लाख से अधिक प्रतिभागी

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रैन्यूल्स ग्रीन हार्टफुलनेस रन और वृक्षारोपण सप्ताह का

चौथा संस्करण रविवार सुबह देशभर में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों से 1,00,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। हार्टफुलनेस मुख्यालय कान्हा शांति वनम, जो विश्व का सबसे बड़ा ध्यान केंद्र है, में अकेले 5,000 से ज्यादा प्रतिभागी शामिल हुए। यह राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम युवा मामले एवं खेल मंत्रालय और फिट इंडिया द्वारा समर्थित है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य, एकता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

दारोगा ने गैंगरेप पीड़िता के साथ 2 दिन में 5 बार रेप किया

बुलंदशहर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के बुलंदशहर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक गैंगरेप पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसके साथ दारोगा ने भी 2 दिन में 5 बार रेप किया और उसके पति को थाने में बिठा लिया। इसके बाद पति को थाने से छोड़ने के नाम पर 50 हजार रुपए रिश्वत भी ले ली। इस घटना से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। बुलंदशहर में खुर्जा नगर में तैनात एक दरोगा पर गैंगरेप पीड़िता से रेप करने का गंभीर आरोप लगा है।

पीड़िता का कहना है कि उसके पति को छोड़ने के बदले एक दरोगा ने उससे 50 हजार रुपए की रिश्वत ली और फिर दो दिन में पांच बार दूसरे दरोगा ने रेप किया। पीड़िता न्याय के लिए अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगा रही है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। खुर्जा निवासी महिला ने शनिवार को एसएसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि वह अपने पति के साथ एक निजी कंपनी में काम करती थी। कंपनी में काम करने वाले तीन युवकों ने उसका अपहरण कर नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाई और फिर गैंगरेप किया। आरोपियों ने बाद में उसका धर्म परिवर्तन भी कराया।

'राजनीति छोड़ रही हूं'

लालू की बेटी रोहिणी आचार्य का चुनाव नतीजों के बाद बड़ा फैसला, परिवार से भी तोड़ा नाता

पटना, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के राजनीतिक गलियारों में उस समय हलचल तेज हो गई जब लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति और परिवार छोड़ने का ऐलान कर दिया। दरअसल, बिहार चुनाव में महागठबंधन को मिली हार के बाद अब लालू परिवार में फूट साफ दिखने लगी है। तेज प्रताप यादव के बाद अब रोहिणी आचार्य ने खुद को पार्टी और परिवार से अलग कर लिया है।

इतना ही नहीं रोहिणी आचार्य ने तेजस्वी यादव पर गंभीर आरोप भी लगाए हैं। तेजस्वी और रोहिणी के बीच पार्टी की हार को लेकर तीखी बहस भी हुई थी, जिसके बाद रोहिणी ने पार्टी और परिवार छोड़ने का ऐलान कर दिया।

बहस के दौरान दी गालियां

सूत्रों के अनुसार, रोहिणी के साथ तेजस्वी की तीखी बहस हुई थी। रोहिणी ने हार की समीक्षा और जिम्मेदारी की बात कही थी। इसी दौरान रोहिणी ने तेजस्वी से कहा कि संजय यादव को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं के विरोध का हमें जवाब देना चाहिए। इसी बात को लेकर तेजस्वी से रोहिणी की बहस हो गई। सूत्रों के मुताबिक तेजस्वी ने रोहिणी से कहा- तुम्हारे ही कारण चुनाव हार गए। तुम्हारा हाथ लग गया हम लोगों को। बहस के दौरान गुस्से मे तेजस्वी ने बड़ी बहन रोहिणी की तरफ चप्पल भी फेंका। इस दौरान गालियां भी दीं।

सिर्फ राघोपुर में प्रचार की मिली जिम्मेदारी

सूत्रों के मुताबिक चुनाव की घोषणा से पहले रोहिणी के नाराज होकर सिंगापुर लौटने के बाद राघोपुर में चुनाव प्रचार के लिए खुद तेजस्वी ने रोहिणी को बुलाया था। रोहिणी ने वापस आकर मामले को खत्म करने की कोशिश भी की। मीडिया में किसी नाराजगी की बात से इंकार कर दिया, लेकिन विधानसभा के चुनाव प्रचार के दौरान रोहिणी अपने क्षेत्र सारण के हर विधानसभा में प्रचार के लिए जाना चाहती थीं, लेकिन उसे सिर्फ राघोपुर जाने दिया गया।

एक साल पुराना विवाद

लोकसभा चुनाव से एक साल पहले जुलाई, 2023 में खुद तेजस्वी ने रोहिणी से सारण से चुनाव लड़ने को कहा था, लेकिन रोहिणी ने कहा कि पापा कहेंगे तब वो इस पर फैसला लेंगी। लालू यादव की सहमति के बाद रोहिणी ने सारण की जगह पाटलिपुत्र से लड़ने की इच्छा जताई, लेकिन मीसा इसके लिए तैयार नहीं हुईं। आखिर में सारण से ही रोहिणी लड़ने को तैयार हो गईं।

संजय यादव की वजह से रोहिणी को किया गया अपमानित

लालू परिवार के करीबी सूत्रों के अनुसार इस समय तक सब ठीक था, लेकिन लोकसभा चुनाव के ठीक पहले यानि अभी से डेढ़ साल पहले से ही रोहिणी को लेकर संजय यादव की राय बदल गई। संजय यादव ने रोहिणी को तेजस्वी के राजनीतिक भविष्य के लिए खतरा बताना शुरू कर दिया। रोहिणी को पॉलिटिक्स छोड़ने की सलाह दी जाने लगी। कई बार रोहिणी को अपमानित किया गया।

शत्रुघ्न सिन्हा क्या घर वापसी की तैयारी कर रहे

एनडीए की जीत से हुए गदगद नीतीश कुमार के लिए क्या कहा?

पटना, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की एकतरफा जीत के बाद भाजपा से बगावत करने वाले पुराने दिग्गज भी अब बैकफुट आते दिख रहे हैं। राज्य में जेडीयू-भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 202 सीटें मिली हैं। यह एक बहुत बड़ी जीत है। 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा और जेडीयू को क्रमशः 89 और 85 सीटें मिली हैं। इस चुनाव परिणाम ने चंद रोज पहले तक बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार का दौर खत्म होने की भविष्यवाणी करने वालों को करारा जवाब दिया है।

नीतीश कुमार ने एक बार साबित कर दिया है कि बिहार के नब्ज को उनसे बेहतर कोई नहीं समझ सकता। ऐसे में अब पुराने बागी भी नीतीश और भाजपा की प्रशंसा करते नहीं थक रहे हैं। इस सूची में सबसे प्रमुख नाम है टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा का। बॉलीवुड के 'शॉटगन' शत्रुघ्न सिन्हा ने इस शानदार जीत पर जेडीयू और भाजपा को दिल खोलकर बधाई दी है। इस एक्स पर एक पोस्ट में शत्रुघ्न सिन्हा ने लिखा है बधाई हो! बिहार के लोगों को उनकी पसंद की सरकार, जिसके लिए उन्होंने वोट दिया और सबसे सम्मानित, सज्जन राजनेता नीतीश कुमार के नेतृत्व के लिए, जो बिहार के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले, भरोसेमंद, आजमाए हुए, परखे हुए और सफल मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्होंने लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने का काम किया है। उनके आसपास के सभी लोगों और पार्टियों को भी बधाई। ईश्वर सबका भला करे और सभी को बधाई। जय बिहार! जय हिंद!

सुबह-सुबह रेस्टोरेंट में लगी भयंकर आग, दम घुटने से एक कर्मचारी की मौत

गोरखपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। तारामंडल स्थित वाटर वेज रेस्टोरेंट एंड बैंक्वेट में रविवार सुबह भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। धुएं से घिरा पूरा भवन दो घंटे तक जलता रहा और अंदर फंसे गोंडा निवासी कर्मचारी पुरुषोत्तम की दम घुटने से मौत हो गई। फायर ब्रिगेड की चार टीमों ने तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। रविवार सुबह 05:16 बजे फायर स्टेशन गोलघर को सूचना मिली कि तारामंडल में बौद्ध संग्रहालय के सामने वाटर वेज रेस्टोरेंट एंड बैंक्वेट में आग लग गई है।

सूचना मिलते ही रामगढ़ताल थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम जब मौके पर पहुंची तो तीन मंजिला इमारत का हर फ्लोर आग की चपेट में था। अग्निशमन दल ने लगातार दो घंटों तक पानी की बौछारें चलाकर आग पर नियंत्रण पाया। धुएं से भरे रेस्टोरेंट के वॉशरूम में हाउस कीपिंग कर्मचारी पुरुषोत्तम अचेत मिले। रामगढ़ताल पुलिस ने उसे अस्पताल ले गई, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

'बिहार में 202 सीटें हजम नहीं हो रहीं...'

यूपी का जिक्र कर बीजेपी की जीत पर भड़के अखिलेश यादव

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव के नतीजों को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी को घेरा है। बेंगलुरु में उन्होंने एनडीए की 202 सीटों की जीत पर सीधा सवाल उठाते हुए कहा कि यह नतीजे 'हजम नहीं हो रहे।' साथ ही उन्होंने कहा कि यूपी की जीत की बराबरी बिहार की जीत नहीं कर सकती। समाजवादी पार्टी अब यूपी में बड़े मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। बेंगलुरु में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिहार चुनाव के नतीजों पर पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि चुनाव हमें हमेशा जीत और हार दोनों से सबक देते हैं। अखिलेश यादव ने कहा, "चुनाव हमें जीत और हार दोनों से सबक देते हैं। बीजेपी ने कहना शुरू कर दिया है कि उन्हें महिलाओं से ज्यादा वोट मिले। आप कब तक 10,000 रुपये देते रहेंगे? गरिमामय जीवन कब देंगे? उन्होंने (एनडीए) 202 सीटें जीतीं। हम इसे पचा नहीं पा रहे हैं। हमें इस मानक को पार करना होगा। बिहार की जीत, उत्तर प्रदेश की जीत की बराबरी नहीं कर सकती। हम उत्तर प्रदेश के लिए तैयार हैं।"

'202 सीटें हजम नहीं हो रहीं'

बिहार के नतीजों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि इतनी बड़ी जीत समझ से परे है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "इतनी सीट जीते हैं 202, डबल सेंचुरी, हजम नहीं हो रहा। मेरा मतलब है, मैं समझ नहीं पा रहा हूँ कि भाई ये रिजल्ट कैसे? अगर 202 आ सकते हैं, तो कोई भी पार्टी 70-80% सीटें जीत सकती है। अगर ये बेंचमार्क है, तो इस बेंचमार्क को हमें क्रॉस करना है।" अखिलेश ने यह भी कहा कि यूपी में समाजवादी पार्टी ने अपनी हार से बहुत कुछ सीखा है और यही अनुभव उन्हें भविष्य में बड़ी जीत दिलाएगा।

'यूपी की जीत अलग होती है, बिहार की अलग'

अखिलेश यादव ने याद दिलाया कि यूपी में समाजवादी पार्टी बहुत कमजोर स्थिति से दोबारा उठी थी। उन्होंने कहा, "जब आप बिल्कुल नीचे पहुंच जाते हैं तब सीखने का मौका मिलता है। हम हारे थे। हमें 5 सीट मिली थी। लेकिन बाद में हमने डबल इंजन को हराया। ऐसी ऐसी सीटें वो हारे हैं जिसकी वो कल्पना नहीं कर सकते। बिहार की जीत यूपी की जीत की बराबरी नहीं कर सकता।" अखिलेश यादव ने यूपी उपचुनावों में भी धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "जो बाय इलेक्शन यूपी में हुआ था, उसमें बीजेपी ने पुलिस लगाकर वोट लूट लिया था।

"इसके साथ ही उन्होंने बुलडोजर राजनीति की भी आलोचना करते हुए कहा, "बुलडोजर कोई अच्छी संस्कृति नहीं है, सुप्रीम कोर्ट ने भी मना किया है। बुलडोजर वही लोग इस्तेमाल करते हैं जो डिस्ट्रक्शन पसंद करते हैं, संविधान और लोकतंत्र पर भरोसा नहीं रखते।" सपा अध्यक्ष ने गठबंधन की राजनीति पर भी संदेश दिया और कहा कि साथी पार्टियों को मुश्किल समय में नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, "हमारा सिद्धांत है कि दोस्त जब कमजोर हो उसका साथ नहीं छोड़ते।"

ड्रिलिंग के दौरान धंसी खदान

एक मजदूर की मौत; 15 श्रमिकों के दबे होने की आशंका

सोनभद्र, 16 नवंबर (एजेंसियां)। ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में दोपहर बाद ड्रिलिंग के दौरान पत्थर खदान धसक गई। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई और 15 श्रमिकों के फंसे होने की खबर है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर हैं। एक शव बरामद कर लिया गया है। बचाव कार्य जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक 15 से अधिक लोग मौके पर काम कर रहे थे। हादसे के वक्त खदान में नौ कंप्रेशर मशीनों से ब्लास्टिंग के लिए होल किया जा रहा था।

घटना तब हुई, जब चंद किमी दूरी पर ही मुख्यमंत्री का कार्यक्रम आयोजित था। उनके लौटने के महज आधे घंटे बाद ही हादसे से खलबली मच गई। सूचना पर डीएम, एसपी सहित अन्य अफसर मौके पर पहुंचे। मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई है। हादसे में दो मजदूरों के मौत की भी चर्चा रही। हालांकि, इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई। मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनजर हुए खनन क्षेत्र में ब्लास्टिंग बंद था। इसे देखते हुए राजकीय पीजी कॉलेज ओबरा के पास मेसर्स कृष्णा माइनिंग के नाम से आवंटित खदान में ब्लास्टिंग के लिए होल बनाने का कार्य जारी था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इस काम में नौ कंप्रेशर मशीनें और 18 से अधिक मजदूर लगे हुए थे। बताया जा रहा है कि दोपहर ढाई बजे के करीब अचानक से एक तरफ की दीवार धसक गई। इससे मलबा करीब डेढ़ सौ फीट नीचे गिरा।

कई मजदूर इसकी चपेट में आ गए। घटना से अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। आनन-फानन पास की अल्ट्राटेक, ओबरा व अन्य परियोजनाओं के राहत दल की मदद से बचाव कार्य शुरू किया। डीएम बद्रीनाथ सिंह, एसपी अभिषेक वर्मा सहित पुलिस-प्रशासन के अन्य अफसर मौके पर पहुंचे। राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। ज्यादातर मजदूर पनारी गांव के निवासी हैं। प्रधान पति लक्ष्मण यादव ने गांव के दो मजदूरों के मौत का दावा किया।

पत्नी का गला घोंटकर नहर में फेंका

मेरठ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। छह महीने से लापता चल रही इंदिरापुरम कालोनी निवासी रीता (26) की हत्या कर शव गंगनहर में फेंका गया था। इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए परतापुर थाना पुलिस ने पति सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें पुलिस ने हत्यारोपी पति हरिनंदन, सास रामपरी, ससुर शंभुशरण, देवर दिपांशु और कार चालक प्रवेश शामिल हैं। जांच में सामने आया कि पति के प्रेम-प्रसंग का विरोध करने पर रीता की हत्या की गई। उसके लापता होने की कहानी बनाकर पति मुंबई में अपने दोस्त के पास जाकर छिप गया था। सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने बताया कि मूलरूप से बिहार के दरभंगा जिले के सिहोल थाना क्षेत्र के विरोज गांव निवासी हरिनंदन यादव पत्नी रीता के अलावा तीन वर्षीय बेटी आयुषी के साथ परतापुर की इंदिरापुरम कॉलोनी में रह रहा था।

बिहार में नीतीश कुमार ही होंगे एनडीए के मुख्यमंत्री? जेडीयू के पोस्टर ने फिर बढ़ाया सस्पेंस

क्या नीतीश कुमार एक बार फिर संभालेंगे सीएम पद?

जेडीयू द्वारा जारी इस पोस्टर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बड़ी तस्वीर लगी है, जिसके साथ लिखा है, बिहार है खुशहाल, फिर से आ गए नीतीश कुमार। इसके साथ कैप्शन में पार्टी ने टिप्पणी की, खुशहाल है बिहार।।। सुरक्षित है बिहार। इस पोस्ट को देखते ही राजनीतिक विश्लेषकों और बिहार की जनता के बीच यह सवाल उठने लगा कि क्या जेडीयू यह संकेत दे रही है कि नीतीश कुमार ही एक बार फिर मुख्यमंत्री पद संभालेंगे।

जेडीयू का पोस्टर बिहार में बना चार्चा का विषय

एनडीए की ओर से अभी तक आधिकारिक तौर पर मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की गई है। बीजेपी, जेडीयू, एलजेपी (रामविलास), हम और आरएलएम जैसे गठबंधन के घटक दलों के शीर्ष नेता जल्द ही बैठक कर नेतृत्व तय करेंगे। लेकिन जेडीयू के इस पोस्टर ने तय प्रक्रिया से पहले ही चर्चाओं के दरवाजे खोल दिए हैं। जेडीयू ने पोस्टर का चुनाव ऐसे समय किया है जब बिहार की राजनीति में सत्ता संतुलन और मुख्यमंत्री पद को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं।

गौर करने वाली बात यह है कि एनडीए में सबसे ज्यादा सीट बीजेपी को मिली हैं, जबकि जेडीयू दूसरे स्थान पर है। इसके बावजूद जेडीयू लगातार नीतीश कुमार को सर्वमान्य नेता और सुशासन का चेहरा बताती रही है। यही वजह है कि पोस्टर में प्रदर्शित संदेश को अप्रत्यक्ष दावा माना जा रहा है।

नीतीश के विकल्प पर विचार करने के मूड में पार्टी

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह पोस्टर जेडीयू की ओर से जनता और गठबंधन को एक तरह का संकेत है कि पार्टी नीतीश कुमार के विकल्प पर विचार करने के मूड में नहीं है। वहीं बीजेपी की ओर से भी कोई सार्वजनिक असहमति नहीं दिखी है, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि निर्णय शायद पहले से ही तय हो चुका हो। अब सबकी निगाहें एनडीए की होने वाली औपचारिक बैठक पर टिकी हैं, जहां मुख्यमंत्री पद पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी, लेकिन इतना तय है कि जेडीयू के इस पोस्टर ने सस्पेंस और बढ़ा दिया है और बिहार की राजनीति में एक बार फिर नीतीश कुमार की भूमिका को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

पटना, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में इन दिनों एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भले ही एनडीए बहुमत के साथ सत्ता में लौट आया हो, लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी सस्पेंस खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी बीच जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर ऐसा पोस्टर शेयर किया है, जिसने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है।

नहर से दो हैंड ग्रेनेड बरामद, जांच में जुटी पुलिस

रोहतास, 16 नवंबर (एजेंसियां)। रोहतास जिले के सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत कर्मा फाल के समीप दो हैंड ग्रेनेड मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने दोनों हैंड ग्रेनेड को एक नहर से बरामद किया है और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने गहनता से जांच शुरू कर दी है।

वहीं नहर से हैंड ग्रेनेड मिलने की सूचना आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी तेजी से फैल गई है, जिसके बाद ग्रामीण दहशत में हैं और तरह-तरह की बातें कही जा रही हैं।

मामले में सासाराम मुफस्सिल थाने के एसएचओ राजीव रंजन सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के कर्मा फाल के समीप एक नहर किनारे दो हैंड ग्रेनेड मिलने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थी। जिसके बाद पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों डिफ्यूज हैंड ग्रेनेड को जब्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि मामला काफी गंभीर एवं संवेदनशील है और पुलिस हर बिंदु पर गहनता से जांच कर रही है।

वहीं एक बम विस्फोट होने का वीडियो भी जिले में तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो रात्रि का है, जिसमें जलती आग के बीच अचानक हुए विस्फोट के बाद आग की लपटें काफी ऊपर तक उठती दिखाई दे रही है। हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है, लेकिन दावा किया जा रहा है कि बम विस्फोट की घटना बरामद हुए दोनों हैंड ग्रेनेड वाले स्थल के आसपास का हीं है।

मुरादाबाद में 600 करोड़ के टैक्स चोरी का खुलासा

5 आईपीएस की टीम संग आईजी करेंगे जांच

मुरादाबाद, 16 नवंबर (एजेंसियां)। पीतल नगरी के नाम से प्रसिद्ध मुरादाबाद इस समय एक बड़े जीएसटी घोटाले को लेकर सुर्खियों में है। मुरादाबाद जनपद में 600 करोड़ रुपए से अधिक की टैक्स चोरी का मामला सामने आया है, जिसने प्रदेश भर में हड़कंप मचा दिया है। बताया जा रहा है कि मुरादाबाद में लोहे के स्क्रैप से लदे दो ट्रक पकड़ने के बाद यह पूरा मामला उजागर हुआ।

जांच के दौरान खुलासा हुआ कि फर्जी बिलिंग और चोरी के जरिये करोड़ों रुपए के टैक्स की हेराफेरी की गई थी। यही कारण है कि अब इस प्रकरण में उच्च स्तर से कार्रवाई शुरू हो गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन ने 5 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की है। यह टीम आईजी रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में पूरे मामले की विस्तृत जांच करेगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस बड़े घोटाले के पीछे कौन-कौन से कारोबारी और अधिकारी शामिल हैं। मामले की जांच से जुड़े सूत्रों का कहना है कि फिलहाल मुरादाबाद जिले में ही 9 बड़े फर्जीवाड़े के केस दर्ज हुए हैं, जिनकी कुल राशि लगभग 600 करोड़ रुपए बताई जा रही है। वहीं, पूरे प्रदेश में ऐसे 147 टैक्स चोरी के मामले दर्ज हुए हैं, जो 45 जिलों तक फैले हैं। जीएसटी चोरी में सामने आई यह कार्रवाई प्रदेश में अब तक की सबसे बड़ी फर्जी बिलिंग और टैक्स हेराफेरी का उदाहरण मानी जा रही है। जांच टीम शीघ्र ही आरोपित फर्मों और उनसे जुड़े लोगों से पूछताछ शुरू करेगी।

'सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए'

एसआईटी को निर्देश दिया गया है कि सभी जिलों के लंबित मामलों की भी समीक्षा की जाए और जीएसटी चोरी में लिप्त कारोबारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। मुरादाबाद में चल रहे इस घोटाले ने न केवल स्थानीय उद्योग जगत बल्कि प्रशासनिक तंत्र को भी हिला दिया है। अधिकारियों का कहना है कि जांच तेजी से आगे बढ़ाई जाएगी, ताकि दोषियों को जल्द सजा मिल सके और भविष्य में इस तरह की टैक्स चोरी पर रोक लगाई जा सके।

ट्रेन में बम की सूचना मची खलबली

अलीगढ़, 16 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली से बिहार जा रही स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच में यात्रा कर रहे एक यात्री के पास बम होने की सूचना पर अलीगढ़ स्टेशन पर खलबली मच गई। आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने चेकिंग करते हुए संदिग्ध व्यक्ति को उतार लिया और उसके पास मिले सामान की तलाशी ली। हालांकि उसके पास कुछ भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। बैग में अमरूद और खाने पीने समेत अन्य सामान मिला। दोनों टीमें संयुक्त रूप से अभी संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ करने में जुटी हुई है।

पूछताछ में उसने अपना नाम 35 वर्षीय सुशील सैनी पुत्र राजकुमार सैनी निवासी ग्राम बिचखाना, थाना अरेर, पोस्ट जिला मधुबनी, बिहार बताया । यह भी बताया कि वह फरीदाबाद में डबुआ फल मंडी में दुकान नंबर 62 पर काम करता है। अपने माता-पिता को गांव से लाने जा रहा था। बैग से सभी सामान एक-एक निकाल कर दिखाया गया, कोई भी संदिग्ध सामान नहीं मिला। बैग में अमरूद, खाने पीने का सामान और कपड़े आदि रखे हुए थे। अभी उसके आपराधिक इतिहास की जानकारी करने के साथ ही उससे पूछताछ की जा रही है।

एमएनएस कार्यकर्ताओं ने हिंदी भाषी शख्स को पीटा, दफ्तर में बुलाकर मारे थप्पड़

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में हिंदी भाषी शख्स के साथ एक बार फिर से मारपीट का मामला सामने आया है। राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने नवी मुंबई के वाशी में हिंदी भाषी शख्स को पीट दिया। मनसे का आरोप है कि उसने मराठी महिला से दुर्व्यवहार किया था। उसने पैसे के लिए अपनी महिला सहकर्मी के साथ दुर्व्यवहार किया और दफ्तर में अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया।

बता दें कि मनसे सहकार सेना के बालासाहेब शिंदे ने रमेश शुक्ला नाम के एक हिंदी भाषी व्यक्ति को कार्यालय में बुलाकर उसकी पिटाई की। इतना ही नहीं, उन्होंने महिला से भी उसकी पिटाई करवाई।

कार्यकर्ताओं ने रमेश शुक्ला से माफी मंगवाई और फिर माफीनामा भी ले लिया। इस घटना के बाद मनसे ने ये चेतावनी दी है कि महाराष्ट्र में रहते हुए मराठी महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार नहीं चलेगा।

चाहे जो भी हो उसे महिलाओं को सम्मान करना पड़ेगा।

'बिहार चुनाव के नतीजे उत्तर कोरिया और चीन जैसे'

महागठबंधन की हार पर भड़के दिग्विजय सिंह

भोपाल, 16 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव परिणाम लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बजाय उत्तर कोरिया, चीन और रूस जैसे देशों के चुनावों की तरह दिखते हैं, जहां "सारे वोट एक ही पार्टी को जाते हैं।" दिग्विजय सिंह ने कहा कि बिहार के नतीजे चौंकाने वाले हैं। भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए ने 243 सीटों में से 200 से ज्यादा पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस सिर्फ 6 सीटों पर सिमट गई। गुना जिले के आवन गांव में उन्होंने कहा, "जो नतीजे आए हैं, वे उत्तर कोरिया, चीन और रूस के चुनावों जैसे हैं, जहां सभी वोट एक ही पार्टी को जाते हैं।"

मतदाता सूची में हेरफेर का आरोप

उन्होंने दावा किया कि बिहार चुनाव से पहले मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई। उन्होंने बताया, "62 लाख नाम हटाए गए और 20 लाख नाम जोड़े गए। निर्वाचन आयोग ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि किसके नाम हटाए गए और किसके जोड़े गए।" उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में ऐसी मनमानी स्वीकार नहीं की जा सकती और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। दिग्विजय सिंह ने ईवीएम को लेकर भी गंभीर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि हर मतदाता को यह जानने का अधिकार है कि उसका वोट कहां गया। उन्होंने कहा, "मेरे वोट की गिनती होनी चाहिए। मुझे एक रसीद मिलनी चाहिए जिससे पता चले कि मेरा वोट कहां गया। दुनिया में जहां भी ईवीएम का इस्तेमाल होता है, वहां बटन दबाने के बाद एक रसीद दी जाती है। यह निर्वाचन आयोग की ज़िम्मेदारी है कि लोगों का ईवीएम पर भरोसा हो।"

महिला रोजगार योजना पर सवाल

बिहार सरकार की 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' पर भी उन्होंने तंज कसा। उन्होंने कहा, "यह पैसा किसका है? यह जनता का पैसा है। आप एक हाथ से जनता से पैसा लेते हैं और दूसरे हाथ से उसे वापस कर देते हैं।"

मतदाता सूची प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग पर निशाना

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर दिग्विजय सिंह ने आयोग पर प्रक्रिया को जटिल बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि फ़ॉर्म भरने से लेकर दस्तावेज जमा करने तक की प्रक्रिया लोगों के लिए मुश्किल बना दी गई है। उन्होंने कहा, "अब वे कह रहे हैं कि आप फ़ॉर्म भरें, अपने पिता का जन्म प्रमाण पत्र लाएं, अपने दादा का जन्म प्रमाण पत्र लाएं। जिसने मैट्रिक पास नहीं किया है, वह मैट्रिक का प्रमाण पत्र कहां से लाएगा।" आधार के इस्तेमाल को लेकर नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा, "पासपोर्ट आधार से बनता है और आधार से बैंक खाता खुलता है, तो यहां आधार का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा? सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है।"

पुणे सहित कई शहरों में शीत लहर का अलर्ट

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। मौसम विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ दिनों के लिए महाराष्ट्र के पुणे सहित कई जिलों में शीत लहर की चेतावनी जारी की है। सोमवार को कुछ इलाकों में शीत लहर चलने की संभावना है। शनिवार को पुणे में रात का तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और सोमवार तक पारा इसी स्तर पर रहने की उम्मीद है। इसके अलावा, शहर के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान अब 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार रविवार सुबह पुणे का तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शिवाजीनगर और पाषाण में क्रमशः 10.6 डिग्री सेल्सियस और 10.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

जानें अगले तीन दिनों तक कैसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग का कहना है कि मानसून के बाद साफ आसमान और उत्तरी हवाएं रात के तापमान को 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे ले जा रही हैं। उत्तरी और मध्य महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में इस मौसम की पहली शीत लहर चल रही है, इसलिए लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 24 घंटों में मुंबई और उपनगरों में आसमान साफ रहेगा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम विभाग की ओर से जारी अनुमान में कहा गया है कि अगले तीन दिनों तक कोंकण-गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा जिलों में मुख्यतः आसमान साफ रहेगा।

नौगाम धमाका केस

जांच एजेंसी का अनंतनाग में छापा, महिला डॉक्टर गिरफ्तार

नौगाम, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अनंतनाग की एक टीम ने नौगाम मामले से जुड़ी चल रही जांच के सिलसिले में अजीज टाक के पुत्र डॉ खालिद अजीज टाक के मलकनाग स्थित घर पर देर रात छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि रात में छापेमारी के दौरान टीम को एक महिला डॉक्टर मिली, जिसकी पहचान प्रियंका शर्मा के रूप में हुई है। वह मूल रूप से हरियाणा के रोहतक स्थित जनता कॉलोनी की रहने वाली अनिरुद्ध कौशिक की पत्नी हैं और अक्टूबर 2023 से घर में किराए पर रह रही हैं। वह एमबीबीएस उत्तीर्ण हैं और वर्तमान में जीएमसी अनंतनाग में जनरल मेडिसिन की छात्रा हैं। इससे पहले इस पूरे मॉड्यूल में शाहीन नामक महिला का नाम आया था।

महिला डॉक्टर को क्या गिरफ्तार?

तलाशी के दौरान टीम ने एक सिम कार्ड के साथ एक मोबाइल फोन जब्त किया। यह छापेमारी श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में यूएलए(पी) अधिनियम की धारा 13, 18, 20, 23 और 38, आईए। अधिनियम की धारा 7/25 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(2) के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 162/2025 की जांच के तहत की गई। अधिकारियों ने बताया कि अभियान शांतिपूर्ण रहा और तलाशी के दौरान किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। महिला डॉक्टर को हिरासत में लिया गया है और सीआईके उससे पूछताछ कर रही है।

कई जिलों में की जा रही छापे मारी

व्हाइट कॉलर मॉड्यूल और दिल्ली ब्लास्ट का पूरा खुलासे करने के लिए जांच एजेंसियां कई प्रदेशों में छापेमारी कर रही हैं। जांच एजेंसियां दिल्ली और कश्मीर के अलावा हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश में छापे मारी कर चुकी हैं। डॉ उमर और डॉ शाहीन के संपर्क में लोगों पर नजर रखी जा रही है और एजेंसियों ने कई को हिरासत में लिया है। यूपी में काम करने वाले कश्मीरी मूल के करीब 200 डॉक्टर और मेडिकल स्टूडेंट भी एजेंसियों के रडार पर हैं। सूत्रों के मुताबिक डॉक्टर शाहीन लगातार यूपी में काम करने वाले 30 से 40 डॉक्टर के संपर्क में थी।

पंचायत उपचुनाव: 21 साल की शिवानी बनीं धारगांव की निर्विरोध प्रधान

टिहरी, 16 नवंबर (एजेंसियां)। भिलंग क्षेत्र की ग्राम सभा धारगांव में पंचायत उपचुनाव में बीएड की छात्रा शिवानी राणा को निर्विरोध ग्राम प्रधान चुना गया। वह टिहरी जिले की सबसे कम उम्र की ग्राम प्रधान बनी है। बीते जुलाई माह में हुए पंचायत चुनाव में उसने प्रधान पद के लिए नामांकन भरा था, लेकिन नामांकनपत्र जांच के दौरान उनकी उम्र 21 वर्ष से तीन माह कम पाई गई थी। जन्मतिथि 16 अक्तूबर 2004 होने के कारण उस समय उसका नामांकन रद्द हो गया था। 21 वर्ष की आयु पूरी करने के लिए उसे 16 अक्तूबर 2025 तक इंतजार करना पड़ा। अब उपचुनाव की प्रक्रिया में दोबारा नामांकन भरे गए तो धारगांव से अकेले शिवानी राणा ने ही नामांकन किया। आज अंतिम तिथि तक किसी अन्य प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। पंचायत चुनाव के समय ही ग्राम सभा के लोगों ने स्पष्ट कर दिया था कि शिवानी ही उनकी अगली प्रधान होंगी। ग्रामीणों का कहना था कि भविष्य में यदि प्रधान पद सामान्य महिला वर्ग में भी आ जाए,

सेक्स वर्कर्स की बड़ी डिमांड, वोटर लिस्ट में शामिल किया जाए नाम

पश्चिम बंगाल में एसआईआर पर क्या बोलीं महिलाएं?

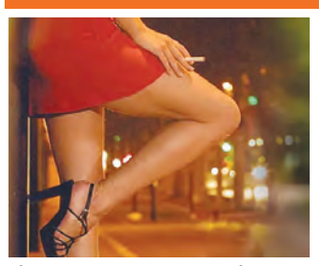

कोलकाता, 16 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू हो चुका है और इसे लेकर प्रदेश के सेक्स वर्कर्स ने एक मांग की है। सेक्स वर्कस ने राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग से आग्रह किया है कि उनका नाम वोटर लिस्ट में शामिल किया जाए। पश्चिम बंगाल में सेक्स वर्कर्स के लिए काम करने वाली एनजीओ दरबार महिला समन्वय समिति ने उनकी तरफ यह एक लिखित मांग पत्र राज्य निवार्चन अधिकारी को भेजा है, जिसमें कहा गया है कि सेक्स वर्कर्स का अपने परिवार, मां-बाप, घर से कोई संबंध नहीं होता, लेकिन वेरिफिकेशन कैंप लगाकर उनकी मदद की जा सकती है।

सोनागाछी इलाके की सेक्र्स वर्कर्स की डिमांड

दरबार महिला समन्वय समिति सोनागाछी की सचिव बिशाखा लस्कर ने कहा कि कोलकाता के सोनागाछी इलाके की सेक्स वर्कर्स ने वोटर लिस्ट में उन्हें शामिल करने का आग्रह सरकार से किया है। उनका कहना है कि सेक्स वर्कर होने के कारण वे अपने घर और परिवार छोड़ चुकी हैं। इसलिए उनका अब परिवारों से कई संबंध है। इसलिए सेक्स वर्कर्स का नाम एनजीओ में दर्ज रिकॉर्ड पर आधारित दस्तावेजों के आधार पर वोटर लिस्ट में शामिल किया जाए। अभी कुछ सेक्स वर्कर्स वोटर हैं और उन्हें साल 2002 में वोटर आईडी कार्ड मिला था और वे मतदान भी कर रहे हैं, लेकिन 2002 की वोटर लिस्ट में उनका नाम नहीं होगा।

सेक्स वर्कर्स के लिए डॉक्यूमेंट की समस्या

बिशाखा लस्कर ने कहा कि क्योंकि पश्चिम बंगाल में नए सिरे से एसआईआर हो रहा है, इसलिए उन्हें दस्तावेज दिखाने में समस्या आ सकती है। इस समस्या का समाधान किया जाना चाहिए। सेक्स वर्कर्स के समर्थन में एनजीओ के वेरिफिकेशन लेटर को वैध दस्तावेज मानकर उन्हें वोटर लिस्ट में जगह दी जानी चाहिए। एसआईआर में उन्हें शामिल करके वोटर बनने के लिए रजिस्ट्रेशन करने की परमिशन दी जानी चाहिए। कई सेक्स वर्कर्स के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड, पासपोर्ट, बिजली बिल वगैरह दस्तावेज हैं। इसलिए सरकार से आग्रह है कि इन दस्तावेजों के आधार पर उनके नाम मतदाता सूची में जोड़े जाए।

सोनागाछी में करीब 12000 सेक्स वर्कर्स

लस्कर ने बताया कि सोनागाछी वेश्यालय में करीब 12000 सेक्स वर्कर्स हैं। वेश्यालय में 8000 रहते हैं और बाकी 4000 नियमित रूप से काम के लिए विदेश जाते हैं। देशभर के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) हो रहा है। अंडमान निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट अपडेट होगा। 5.33 लाख बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और 10.41 लाख बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) तैनात किए गए हैं।

टिकट ना मिलने पर बीजेपी की महिला नेता ने किया आत्महत्या का प्रयास, लगाए ये आरोप

तिरुवनंतपुरम, 16 नवंबर (एजेंसियां)। टिकट न मिलने का दुख कितना खतरनाक हो सकता है, इसका अंदाजा केरल के नेदुमंगड़ में स्थानीय निकाय चुनाव से लगाया जा सकता है। जहां भारतीय जनता पार्टी की महिला शाखा की एक कार्यकर्ता ने टिकट न मिलने पर आत्महत्या का प्रयास किया है। पुलिस के मुताबिक नेदुमंगड के पनायकोट्टला निवासी महिला मोर्चा की नेता सलिनी ने आधी रात को अपनी कलाई काटने की कोशिश की है। उनके बेटे ने उन्हें इस हालत में देखा और तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया। सलिनी की हालत अब स्थिर बताई जा रही है और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

तलवाड़ा पुलिस स्टेशन में बम ब्लास्ट; थाने की सुरक्षा बढ़ाई

होशियारपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के पुलिस थाने आतंकियों व गैंगस्टरों के निशाने पर हैं। होशियारपुर के तलवाड़ा पुलिस स्टेशन पर बम ब्लास्ट हुआ है। एक गैंगस्टर ग्रुप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल कर तलवाड़ा पुलिस स्टेशन को उड़ाने की जिम्मेदारी ली है। हालांकि पुलिस प्रशासन की तरफ से दावा है कि कोई ब्लास्ट हुआ ही नहीं। हालांकि गैंगस्टर ग्रुप ने आंतकी रिंदा का नाम लेते हुए यह पोस्ट जारी की है। डीएसपी दसूहा बलविंदर सिंह जौड़ा का कहना है कि एक वेब चैनल ने जम्मू-कश्मीर में पुलिस थाने में हुए धमाके को लेकर तलवाड़ा थाने का दावा कर दिया। इसके बाद गैंगस्टरों ने की तरफ से सोशल मीडिया पर यह दावा किया गया कि उन्होंने यह धमाका करवाया है।

470 एकड़ में था 'सफेद सोने' का भंडार, अचानक पहुंची असम राइफल्स और सीआरपीएफ की टीम, झोपड़ियों को जलाया, मचा हड़कंप

गुवाहाटी, 16 नवंबर (एजेंसियां)। असम राइफल्स और सीआरपीएफ की टीम मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर नशे की फसल को मिट्टी में मिलाया है। तकरीबन 470 एकड़ में लगी अफीम या पोस्ता की फसल को तबाह कर दिया है। अफीम की खेती की सुरक्षा के लिए बनाई गई झोपड़ियों को भी जला दिया गया है। सुरक्षाबलों की इस कार्रवाई से हंगामा मच गया। नशे की फसल उगाने वाले इधर से उधर भागने लगे।

बता दें कि सुरक्षाबलों की टीम समय-समय पर इस तरह की कार्रवाई करती रहती है, ताकि नशे के कारोबार और उसकी तस्करी पर लगाम लगाया जा सके। मणिपुर के पहाड़ी जिलों में पिछले कुछ दिनों में चलाए गए कई अभियानों के दौरान 470 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली अफीम की खेती को नष्ट कर दिया गया है, पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक संयुक्त टीम (मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स और सीआरपीएफ) ने कांगपोकपी जिले के लोइबोल खुलेन गांव में 20 एकड़ से अधिक भूमि पर फैली अफीम की खेती को नष्ट किया। एक अन्य अभियान में जिले के कोटलन गांव की पहाड़ी श्रृंखला पर पुलिस ने सीआरपीएफ और वन विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर लगभग 20 एकड़ में फैली पोपी की खेती को शनिवार को नष्ट किया।

अभियान के दौरान खेती में उपयोग की जा रही 5 झोपड़ियों को भी जला दिया गया। 11 से 15 नवंबर तक उखरुल जिले में सुरक्षा बलों ने अन्य सरकारी एजेंसियों के सहयोग से सोमडाल, लामलाई चिंगफेई और लितान की पहाड़ी श्रृंखलाओं पर व्यापक अफीम विनाश अभियान चलाया। लगभग 436 एकड़ भूमि में फैली अफीम की खेती को नष्ट किया गया और वहां मिली 51 झोपड़ियों को जला दिया गया।

करोड़ों की अफीम जब्त

सुरक्षाबलों ने पहले 25 एकड़ में फैली अवैध अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। बताया जा रहा है कि इससे कथित तौर पर 170 किलोग्राम से अधिक अफीम तैयार की जा सकती थी, जिसकी कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है। अफीम की खेती से संबंधित खुफिया सूचना के आधार पर असम राइफल्स ने सीआरपीएफ और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर कांगपोकपी ज़िले के लोइबोल खुलेन क्षेत्र में संयुक्त अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान अधिकारियों ने संदिग्ध इलाकों की तलाशी ली। इसी दौरान अफीम की फसल लगे खेत मिले।

इस बाबत जारी बयान में कहा गया कि चुनौतीपूर्ण इलाकों में चलाए गए इस अभियान से अवैध नशीली फसलों की खेती पर रोक लगाने और उग्रवाद व अन्य राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले फाइनेंशियल नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए असम राइफल्स के अटूट प्रयासों का स्पष्ट संकेत मिलता है।

दिल्ली को दहलाने में था जैश-ए-मोहम्मद का हाथ?

पाकिस्तान से हवाला के जरिए भेजे गए थे 20 लाख रुपये

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। लाल किले के सामने हुए धमाके ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। 14 साल बाद देश की राजधानी में भयानक विस्फोट हुआ था, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। दिल्ली ब्लास्ट को लेकर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। वहीं, अब इस आतंकी हमले का कनेक्शन जैश-ए-मोहम्मद से निकला है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, जैश ने भारत में आतंक का जाल फैलाने के लिए 20 लाख रुपये खर्च किए थे। यह पैसे तीन संदिग्ध डॉक्टरों को भेजे गए थे, जिनमें उमर, मुजम्मिल और शाहीन का नाम शामिल है।

हवाला से भेजी गई रकम

खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के अनुसार, यह रकम हवाला के जरिए पाकिस्तान से भारत में भेजी गई थी। जैश-ए-मोहम्मद के हैंडलर ने हवाला नेटवर्क से तीनों डॉक्टरों को आतंकी साजिश रचने के लिए पैसे दिए थे। वहीं, जांच एजेंसियां अब हवाला नेटवर्क तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं।

3 लाख का विस्फोटक खरीदा

संदिग्ध डॉक्टरों ने 20 लाख में से 3 लाख रुपये से 26 क्विंटल एनपीके केमिकल खरीदने में खर्च कर दिए थे। आमतौर पर इस केमिकल का इस्तेमाल खाद के रूप में खेती के लिए किया जाता है। वहीं, इससे विस्फोटक पदार्थ भी बनाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, बाकी पैसों को लेकर शाहीन और उमर के बीच झगड़ा शुरू हो गया था। हालांकि, इस पूरी साजिश का मास्टरमाइंड डॉक्टर मुजम्मिल था। दिल्ली पुलिस ने सूत्रों के हवाले से इस बात की पुष्टि की है कि धमाके वाली जगह से 2 जिंदा कारतूस समेत 3 कारतूस, 9 मिलीमीटर की कैलिबर और बंदूक बरामद की गई है।

पुलिस का कहना है,

इस तरह की कारतूसों का इस्तेमाल सुरक्षाबल या खास अनुमति के बाद कुछ सीमित लोग ही कर सकते हैं। धमाके वाली जगह पर कोई पिस्तौल नहीं मिली है। वहीं, 3 में से 2 जिंदा कारतूस थे और 1 खाली था। इससे पता चलता है कि कारतूस तो मिल गया, लेकिन जिस बंदूक से इस कारतूस को दागा गया था, वो अभी तक नहीं मिल सका है।

जांच में जुटी पुलिस

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह कारतूस राजधानी में कैसे पहुंचे, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है, साथ ही धमाके वाली जगह की फोरेंसिक जांच जारी है। बता दें कि इस हमले में 12 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग गंभीर रूप से घायल थे।

एक्टर एजाज खान ने भ्रामक वीडियो किया पोस्ट, इंदौर क्राइम ब्रांच के सामने लग गई पेशी

इंदौर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। एक्टर और बिग बॉस फेम रहे एजाज खान गुपचुप तरीके से इंदौर क्राइम ब्रांच के कार्यालय पहुंचे। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के चलते वह विवादों में हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस की ओर से जारी नोटिस के बाद एजाज खान अपने एडवोकेट के साथ एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के सामने पेश हुए, जहां उनसे करीब आधे घंटे तक पूछताछ हुई। दरअसल, कुछ दिनों पहले एजाज खान ने मशहूर गैंगस्टर सलमान लाला के समर्थन में सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जो वायरल हो गया। वीडियो में एजाज ने विवादित टिप्पणी करते हुए कहा था कि समंदर में तैरने वालों की तालाब में डूबने से मौत नहीं होती। वह मुसलमान था, इसलिए मार दिया गया। इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई थी।

सलमान लाला केस में एजाज खान की पेशी

सीहोर के एक तालाब में डूबने से सलमान लाला की मौत हुई थी। घटना के बाद कई तरह की अफवाहें और भ्रामक पोस्ट सोशल मीडिया पर फैलने लगी थीं। इन्हीं पोस्टों को रोकने और माहौल खराब होने से बचाने के लिए पुलिस ने निगरानी बढ़ाई। एजाज खान के वायरल वीडियो को भी पुलिस ने भ्रामक बताते हुए उनके खिलाफ कई धाराओं में खेस दर्ज किया था और नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था।

गलत जानकारी पर पोस्ट करने की कही बात

पूछताछ के दौरान एजाज खान ने पुलिस को बताया कि उन्होंने वीडियो गलत जानकारी के आधार पर पोस्ट किया था और उनका किसी को गुमराह करने या भड़काने का इरादा नहीं था।

उन्होंने कहा कि भविष्य में वह इस तरह के भ्रामक मैसेज देने वाली पोस्ट नहीं करेंगे। फिलहाल, पुलिस ने एजाज खान से पूछताछ के बाद उन्हें रवाना कर दिया है, जबकि आगे की जांच के लिए उनका मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है। पुलिस पूरे मामले में सोशल मीडिया पर फैली अन्य भ्रामक पोस्ट की भी जांच कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 17 नवंबर- 2025

बिहार में जीत के मायने ?

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली शानदार सफलता ने सबको चौंका दिया है। ज्यादा दिन नहीं हुए जब नीतीश कुमार की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे तो वहीं महागठबंधन मजबूत दिख रहा था। लेकिन चुनाव नतीजों ने साबित कर दिया कि नीतीश कुमार बिहार की राजनीति के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने न केवल अपनी कुर्सी बचाई, बल्कि विपक्ष को बुरी तरह पटकनी दी है। नीतीश कुमार पर लोगों को भरोसा है कि वे बिहार को बदलें या न बदलें, लेकिन उसे बिखरने नहीं देंगे। 1990 के दशक के जंगलराज की यादों से त्रस्त बिहार के लिए उन्होंने सुरक्षा का वादा किया है। नीतीश कुमार सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद वे अच्छा काम करेंगे यह चर्चा आम है। वे लगातार पांचवां विधानसभा चुनाव जीत कर नौ बार सीएम पद की शपथ ले चुके हैं। सबकुछ ठीक चला तो संभवतः 10वीं बार भी मुख्यमंत्री बनना तय है, जो भारतीय राजनीति में एक दुर्लभ उपलब्धि मानी जा सकती है। वह भी हिंदी भाषी राज्यों में, जहां चुनाव दर चुनाव बदलाव की उम्मीद की जाती है। ऐसे में सवाल लाजिम है कि बिहार ने नीतीश कुमार को फिर से क्यों चुना? बता दें कि नीतीश कुमार की सबसे बड़ी ताकत यही है कि उन्हें हमेशा कम आंका जाता है। वे भीड़ नहीं जुटा पाते या लोगों को अपने प्रति दीवाना नहीं बना पाते। वे एक ऐसे नेता हैं जिन्हें दिखावे से दूर रहने की कला में महारत हासिल है। वे हर चुनौती को झेलते हुए खुद को बदलते हैं और अंततः मनचाही जगह पर टिके रहते हैं। नीतीश कुमार का आकर्षण इस बात पर निर्भर नहीं करता कि वे क्या वादा करते हैं, बल्कि इस बात पर कि वे क्या होने से रोकते हैं , यानी पुरानी चिंताओं और असुरक्षाओं की वापसी। उन्होंने खुद को बिहार के नाजुक सामाजिक और राजनीतिक संतुलन के संरक्षक के रूप में सफलतापूर्वक पेश किया है। चुनाव से ठीक पहले गरीबों के लिए चलाई गई कल्याणकारी योजनाओं, जैसे महिलाओं को सीधे कैश ट्रांसफर ने सत्ता विरोधी लहर के उबाल को शांत कर दिया। विरोधियों की ओर से उनके स्वास्थ्य और शासन क्षमता पर लगातार हमलों ने उनके समर्थकों को पहले से कहीं ज्यादा मतदान केंद्रों तक पहुंचाया। उनके मुख्य सामाजिक आधार में छोटी संख्या वाले अति-पिछड़े वर्ग, दलित और महिलाएं शामिल हैं। ये समूह बीजेपी या आरजेडी के सामाजिक आधार की तरह अपने राजनीतिक विचारों का खुलकर बखान नहीं करते, लेकिन अनिश्चितताओं के बीच नीतीश को अपना सबसे सुरक्षित अभिभावक मानते हैं। इस बार के नतीजों में एक विरोधाभास छिपा है। यह जहां तीन दशक पुरानी राजनीति के एक शांत ऐतिहासिक अध्याय के समापन का संकेत देता है, वहीं यह मौजूदा सरकार के लिए नई चुनौतियों का द्वार भी खोलता है। 1990 के दशक के मंडल आयोग की राजनीति से उभरी एक पीढ़ी का राजनीतिक प्रभाव अब कम हो रहा है। बिहार की पार्टी व्यवस्था दो मुख्य ध्रुवों के इर्द-गिर्द सिमट रही है। संभावना है कि छोटी पार्टियां या तो अप्रासंगिक हो जाएंगी या फिर बड़ी पार्टियों में विलीन हो जाएंगी। इस लिहाज से राजनीतिक स्थिरता के साथ-साथ बेहतर विकास के परिणामों की मांग भी तेज होगी। युवा मतदाताओं ने इस चुनाव में तेजस्वी यादव को प्राथमिकता दी है, लेकिन उनका अनुपात बहुत कम रहा है। प्रशांत किशोर को भले ही हार का सामना करना पड़ा हो, लेकिन उनके अभियान के मुद्दे शायद ही खत्म होंगे। इसके अलावा, एनडीए के घटक दलों ने एक एकजुट इकाई के रूप में चुनाव लड़ा, लेकिन भाजपा लगातार दूसरी बार गठबंधन में एक बड़ी सहयोगी के रूप में उभरी है। फिलहाल भाजपा ने नीतीश की वरिष्ठता को स्वीकार कर लिया है, लेकिन उसकी विस्तारवादी प्रवृत्ति उसे राज्य पर अधिक नियंत्रण की चाहत रखने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

वंदे मातरम दुनिया के शीर्ष 10 गीतों में सर्वाधिक लोकप्रिय दूसरा गीत

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने बंगाल के कांतलपाड़ा गांव में जब 7 नवंबर, 1876 में वंदे मातरम गीत की रचना की तब उनके मानस में शायद ही यह होगा कि यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन में आजादी के दिवानों का प्रेरक होने के साथ ही आजादी के बाद भी देश की राष्ट्रीय एकता और मातृभूमि के प्रति प्रेम और श्रद्धा का प्रतीक बन जाएगा। वंदे मातरम में जिस तरह से मां भारती की स्तुति की गई है वह हमारी पहचान और गौरवपूर्ण सांस्कृतिक विरासत से रुबरु कराने का माध्यम बन गई। 1870 के भयंकर अकाल और अंग्रेजों द्वारा महारानी की शान में गौड़ सेव क्वीन के लिए बाध्य करने की प्रतिक्रिया के रूप में वंदे मातरम की आधार भूमि तैयार हुई। कुछ समय बाद ही बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास आनंद मठ में वंदे मातरम को प्रमुख स्थान दिया गया। आनंद मठ भी गुलामी से मुक्ति और अंग्रेजों के प्रति विद्रोह की भावना से ओतप्रोत उपन्यास होने से आजादी के आंदोलन में नहीं आज भी प्रेरणा का स्रोत है।

आनंद मठ में भवानन्द सन्यासी सन्यासी विद्रोहियों का नेतृत्व करते हुए यह गीत गाते हैं। वंदे मातरम गीत की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि गुरुवर रविन्द्र नाथ टैगोर ने 1896 के कांग्रेस के सम्मेलन में इसे अपने स्वर देते हुए स्वयं गाया। उसके बाद तो वंदे मातरम भारत की आत्मा ही बन गया। स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानियों के लिए तो वंदे मातरम जयघोष ही बन गया। 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध का मार्च गीत ही वंदे मातरम रहा। हालांकि वंदे मातरम को लेकर मुस्लिम लीग आदि ने सांप्रदायिकता, धर्म विशेष से प्रेरित और मां दुर्गा को लेकर विरोध व्यक्त किया गया और यही कारण रहा कि वंदे मातरम गीत के आरंभिक दो छंदों को ही कांग्रेस द्वारा राष्ट्रगीत के रुप में स्वीकारा गया। यह हमारे लिए गौरव की बात है कि आजादी के अमृत काल में हम वंदे मातरम के 150 वें वर्ष को मनाने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों मन की बात में देशवासियों से संवाद कायम करते हुए वंदे मातरम के 150 वें वर्ष पर आयोजनों की श्रृंखला के माध्यम से आज की पीढ़ी को वंदे मातरम के इतिहास और प्रेरकता से रुबरु कराने का संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वंदे मातरम भले ही 19 वीं शताब्दी में लिखा गया था लेकिन इसकी भावना भारत के हजारों वर्ष पुरानी अमर चेतना से जुड़ी थी। वेदों में जिस भाव से माता भूमि पुत्रों अहम पृथिव्या भाव से जुड़ा है। 1950 में वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के रुप में अपनाया गया। 1950 में जदुनाथ भट्टाचार्य ने वंदे मातरम को संगीत दिया। जनगणमन जहां राष्ट्रगान है और औपचारिक आयोजनों में राष्ट्रगान को गाया जाता है और उसके अपने प्रोटोकाल है वहीं राष्ट्रगीत किसी भी राष्ट्रीय अवसर पर गाया जा सकता है। वंदे मातरम केवल गीत या उद्घोष ना होकर 140 करोड़ देशवासियों को एकजुट करने, राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत करने और सनातन भारतीय संस्कृति से रुबरु कराने का माध्यम है। भारत भूमि की सनातन सांस्कृतिक विरासत से रुबरु कराने का माध्यम है वंदे मातरम। गुलामी के दौर में वंदे मातरम राष्ट्रीय भावना, देश प्रेम और स्वतंत्रता आंदोलन का उद्घोष रहा है तो आजादी के बाद यह देशवासियों की आत्मा बन चुका है। बहुत कम को जानकारी होगी कि दुनिया के 7000 इस तरह के गीतों में से दुनिया के अव्वल 10 गानों को चयन किया गया और उनमें से भी हमारा वंदे मातरम राष्ट्रगीत सबसे लोकप्रिय गीतों में दूसरे स्थान पर है। यह कोई हमारी घोषणा ना होकर 2003 में बीबीसी वर्ल्ड द्वारा कराये गये वैश्विक सर्वे में उभर कर आया है।

विकास बनाम विषमता

रघु ठाकुर

भारत सरकार कुछ दिनों से अपनी पीट थपथपा रही है और देश की आर्थिक तरक्की के आंकड़े प्रस्तुत कर रही है, जिसमेंरू- 1. भारत की अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़कर चौथी अर्थव्यवस्था बन गई है, और तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रही है। 2. पिछले 11 वर्षों में भारत सरकार की आर्थिक नीतियों के चलते 27 करोड़ लोग गरीबी की सीमा रेखा से ऊपर आये हैं। 3. अमेरिका के द्वारा टैरिफ दरों में वृद्धि के बाद भारत की अर्थव्यवस्था अप्रभावित रही है। वैसे अगर बजट की राशि पर निर्धारित करें तो भारत की अर्थव्यवस्था जापान के आगे नजर आयेगी। परंतु अगर इस राशि का आमजन के बीच बंटवारा और देश के भीतर आदमी-आदमी के बीच के अंतर को देखा जाये तो सरकार का दावा अतार्किक लगता है। क्योंकि यह भी एक तथ्य है कि प्रति व्यक्ति औसत आय की गणना में भारत के प्रति व्यक्ति की औसत आय, दुनिया के 142 देशों के बाद 143वें नंबर पर है। यह अर्थव्यवस्था का कैसा विकास है कि बजटीय राशि याने जीडीपी के आंकड़ों में भारत चौथे नंबर पर है परंतु व्यक्तिगत आय में 143वें नंबर पर है। दरअसल अर्थव्यवस्था के विकास का निर्धारण यह होना चाहिये कि देश के प्रति व्यक्ति की औसत आय बढ़े और विषमता कम हो। दूसरा कथन सरकार का यह है कि 27 करोड़ देश के लोगों को गरीबी की सीमा से ऊपर उठाया है। अगर सरकार की गणना में एक व्यक्ति का तात्पर्य एक परिवार के मुखिया से है तो फिर इसका मतलब होता है कि लगभग 100 करोड़ से अधिक गरीबी की सीमा रेखा से ऊपर आ चुके हैं। परंतु स्वतरू सरकार के अनुसार 95 करोड़ लोग देश में ऐसे हैं जो सरकार की रियायतों और प्रधानमंत्री की बोली में कहा जाये तो रेवड़ियों का लाभ उठा रहे हैं, जिनमें 85 करोड़ लोग 5 किलो ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिमाह मुफ्त अनाज लेने वाले हैं। और 10 करोड़ से अधिक अन्य लाभ यथा लाड़ली बहिना लखपति दीदी आदि। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि सरकार ने पिछले सरकार की तुलना में कोई विकास नहीं किया। मैं मानता हूँ कि सरकार की योजनाओं से देश के एक हिस्से को लाभ पहुँचा है। ग्रामीण रोजगार, प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के माध्यम से स्वरोजगार के लिये सरकार द्वारा खोले गये हैं और यह योजना विशेषतरू ग्रामीण महिलाओं के लिये बहुत लाभप्रद सिद्ध हुई है। गाँव-गाँव में कुछ एक महिलायें और युवा इन ग्रामीण स्वरोजगार केंद्रों से प्रशिक्षित होकर गांवों में अपने घरों के पास स्वरोजगार कर रहे हैं और यह उन्हें एक बड़ा सहयोग है, इस योजना से बच्चियों की आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास बढ़ा है। ग्रामीण स्तर पर स्वसहायता समूह की शुरुआत तो वैसे 80-90 के दशक में बांग्लादेश में मो. यूनुस ने की थी। बाद में दुनिया के अन्य देशों ने उसे अपनाया। निसंदेह यह योजना भारत में भी ग्रामीण रोजगार पैदा कर रही है और ग्रामीण समाज के लिये आजीविका के लिये लाभप्रद सिद्ध हुई है।

वैसे भी हमारे समाज की खानपान, रहन-सहन और जीवनशैली में जो सांस्द्धतिक बदलाव आ रहे हैं। उनने तथा परिवारों के विघटन और नये प्रकार के संयोजन ने नये व्यवसायों को गति दी है। आम लोगों के लिये यह व्यवसाय मध्यमवर्गीय संपन्नता और कभी-कभी उच्चवर्गीय संपन्नता की श्रेणी में ला रहे हैं। जैसे खानपान, होटल रेस्त्रा आदि का चलन तेजी से बढ़ा है और स्थिति यह है कि, संपन्न और अमीर तबका आमतौर पर सप्ताह में 2-3 दिन और मध्यमवर्गीय तबका 1-2 दिन घरों पर खाने की बजाय बाहर होटलों पर खाते हैं। इसी प्रकार रोजगार के लिये गांव से पलायन और शहरों में आवागमन के कारण भी कई करोड़ की आबादी खान-पान के लिये होटलों पर निर्भर है। उच्च मध्यमवर्गीय और मध्यमवर्गी समाज के लिये यह होटलों में खाना उनकी संपन्नता का पर्याय है और गरीबों के लिये लाचारी, परंतु इससे इंकार नहीं कर सकते हैं कि यह होटल और ढाबा कल्चर संस्द्धति अब बढ़ते-बढ़ते कस्बों और गांव तक पहुंच रही है। अब यह भी रोजगार करोड़ों लोगों को आमदनी का जरिया है। परंतु जो दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष है कि ये रोजगार बढ़े हैं मध्यमवर्ग की संख्या भी बढ़ी है परंतु आय विषमता उससे बहुत ज्यादा तेजी से बढ़ी है।

भारत में जहां प्रति व्यक्ति औसत आय 2.50 लाख रुपये प्रतिवर्ष है, वहीं जापान जो आंकड़ों के मुताबिक दुनिया की अर्थव्यवस्था में चौथे नंबर से घटकर पांचवें नंबर पर पहुँच गया है, क्योंकि जापान की जीडीपी लगभग 32 लाख करोड़ रुपये की है और भारत की लगभग 33 लाख करोड़ रुपये, परंतु जापान के प्रति व्यक्ति की वार्षिक आय 29 लाख है और भारत की 2.50 लाख रुपया। जर्मनी की साढ़े सैंतालीस लाख रुपये और अमेरिका की 76 लाख रुपया प्रति व्यक्ति वार्षिक औसत आय है। इसलिये आंकड़ों के खेल हाथी के दाँत के समान दिखाने के अलग होते हैं और खाने के अलग होते हैं। विकास का पैमाना जीडीपी को मानना, अमानवीय पैमाना है। वास्तव में पैमाना तो व्यक्ति की आय का होता है और होना भी चाहिये। देश के 105 करोड़ लोग मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह अमीरी का पैमाना नहीं माना जा सकता। आज से 40 वर्ष पहले जब मोबाइल तकनीक आई थी तब मोबाइल होना अतिसंपन्नता की निशानी थी। आज 5 किलो सरकारी अनाज लेने वाले के हाथ में भी मोबाइल है बल्कि इस मोबाइल के फैलाव के लिये विकास के बजाय एक प्रकार की तकनीक के नशे का विकास मानना चाहिये। इसका एक और महत्वपूर्ण पक्ष है कि भारत में विषमता तेजी से बढ़ी है। एक तरफ उन अमीरों की संख्या बढ़ी है जो औसतन ढाई सौ से तीन सौ करोड़ रुपये रोज कमा रहे हैं। और दूसरी तरफ ग्रामीण इलाकों में प्रति व्यक्ति आय आज भी मुश्किल से 10 हजार रुपये के आसपास है। इसलिये विषमता को कम करना और आमदनी के अंतर को कम करना यह कसौटी होना चाहिये।

परंतु बाजार की ताकतों ने अपने प्रचार के माध्यम से एक नया दर्शन दिया है श्यूज एंड थ्रोय जो भारतीय संस्द्धति के प्रतिकूल है। भारतीय संस्द्धति उपयोग, संरक्षण और पुनरू उपयोग की रही है जबकि कारपोरेट की संस्द्धति उपयोग-दोहन और विनाश की। इस बदलाव से बाजार को लूटने-तिजोड़ी भरने और अपनी संपन्नता बढ़ाने का एक अनंत रास्ता मिल गया है। पहले घर के कपड़े की एक जोड़ी, किताबें, रसोई के बर्तन, कई-कई पीढ़ी चलते थे, यानि जब तक की वे उपयोग होते होते स्वतरू समाप्त न हो जायें, तब तक चलते थे। अब एक व्यक्ति साल में औसतन 10-20 जोड़ी कपड़े बदल लेता है। जरा भी क्षति होने पर उसे फेंक देता है, शिक्षा की किताबें प्रतिवर्ष बदल जाती है। दवाईयां, द्धषि आदि की आयु सीमा तय कर दी गई है, जिसके बाद वे स्वतरू अप्रभावी हो जायेगी। अब सेल्फ टरमेंनेटर बीज आया है, जो अपने आप नष्ट हो जायेगा। देश के पैमाने पर देखें तो खरबों रुपयों की ऐलोपैथी दवाईयाँ अपने आप काल बाह्य हो रही हैं। अगर विषमता को मिटाना है तो बाजार की अनंत लूट पर बंदिश लगानी होगी।

यह कानून मात्र से नहीं बल्कि इसमें एक सामाजिक पहल की भी जरूरत होगी। हमें श्यूज एंड थ्रोय के बजाय श्यूज-रीयूज-अमेंड एंड यूज्य की संस्द्धति को बढ़ाना होगा। तीसरी बात, जो अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाने का कोई प्रभाव नहीं हुआ है यह सरकारी झूठ है। अनेक उद्योगों के क्षेत्र कठिनाईयों में हैं, जो होना स्वाभाविक भी था।

एनडीए की 'सुनामी' भांपने में क्यों फेल हुए एग्जिट पोल?

योगेश कुमार गोयल

नीतियों, संख्या-शास्त्र और राजनीतिक सामाजिक रुझानों को समझने का दावा करने वाले एग्जिट पोल्स एक बार फिर बिहार के जनादेश के सामने बुरी तरह धराशायी हो गए। यह वही बिहार है, जहां जनता की राजनीतिक सूझबूझ देशभर में मिसाल मानी जाती है और इसी बिहार ने 2025 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि मतदाता का मन कागजों, ग्राफों और टीवी स्टूडियो की चर्चाओं से नहीं पढ़ा जा सकता। लगभग दो दर्जन एजेंसियों ने अपने-अपने अनुमानों की बौछार कर दी थी लेकिन नतीजों ने इनकी तथाकथित वैज्ञानिकता का मुखौटा एक झटके में उतारकर फैंक दिया। मतदान के बाद तमाम टीवी चैनलों पर जोर-शोर से दावे किए जा रहे थे कि इस बार तस्वीर साफ है, रुझान स्थिर हैं और रणनीति मजबूत है परन्तु असलियत यह थी कि वैज्ञानिक 'सैम्पलिंग' के नाम पर केवल अनुमान बेचे जा रहे थे और इन अनुमानों का आधार जमीन से ज्यादा स्टूडियो-केन्द्रित 'कॉलिनियरिटी' था।

हालांकि बिहार के दो चरणों वाले चुनाव में भारी मतदान ने यह संकेत पहले ही दे दिया था कि इस बार कुछ अलग ही लहर है लेकिन यह लहर कितनी प्रचंड होगी, इसे कोई भी एजेंसी अपने सर्वे में नहीं पकड़ सकी। 65 और 68 प्रतिशत की रिकॉर्ड वोटिंग ने विश्लेषकों को जरूर सतर्क किया था लेकिन यह सतर्कता भी उस समय ध्वस्त हो गई, जब एग्जिट पोल्स ने लगभग एक जैसी थाली परोसी यानी एनडीए की जीत लेकिन सीमित मार्जिन के साथ। लगभग सभी 'पोल ऑफ पोल्स' ने एनडीए को 150 के आसपास और महागठबंधन को 80-90 सीटों तक टिका दिया, मानो मतदाता किसी स्थिर पैटर्न में वोट डालने गया हो। इन अनुमानित संख्याओं में न आत्मविश्वास झलकता था, न शोध की गंभीरता। यही नहीं, प्रतिष्ठित मानी जाने वाली एक्सिस माय इंडिया और टुडेज चाणक्य जैसी एजेंसियां भी उस भूचाल को भांप नहीं सकी, जिसने एनडीए को 200 से अधिक सीटों के साथ रिकॉर्ड बहुमत दे दिया। यह पराजय अनुमान की नहीं, समझ की थी और यह विफलता आंकड़ों की नहीं, पद्धति की थी, जो सवाल उठाती है कि क्या एग्जिट पोल्स विश्लेषण करते हैं या महज भविष्यवाणी का खेल खेलते हैं?

सबसे दिलचस्प बात यह रही कि सभी एजेंसियों के बीच 'पोल डायरी' नाम की एकमात्र एजेंसी थी, जिसने एनडीए को 184-209 सीटों तक का अनुमान देकर राजनीतिक गलियारों को चौकन्ना कर दिया था। उस समय इसे कई विशेषज्ञों ने 'आउटलायर' कहकर खारिज कर दिया था परंतु नतीजे आए तो वही आउट्लायर सबसे सटीक साबित हुआ। महागठबंधन को 32-49 सीटों का उसका अनुमान भी वास्तविक परिणामों से मेल खा गया। यह सवाल और बड़ा हो जाता है कि जब सारी एजेंसियां एक दिशा में झुकी हों और एक एजेंसी अलग दृष्टि दे रही हो, तब भी आखिर क्यों तथाकथित विशेषज्ञता उस एकमात्र भिन्न अनुमान को गंम्भीरता से नहीं लेती? जवाब स्पष्ट है कि एग्जिट पोल अब एक उद्योग है और उद्योग में जोखिम लेने की जगह कम होती है। सबको उसी लय में बोलना सुविधाजनक लगता है, जिसमें बहुमत की आवाज सुनाई देती है। बिहार में एक्सिस ने 121-141, चाणक्य ने 148-172, भास्कर ने 145-160, पीपुल पल्स ने 133-159, मैट्रिज-आईएएनएस ने 147-167 और लगभग हर एजेंसी ने 130 से 160 के बीच एनडीए को बांधकर रखा। महागठबंधन को इन्हीं एजेंसियों ने उदारता के साथ 75-110 सीटें सौंप दी, मानो राजनीतिक ध्रुवीकरण, जातीय समीकरणों के पुनर्संयोजन, महिलाओं और युवाओं के मतदान पैटर्न जैसी वास्तविकताओं का कोई महत्व ही न हो। नतीजा? जमीन पर वोटर ने इन सारे अनुमानों को 'कागजी गणित' साबित कर दिया। एनडीए जहां 200 सीटों से ऊपर निकल गया, वहीं महागठबंधन 35 के आसपास सिमट गया।

बिहार की राजनीति की जटिलता को समझ पाने में एग्जिट पोल्स की असमर्थता कोई नई बात नहीं है। 2010, 2015 और 2020 में भी वे लगातार विफल रहे। 2015 में जब नीतीश-लालू गठबंधन की प्रचंड जीत हुई थी जबकि सर्वे एजेंसियों ने इसके उलट एनडीए की बढ़त दिखाई थी। 2020 में जब लगभग हर सर्वे ने महागठबंधन की जीत की भविष्यवाणी की थी, तब नतीजों ने एनडीए को 125 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत पर पहुंचा दिया था। अब 2025 में जब एनडीए की सुनामी आई, तब उसे भी पढ़ने में लगभग सभी एजेंसियां एक बार फिर चूक गई। आखिर चुनावी समाजशास्त्र में ऐसी क्या अंधी दीवार है, जो इन एजेंसियों को वास्तविकता से टकराने पर मजबूर कर देती है?

यह विफलता केवल बिहार तक सीमित नहीं है। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और यहां तक कि लोकसभा चुनावों तक में एग्जिट पोल्स बार-बार चित्त होते आए हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में तो लगभग हर एजेंसी ने एनडीए को 350-400 सीटों का आकाश छूता अनुमान दिया था जबकि भाजपा 240 सीटों पर रुक गई थी और एनडीए 292 पर। महाराष्ट्र में एग्जिट पोल्स ने 150-170 सीटों की 'महायुति' दिखा दी पर वास्तविक नतीजे 234 सीटों के विशाल बहुमत में तब्दील हो गए। झारखंड में अनुमान एनडीए का, नतीजा इंडिया ब्लॉक का; बंगाल में अनुमान त्रिशंकु का, नतीजा टीएमसी की सुनामी का, तो क्या यह कहना गलत है कि एग्जिट पोल अब विश्लेषण का औजार नहीं बल्कि मनोरंजन का साधन बन चुके हैं? सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि आखिर एग्जिट पोल्स किस 'विज्ञान' पर चलते हैं? एजेंसियां दावा करती हैं कि वे वैज्ञानिक सैम्पलिंग, पिछले चुनावों के पैटर्न, जातीय-क्षेत्रीय वितरण, बूथवार गणना और वोट शेयर रूपांतरण मॉडल पर काम करती हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि यह डेटा कितने बूथों से लिया जाता है, कितने मतदाताओं से बात होती है, कौनसे अनुपात लागू किए जाते हैं, इन सबकी पारदर्शिता लगभग शून्य है। 'वैज्ञानिक मॉडल' की आड़ में यह उद्योग एक ब्लैक बॉक्स की तरह काम करता है, जहां अंदर क्या चल रहा है, कोई नहीं जानता और बाहर सिर्फ अनुमान बेचा जाता है। हालांकि ऐसा नहीं है कि सैंपलिंग से नतीजे निकाले नहीं जा सकते। दुनियाभर में चुनाव पूर्व सर्वे और एग्जिट पोल आम प्रचलन में हैं लेकिन वहां मैथडोलॉजी खुली होती है, डेटा उपलब्ध होता है और एजेंसियों का मूल्यांकन उनके पिछले रिकॉर्ड के आधार पर किया जाता है। भारत में इसके उलट, टीवी चैनल टीआरपी के लिए और सर्वे एजेंसियां कॉन्ट्रैक्ट के लिए एग्जिट पोल पेश करती हैं। इन्हें वास्तविकता से ज्यादा कथानक गढ़ने में रुचि होती है। कई बार राजनीतिक पक्षधरता, कई बार व्यावसायिक दबाव और कुछ मामलों में 'सैंपल की कमी' जैसे बहाने इस उद्योग का स्थायी फॉर्मूला बन चुके हैं। कुल मिलाकर, बिहार के 2025 के जनादेश ने एक बार फिर यह साबित किया है कि एग्जिट पोल्स मतदाता को पढ़ने का नहीं, मतदाता को प्रभावित करने का उपकरण बन चुके हैं। किसी भी लोकतंत्र में यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है।

माय बाप ही ले डूबे तेजस्वी-राहुल को

हरीश शिवनानी

दुनिया मे सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनाव होते हैं भारत में लेकिन भारत के सबसे कठिन चुनाव होते हैं बिहार में। बिहार वह लोकतांत्रिक भट्टी है जहाँ से तपे-तपाए राजनीतिक निकलते हैं। यह बात ओर है कि कई बार इतने तप जाते हैं कि झुलस ही जाते हैं। इस बार के बिहार विधानसभा चुनावों में तेजस्वी यादव और राहुल गांधी को कुछ ऐसा ही महसूस हो रहा होगा। जातिगत समीकरणों को साधने के चक्कर में ये चौबे जी छबे बनने चले थे पर दुबे जी बनकर रह गए। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 ने न केवल राजनीतिक समीकरणों को नया आकार दिया, बल्कि विपक्षी महागठबंधन (राष्ट्रीय जनता दल-कांग्रेस) की जातिगत एकीकरण रणनीति 'एमवाई प्लस बाप' (एम-वाई प्लस बीएएपी) को भी बुरी तरह विफल कर दिया। कुल 243 सीटों वाली इस सभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 208 सीटें हासिल कर ऐतिहासिक बहुमत प्राप्त किया, जबकि महागठबंधन को मात्र 35 सीटें मिलीं। राजद को 20, कांग्रेस को 6 और शेष अन्य सहयोगियों को मिलीं। कुल वोट शेयर में महागठबंधन का 27.4 फीसदी रहा, जो 2020 के 31.2 से 3.8 नीचे है। यह फॉर्मूला, जो मुस्लिम-यादव (एमवाई) के पारंपरिक वोट बैंक को बहुजन (बी), अतिपिछड़ा (ए), आदिवासी (ए) और पिछड़ा वर्ग (पी) के साथ जोड़ने का दावा करता था, सोशल मीडिया और भाषणों में 'माय बाप' के रूप में प्रचारित किया गया, लेकिन मतदाताओं ने इसे भी ठुकरा दिया। यानी 'माय बाप' भी नहीं बचा पाए महागठबंधन को। 'माय-बाप' फॉर्मूला लालू प्रसाद यादव की विरासत पर टिका था। पारंपरिक रूप से, बिहार में मुस्लिम (17 प्रतिशतआबादी) और यादव (14 प्रतिशत) का संयोजन विपक्ष का मजबूत आधार रहा है, जो 2020 में महागठबंधन को 75 सीटें दिला चुका था; लेकिन 2025 में तेजस्वी यादव ने इसे विस्तार दिया। यह फॉर्मूला था- 'बी' से बहुजन (दलित-एसी/एससी, 16%), 'ए' से अतिपिछड़ा (ईबीसी, 36%), दूसरे 'ए' से आदिवासी-अनुसूचित जनजाति (एसटी, 1.3%) और 'पी' से पिछड़ा वर्ग (ओबीसी, 27%) को मिलाकर एक 'सामाजिक न्याय' छतरी बनाना, जिसके नीचे 70 फीसदी से अधिक आबादी आ जाए, जो एनडीए की 'सवर्ण-ईबीसी' ध्रुवीकरण को चुनौती दे सके। यह फॉर्मूला पहली बार इसी साल सितंबर में तेजस्वी के पटना रैली में सामने आया, जहां उन्होंने कहा, एमवाई हमारा मूल, बाप हमारी ताकत—सबका न्याय, सबका विकास। कांग्रेस ने इसे समर्थन दिया। राहुल गांधी की 'वोट अधिकार यात्रा' के दौरान इसे 'सामाजिक एकता' के रूप में प्रचारित किया गया। फॉर्मूला सैद्धांतिक था, लेकिन जमीनी स्तर पर सीट बंटवारे में इसके असंतुलन (राजद को 143, कांग्रेस को 61) ने आंतरिक कलह को जन्म दे दिया। 'माय बाप' एक भावनात्मक अपील थी, जो पितृसत्तात्मक समाज में 'परिवारिक एकता' का प्रतीक था। तेजस्वी के ट्विटर हैंडल पर 15 अक्टूबर को पोस्ट किया गया वीडियो, जिसमें वे कहते हैं, माय बाप—मुस्लिम, यादव, बहुजन, अति पिछड़ा, आदिवासी, पिछड़ा—सब एक परिवार, ने करीब 2.5 मिलियन व्यूज पाए। महागठबंधन से जुड़े दलों के राजनीतिक भाषणों में यह स्लोगन प्रमुख था। 25 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर रैली में तेजस्वी ने हुंकार भरी, एनडीए का बाप कौन? माय बाप! जो भीड़ को उत्साहित करने के लिए उभारा गया था। राहुल गांधी ने भागलपुर में इसे 'लोकतंत्र का परिवार' कहा। लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उनका यह प्रयास उल्टा पड़ा। 'बाप' शब्द की पितृसत्तात्मक व्याख्या ने महिलाओं में(बिहार में 48 प्रतिशत मतदाता) को आक्रोशित कर उन्हें अलगा दिया। राजनीतिक पंडितों के विश्लेषण में, 40 फीसदी महिलाओं ने 'माय बाप' को 'पुरुष-केंद्रित' माना।

विशाल जनादेश के साथ सत्तारूढ़ राजग

विकेश कुमार बडोला

बिहार विधानसभा के लिये हुये सत्रहवें चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में विजयी ध्वजा फहरा कर आगामी पांच वर्षीय कार्यकाल के लिये पुनः सत्तारूढ़ होने जा रहा है। कुल 243 निर्वाचन क्षेत्रों के घोषित परिणामों में भाजपा ने अपने हिस्से के पूरे 89, जदयू ने पूरे 85 और लोजपा ने पूरे 19 क्षेत्रों में विजय प्राप्त की है। राजग के इन तीन प्रमुख घटक राजनीतिक दलों ने कुल 193 क्षेत्रों में जीत प्राप्त की। शेष 50 क्षेत्रों में विपक्षी राजनीतिक दल के प्रमुख घटक राजद ने 25, कांग्रेस ने 6, एआईएमआईएम ने 5, एचएएमएस ने 5, रालोमो ने 4, सीपीआई (एमएल, एल) ने 2, आईआईपी, सीपीआई (एम) और बसपा ने एक-एक क्षेत्र पर विजय प्राप्त की है। यदि दलों को प्राप्त मत प्रतिशत पर दृष्टिपात करें तो पहले से सत्तारूढ़ और पुनः विजय प्राप्त कर सत्तारूढ़ होनेवाले राजग के प्रमुख दल भाजपा को 20.07, जदयू को 19.26, लोजपा को 4.98 प्रतिशत मत मिले हैं। राजग के इन तीन प्रमुख घटक दलों का कुल मत प्रतिशत 44.31 प्रतिशत है। प्रमुख विपक्षी दल राजद को 23, कांग्रेस को 8.71, एआईएमआईएम को 1.85, सीपीआई (एमएल, एल) को 2.84, बसपा को 1.62 प्रतिशत मत मिले हैं। कुल 1.81 प्रतिशत लोगों ने नोटा का विकल्प चुना था। शेष प्रतिभागी अन्य राजनीतिक दलों को कुल 14 प्रतिशत मत मिले हैं। इस प्रकार विपक्ष को कुल 38 प्रतिशत मत मिले। नोटा और अन्य को मिले मत प्रतिशत की कुल गणना 15.81 प्रतिशत है। यदि दलवार ध्यान दें तो सर्वाधिक मत प्रतिशत 23 राजद का रहा। इसके बाद भाजपा 20.07 और फिर जदयू 19.26 क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर हैं। यदि राजद का मत प्रतिशत सर्वाधिक है, तो यह इस शंका को बढ़ाता है कि बिहार में अभी भी मतदाता पुनरीक्षण अभियान शत-प्रतिशत संपन्न नहीं हुआ है। अभी भी राज्य में अवैध मतों की राजनीतिक कुक्रीड़ा पूरी तरह बंद नहीं हुई है। केंद्रीय एवं प्रांतीय चुनाव आयोगों को इस ओर ध्यान देना होगा कि जो दल कुल 243 में से केवल 25 निर्वाचन-क्षेत्रों में जीता है, उसका मत प्रतिशत प्रमुख विजयी दल भाजपा एवं जदयू से अधिक कैसे हो गया है। चिंता का विषय यह भी है कि जो मरणासन्न दल एक-एक दो-दो क्षेत्रों में किसी प्रकार चुनाव जीते हैं, उनका मत प्रतिशत पांच या छह क्षेत्रों में चुनाव जीतने वाले दलों से अधिक है। इस चुनावी, निर्वाचनीय एवं लोकतांत्रिक दोष की ओर गंभीरता से ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। बिहार की राजनीतिक यात्रा, विशेषकर चुनाव में परिणाम का इतिहास जितना भी उठापटक वाला रहा हो, किंतु जब से जदयू ने भाजपा एवं लोजपा के साथ केंद्रीय राजग के अंतर्गत प्रादेशिक स्तर पर भी शासन चलाने का गठबंधन साधा है, तब से बिहार में सुशासन के वास्तविक कार्यों का अनुभव आम जनता को अवश्य हुआ है। दो-तीन दशकों से भयंकर एवं अकल्पनीय अराजकता से घिरे संपूर्ण भारत व साथ ही बिहार में लोकतंत्र बुरी तरह ढह गया था। पीछे जाकर अनुभव करें तो बिहार के संदर्भ में लोकतंत्र केवल एक हवाई किला था, जो गत पांच-सात वर्ष से राजग के नेतृत्व में जनसरोकारों की वास्तविकता एवं सुशासन आधारित कार्यों में स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। संभवतः यही कारण रहा है, जो बिहार की चौवालीस प्रतिशत जनता ने कुछ कमियों, दोषों, विवशताओं एवं समस्याओं के बाद भी राजग गठबंधन को शासन चलाने का निर्वाचनीय आदेश दिया है। राजग के पक्ष में खड़े हुये चौवालीस प्रतिशत मतदाताओं में नारीशक्ति अग्रणी है। पुरुष वर्ग अभी भी अनेक व्यक्तिगत किंतुओं-परंतुओं की उलझनों, जातिगत समीकरणों के दोषों तथा राजनीतिक कट्टरताओं के कारण अपने मत व्यर्थ कर रहा है। यदि पुरुष वर्ग भी नारियों की भांति राजनीतिक सतर्कता, सजगता का ध्यान रखे और सुशासन व विकास के दृष्टिकोण के साथ जुड़कर मतदान यज्ञ में सम्मिलित हो, तो निश्चित रूप में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को अधिक बड़े जनादेश की राजनीतिक शक्ति प्राप्त हो। इसीलिये, इसी कारण से, बिहार ही नहीं, पूरे भारत में मतदाता पुनरीक्षण अभियान को अधिक सक्रियता एवं गहनता से संचालित किये जाने की अति आवश्यकता है। यदि भारतीय मतदाताओं की समुचित सूची बन जाती है तो डंके की चोट पर पारदर्शी एवं त्रुटिहीन मतदान होगा। हजारों की संख्या में पंजीकृत राजनीतिक दल घटकर कुछ सौ अंक तक सीमित हो जायेंगे। ऐसा होने पर चुनाव आयोग पर भी अधिक राजनीतिक दलों की गणना कर उनसे संबंधित आंकड़े एकत्रित करने का भार भी नहीं होगा। बिहार चुनाव जीतने के लिये केंद्र से लेकर बिहार प्रदेश तक राजग की जो भी चुनावी योजनायें रही हों, वे तो जीत का कारण हैं ही, किंतु मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम ने भी प्रादेशिक चुनाव प्रक्रिया को अपेक्षित मानकों के अनुरूप संपन्न कराने में व्यापक भूमिका निभाई है। न्यायोचित एवं लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव संपन्न होने पर संवेदनशील जनता के मतानुसार शासन की नियुक्ति हुई है। मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम आरंभ होने के बाद बिहार प्रदेश प्रथम था, जहां इस कार्यक्रम की प्रथम चुनावी प्रतिक्रिया सामने आई है, जो लोकतंत्र के मानकों के अनुरूप श्रेष्ठ ढंग से प्रकट हुई है।

सोम प्रदोष व्रत आज

17 नवंबर 2025 को सोम प्रदोष व्रत रहेगा। सोम प्रदोष के दिन भगवान शंकर के निमित्त व्रत करना चाहिए। इससे व्यक्ति के सुख-सौभाग्य में बढ़ोतरी होती है और जीवन में वैभव प्राप्त होता है। कहा जाता है कि त्रयोदशी तिथि की रात के पहले प्रहर में जो व्यक्ति किसी भेंट के साथ शिव प्रतिमा के दर्शन करता है-वह शुभ फलों को प्राप्त करता है। चलिए आपको बताते हैं सोम प्रदोष व्रत का मुहूर्त और उपाय।

प्रदोष व्रत के उपाय

अगर आप अपनी धन-सम्पत्ति में वृद्धि करना चाहते हैं, तो इस दिन स्नान आदि रोजमर्रा के कार्यों से निवृत्त होकर एक एकाक्षी नारियल लें और उसे अपने मन्दिर में रखें। अब भगवान शिव की पूजा करें। भगवान को पहले पुष्प चढ़ाएं, भोग लगाएं और फिर अच्छे से धूप-दीप दिखाएं। भगवान की पूजा के बाद ठीक इसी प्रकार एकाक्षी नारियल की भी पूजा करें। पूजा के बाद उस एकाक्षी नारियल को मन्दिर में ही रखा रहनें दें।

अगर आप अपने मानसिक तनाव से मुक्ति पाना चाहते हैं,तो आज सोम प्रदोष व्रत के दिन दो मुखी रूद्राक्ष की पूजा करके उसे गले में धारण करें। साथ ही शिवलिंग पर गंगाजल अर्पित करें।

अगर आप अपने बिजनेस की समृद्धि को बनाये रखना चाहते हैं, तो इस दिन 11 कौड़ियों को मन्दिर में रखकर, उनकी उचित प्रकार से पूजा करें। पूजा के बाद उन्हें एक लाल कपड़े में बांधकर अपने ऑफिस के कैश बॉक्स में रख लें।

अगर आप अपने जीवन को बेहतर और सुखी बनाना चाहते हैं, तो इस दिन शाम के समय घर में किसी एकांत जगह पर आसन बिछाकर बैठ जायें और शिव जी के इस मंत्र का 11 बार जप करें। मंत्र है- 'ऊँ शिवाय नमः ऊँ'।। मंत्र जप के बाद भगवान शिव के दर्शन करें और उनका आशीर्वाद लें।

अगर आप समाज में अपना प्रभाव या रूतबा कायम करना चाहते हैं, तो इस दिन शिवलिंग पर 'ऊँ नमः शिवाय' बोलते हुए धतूरा चढ़ाएं। साथ ही बेलपत्र भी चढ़ाएं।

अगर आप शत्रुओं को परास्त करना चाहते हैं और मुकदमे में जीत हासिल करना चाहते हैं, तो इस दिन आपको दुर्गा बीसा यंत्र की स्थापना करनी चाहिए। आज के दिन ताम्रपत्र पर, यानी तांबे के पत्र पर बने दुर्गा बीसा यंत्र की स्थापना करके, उसकी विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। अगर आप तांबे के पत्र पर बना यंत्र नहीं ले सकते हैं, तो भोजपत्र पर अनार की कलम लेकर चन्दन या केसर की स्याही से दुर्गा बीसा यंत्र बनाना चाहिए।

अगर आपके पास ये सब भी न हो तो आप सादे कागज पर लाल रंग की स्याही से या लाल पेन से यंत्र बना सकते हैं। यंत्र की फोटो हम आपको अपनी टी.वी स्क्रीन पर दिखा रहे हैं। आपको ऐसा ही यंत्र बनाना है। यंत्र बनाने के बाद उसकी विधि-पूर्वक पूजा करें और उस पर दुर्गा के मंत्र का जप करें। मंत्र है- 'ऊँ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै।' आप इस मंत्र का 11 हजार से लेकर 51 हजार बार जप कर सकते हैं। आप जितने मंत्रों का जप करेंगे, आपका यंत्र उतना ही प्रभावकारी होगा।

अगर आपकी शादी हो गयी है और आप अपने रिश्ते में प्यार को बरकरार रखना चाहते हैं, तो इस दिन दूध में थोड़ा-सा केसर और फूल डालकर शिवलिंग पर चढ़ाएं। इस उपाय को शादीशुदा लोगों के साथ ही वो लोग भी कर सकते हैं, जिनकी शादी अभी तक नहीं हुई है।

अगर आप बुरी नजर से अपना बचाव करना चाहते हैं, तो इसके लिये जौ के आटे की रोटियां बनाकर गाय के बछड़े को खिला दें और हाथ जोड़कर उसे प्रणाम करें।

अगर आप अपने लवमेट के साथ रिश्ते को मजबूत करना चाहते हैं तो इस दिन दो गोमती चक्र लेकर मन्दिर में स्थापित करके, उनकी धूप-दीप, पुष्प आदि से पूजा करें और भगवान से अपने लवमेट के साथ रिश्ते को मजबूत करने के लिये प्रार्थना करें। इसके बाद गोमती चक्र को उठाकर एक लाल रंग की पोटली में बांधकर अपने पास रख लें।

अगर आप अपने किसी खास काम में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं, तो इस दिन रंगोली वाले पांच अलग-अलग रंग लें और शाम के समय शिव मन्दिर में जाकर उन रंगों से एक छोटी-सी गोल आकृति में रंगोली बनाएं। अब इस रंगोली के बींचो-बीच घी का दीपक जलाएं और कार्यों में सफलता के लिए भगवान से प्रार्थना करें।

अगर आप अपने दाम्पत्य रिश्ते को बेहतर बनाना चाहते हैं, तो इस दिन बड़ा ही अच्छा है। आज सोमवार और प्रदोष व्रत के संयोग में सौभाग्य बीसा यंत्र को सिद्ध कर धारण करने से आप अपने दाम्पत्य रिश्ते को बेहतर बना सकते हैं।

सौभाग्य बीसा यंत्र की फोटो हम आपको अपनी टी.वी स्क्रीन पर भी दिखा रहे हैं। ठीक ऐसा ही यंत्र आपको बनाना है। इसके लिये आप एक भोजपत्र लीजिये और उस पर अनार की कलम को केसर की स्याही में डुबोकर ये यंत्र बनाइये। अगर आपके पास ये सब न हो तो आप सादे कागज पर लाल रंग की स्याही से भी यंत्र बना सकते हैं या फिर तांबे पर बना हुआ यंत्र भी ले सकते हैं। इस प्रकार यंत्र निर्माण के बाद उसे सिद्ध करके आप उसका उपयोग कर सकते हैं। आप चाहें तो इस सौभाग्य बीसा यंत्र को अपने पास रख सकते हैं या अपने गले में धारण कर सकते हैं।

अगर आपका मन हर समय किसी न किसी बात को लेकर अशांत रहता है, तो इसके लिये इस दिन की शाम में भगवान शिव की प्रतिमा के आगे दीपक जलाकर, आसन बिछाकर बैठ जाएं और रुद्राक्ष की माला से "ऊँ नमः शिवाय" मंत्र का 108 बार जप करें, लेकिन अगर आपके पास रुद्राक्ष की माला उपलब्ध ना हो, तो आप करमाला पर गिनकर 108 बार मंत्र का जप कर सकते हैं।

सोम प्रदोष व्रत मुहूर्त

सोम प्रदोष व्रत पूजा का मुहूर्त 17 नवंबर की शाम 05:27 से रात 08:07 बजे तक रहेगा।

रइन 4 नाम की लड़कियों के जहां पड़ते हैं शुभ कदम वहां आ जाती है सुख-समृद्धि

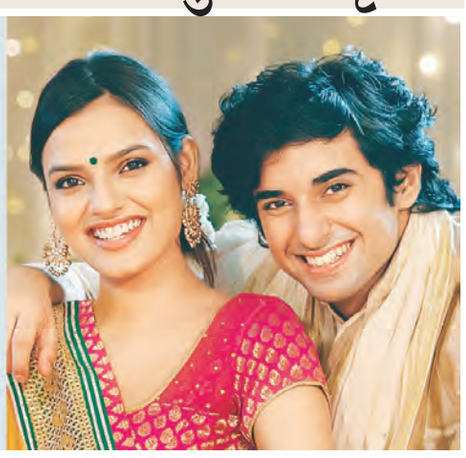

ससुराल वालों के लिए होती हैं बेहद लकी

हिंदू घरों में जब भी कोई बच्चा होता है तो उसका नाम उसकी जन्म राशि के हिसाब से रखा जाता है। कहते हैं कुंडली के अनुसार रखा गया नाम बच्चे के भाग्य को मजबूत करता है और उसे जीवन की कई बड़ी परेशानियों से बचाता है। इसलिए नाम रखे जाने से पहले ज्योतिषी बच्चे की कुंडली देखते हैं फिर उसका नाम सुझाते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे अक्षरों के बारे में बताएंगे जिनसें शुरू होने वाले नाम की लड़कियां अपने ससुराल के लिए बहुत ही भाग्यशाली मानी जाती हैं। कहते हैं इनके शुभ कदम जहां भी पड़ते हैं वहां खुशहाली और समृद्धि आ जाती है। चलिए जानते हैं ये कौन से नाम की लड़कियां।

D लेटर से शुरू होता है नाम तो ससुराल के लिए भाग्यशाली हैं आप

जिन लड़कियों का नाम D अक्षर से शुरू होता है उनका स्वभाव काफी केयरिंग होता है। ये अपने ससुराल वालों का तुरंत ही दिल जीत लेती हैं। ये पति के लिए तो भाग्यशाली होती हैं साथ ही अपने ससुराल के हर सदस्य के लिए लकी साबित होती हैं। इनके शुभ कदम ससुराल में पड़ने के बाद से ही सभी की किस्मत चमक जाती है। इन्हें सभी का खूब प्यार भी मिलता है। ये जो ठान लेती हैं उसे पूरा करके ही दम लेती हैं।

K से शुरू होने वाले नाम की लड़कियां मां लक्ष्मी का मानी जाती हैं रूप

जिन लड़कियों का नाम K अक्षर से शुरू होता है वे मां लक्ष्मी का रूप मानी जाती हैं। ससुराल वालों के लिए ये बेहद ही भाग्यशाली मानी जाती हैं। जिस घर में इनकी शादी होती है वहां धन-दौलत की कोई कमी नहीं रहती।

L अक्षर से शुरू होने वाले नाम की लड़कियां पति को बनाती हैं धनवान

जिन लड़कियों का नाम L से शुरू होता है वे अपने पति के लिए बेहद भाग्यशाली मानी जाती हैं। ये पति को करियर में सफलता प्राप्त करने में काफी मदद करती हैं। ये ससुराल में खुशनुमा माहौल बनाए रखती हैं और सभी की खुशियों का खास ख्याल रखती हैं। ये घर को स्वर्ग बना देती हैं।

S लेटर से शरू होने वाले नाम की लड़कियां धन की देवी मानी जाती हैं

जिन लड़कियों का नाम इस अक्षर से शुरू होता है उन्हें धन की देवी माना जाता है क्योंकि ये जहां भी रहती हैं वहां धन की कोई कमी नहीं होती है। इनके शुभ कदम ससुराल में पड़ने से वहां सुख और समृद्धि आ जाती है।

सफलता का गुणगान स्वयं किया तो अहंकार निश्चित है

सफलता की सहज स्वीकृति आनंद देती है। जब कभी हम सफल हों, उसका उद्घोष न करें। बस, स्वीकार लें। जैसे हम देवस्थान पर जाकर परमात्मा का प्रसाद स्वीकारते हैं, उसका सम्मान करते हैं, ऐसे ही सफलता को प्रभु कृपा मान लें। लेकिन यदि हमने उद्घोष किया कि सफलता हमने पाई है तो फिर अहंकार का प्रवेश निश्चित है।

दूसरे हमारे सफलता की कहानी सुनाएं, वहां तक तो ठीक है, हम खुद ही हल्ला मचाएं, यह खतरनाक है। रावण अपनी हर छोटी-बड़ी सफलता का गुणगान खुद ही करता था। इसी अहंकार में वो मारा गया। हनुमान जी ने भी बहुत बड़ी सफलता अर्जित की थी।

रावण के सामने उसकी लंका ध्वस्त करना और जिस उद्देश्य के लिए श्रीराम जी ने भेजा था, वो पूरा कर लेना। इसके बाद भी जब हनुमान जी लौटकर आए और श्रीराम जी ने जानकारी लेनी चाही तो वे चुपचाप खड़े रहे। जो कुछ भी हनुमान जी करके आए, उसका गुणगान जामवंत और सुग्रीव ने किया। बस हनुमान जी का यही सिद्धांत हम भी अपना लें।

अच्छी कमाई के बाद भी नहीं टिकता पैसा तो करें ये उपाय

वास्तुदोष दूर करने का उपाय

अगर आप घर में एक के बाद एक समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो इसका कारण वास्तुदोष हो सकता है। इससे मुक्ति पाने के लिए अपने घर के मेन गेट पर एक साइड केले का पेड़ और एक साइड पर तुलसी का पौधा लगाएं। इस उपाय को करने से वास्तु दोष से छुटकारा मिल सकता है। ऐसे में घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है और परिवार के सदस्यों के बीच भी आपसी प्रेम बना रहता है। इस उपाय से आपको तरक्की प्राप्त हो सकती है।

इन गलतियों से लगता है वास्तुदोष

घर में झाड़ू के ऊपर कभी भी कोई वजन वाली वस्तु नहीं रखनी चाहिए। साथ ही, झाड़ू को पटककर भी नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से वास्तुदोष लग सकता है और घर में पैसा टिकना बंद हो जाता है।

वास्तुशास्त्र में टूटे हुए बर्तन, पलंग या फर्नीचर का इस्तेमाल

करना अच्छा नहीं माना जाता है। घर में रखी टूटी-फूटी चीजें वास्तुदोष का कारण बन सकती है। साथ ही, इससे धन की हानि होती है और पैसा टिकना बंद हो जाता है।

माना जाता है कि कभी भी सूर्योदय के बाद तक नहीं सोते रहना चाहिए। ऐसा करने से वास्तुदोष उत्पन्न हो सकता है और धन हानि की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में हमेशा सूर्योदय से पहला उठ जाना चाहिए।

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर के मंदिर में कभी भी सूखे हुए फूल-माला आदि नहीं रखने चाहिए। ऐसा करने से अशुभ फल की प्राप्ति होती है। ऐसे में देवी-देवताओं को चढ़ाए फूल और माला अगले दिन मंदिर से हटा देने चाहिए।

धन-धान्य में वृद्धि का उपाय

इसके लिए शिवरात्रि, दिवाली, होली आदि शुभ अवसरों पर रात के समय तांबे के तीन सिक्कों की पूजा करनी चाहिए। इसके बाद, इन्हें अपनी तिजोरी या धन व गहने रखने वाले स्थान पर रख लें। ऐसा करने से आपको फिजूलखर्ची से छुटकारा मिल सकता है और घर में पैसे टिकने भी शुरू हो जाते हैं। वास्तु के इस आसान उपाय को आजमाने से धन-धान्य में वृद्धि होती है और कमाई में भी वृद्धि हो सकती है।

हनुमानजी की चाल में फंसी रावण की पत्नी, मिल गया प्रभु राम को रावण की मृत्यु का सामान, और हुआ रावणराज का अंत

भगवान राम और रावण के बीच युद्ध चल रहा था बार बार प्रहार करने का बाद भी रावण रणभूमि में अठास करता हुआ खड़ा हो जाता है। यह देखकर भगवान राम की चिंता बढ़ गई। तब विभीषण ने रावण की मृत्यु का रहस्य भगवान राम से कहां और रामजी से एक इशारा पाकर हनुमान जी अपनी चतुराई से रावण के वध का शस्त्र लंका से जाकर ले आए। तब जाकर रावण राज के अंत हुआ।

भगवान राम और रावण से बीच जिस समय भयंकर युद्ध चल रहा था तब बार बार श्री राम के प्रहार के बाद भी रावण परास्त नहीं हो रहा था। जैसे ही भगवान राम उसपर अपने शस्त्रों से वार करते वैसे ही रावण भयंकर हंसी के साथ रणभूमि में फिर खड़ा हो जाता है। यह सारा दृश्य देखकर भगवान राम और लक्षमण बहुत चिंतित हो उठे। तभी युद्धभूमि में विभीषण ने रावण की मृत्यु से जुड़ा बड़ा रहस्य भगवान राम को बताया।

उधर भगवान राम के प्रिय भक्त पवन पुत्र हनुमान के लिए तो एक इशारा ही काफी था और उन्होंने अपनी चतुर बुद्धि से रावण की पत्नी मंदोदरी को ऐसा उलझाया की अपने पति की मौत के शस्त्र का रहस्य हनुमानजी से कह बैठी। हनुमानजी ने तुरंत ही वह शस्त्र लाकर भगवान राम को वो सौंप दिया जिसके प्रहार से रावण का वध और और रावण राज का अंत संभव हो पाया।

ब्रह्मा जी ने दिया था ये रावण को वरदान

एक बार रावण ने ब्रह्माजी को प्रसन्न करने के लिए कठोर तपस्या की थी। रावण की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी ने उनसे वरदान मांगने के लिए कहा। रावण ने वरदान में अमरत्व का वरदान मांगा। रावण का वरदान सुनकर पहले तो ब्रह्मजी ने वरदान देने से इनकार कर दिया और कहा कि अमरता का वरदान नहीं दिया जा सकता है। ब्रह्माजी ने रावण को एक और मौका दिया और कहा कि तुम कुछ और वरदान मांग लो। लेकिन, रावण हटी था और वह अपने हट से नहीं हटा और उसी वरदान पर अड़ा रहा। ब्रह्माजी असमंजस में आ गए इसके बाद ब्रह्मा जी ने रावण को एक बाण दिया और उसे कहा कि सिर्फ इस बाण के प्रहार से ही तुम्हारी मृत्यु होगी। इसके अलावा कोई भी अस्त्र शस्त्र के प्रयोग से तुम्हारी मृत्यु नहीं हो पाएगी। रावण ने तुरंत ही वो बाण लेकर अपने राजमहल में अपने सिंहासन के सामने वाली दीवार पर चिनवा दिया। इस बाण के बारे में रावण के अलावा सिर्फ उसकी पत्नी मंदोदरी ही जानती थी।

मंदोदरी की एक चूक ने ली रावण की जान

जिस समय भगवान राम और रावण के बीच युद्ध चल रहा था उस समय जैसे ही भगवान राम रावण पर प्रहार करते तो उसके सिर और हाथ बार बार निकल आते। उसके जिस भी अंग पर प्रहार होता वह फिर से जिंदा उठा खड़ा होता। तब विभीषण ने भगवान राम को बताया कि रावण की नाभि में अमृत पान है। अगर रावण की नाभि पर वार किया जाए तो वह पराजित हो जाएगा। लेकिन, उसे सिर्फ एक बाण से ही मारा जा सकता है जो ब्रह्माजी ने रावण को दिया है। लेकिन, वह बाण कहां पर है इसकी जानकारी विभीषण को भी नहीं थी।

पवन पुत्र हनुमान लेकर आए रावण को मारने वाला बाण

रावण को मृत्यु के लिए ब्रह्मा जी का तीर का पता लगाने की जिम्मेदारी पवन पुत्र हनुमानजी को दी गई। हनुमान जी तुरंत ही लंका पहुंचे और ज्योतिष का रूप धारण कर लिया। जब लंका में चर्चा हुई की कोई बहुत ही विद्वान ज्योतिष आए है तो रावण की पत्नी मंदोदरी ने ज्योतिष को आमंत्रित किया ।

मंदोदरी ज्योतिष से अपना भविष्य जानना चाहती थी। ज्योतिष का रुप धारण करके आए हनुमानजी मंदोदरी को अपनी बातों में उलझाने लगे और मंदोदरी से बातों ही बातों में ब्रह्मा जी के उस बाण का जिक्र कर दिया और कहा कि उस बाण से रावण पर कोई बड़ा संकट आ सकता है। मंदोदरी तुरंत ही कहती है कि ऐसा नहीं हो सकता है। वह तीर सुरक्षित स्थान पर ही । हनुमान जी मंदोदरी से बातों में बातों में बाण का पता लगा ही लेते हैं। हनुमान जी मंदोदरी से कहते हैं कि तुम उस तीर के बारे में किसी को कुछ मत बताना तब मंदोदरी कहती है कि वह तो एकदम सुरक्षित स्थान पर है।

सिंहासन के सामने वाली दीवार के अंदर बाण रखा हुआ है। हनुमानजी के लिए यह इशारा ही काफी था वह तुरंत ही उस खंभे के पास पहुंचे और एक ही मुक्के से वह खंभा तोड़कर बाण ले लिया और प्रभु राम को ले जाकर सौंप दिया। उसी बाण से भगवान राम ने रावण का वध कर दिया। इस तरह से मंदोदरी की एक भूल से रावण का वध संभव हो पाया और इस तरह हुआ रावण राज का अंत।

तमन्ना भाटिया ने रोबोट संग की रैंप वॉक, ब्लैक आउटफिट में ढाया कहर

हाल ही में तमन्ना भाटिया फैशन डिजाइनर फाल्गुनी और शेन पीकॉक के लिए शोस्टॉपर बनीं। एक्ट्रेस का रैंप वॉक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस रैंप वॉक में ब्यूटी और ऑटिफिशियल इंटेलीजेंस का संगम देखने को मिला है। फैंस को भी तमन्ना भाटिया का अंदाज पसंद आया।

ब्लैक ड्रेस में तमन्ना ने दिखाया जलवा

तमन्ना भाटिया ने ब्लैक वेस्टर्न आउटफिट में रैंप वॉक की। इस ड्रेस के स्लिट्स शोल्डर से एक्ट्रेस का लुक काफी यूनीक बन गया है। तमन्ना ने इस ड्रेस के साथ मेकअप भी काफी कम किया है, उनका नेचुरल लुक पूरी तरह से हाइलाइट हो रहा है।

शाहिर कपूर भी रैंप वॉक करते नजर आए

तमन्ना भाटिया के अलावा फाल्गुनी और शेन पीकॉक के लिए शाहिद कपूर ने भी रैंप वॉक किया। वह ब्लैक और ब्लू कलर वाले सूट में नजर आए। शाहिद का लुक भी सोशल मीडिया यूजर्स, फैंस को पसंद आया है।

टीनू आनंद को व्हीलचेयर पर देख चिंतित हुए फैंस, बोले- अब इनको क्या हो गया?

वेटरन निर्माता-निर्देशक और अभिनेता टीनू आनंद अपनी शानदार एक्टिंग के लिए पहचान जाते हैं। उन्होंने अपने करियर में कई जबरदस्त फिल्मों में काम किया है। अब अभिनेता का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें व्हीलचेयर पर बैठा देखा जा रहा है। नेटिजंस उनके स्वास्थ्य पर चिंता जताते हुए प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। पढ़िए क्या बोल रहे यूजर्स।

क्या है वायरल वीडियो?

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में 80 वर्षीय अभिनेता टीनू आनंद मुंबई एयरपोर्ट पर देखे जा रहे हैं। इसमें वो व्हीलचेयर पर बैठे दिख रहे हैं, लेकिन उनका स्वैग वही पुराना वाला लग रहा है। एक्टर मुस्कुराते हुए पैपराजी से फोटो भी क्लिक करवाते हैं। हालांकि, उनके स्वास्थ्य को लेकर नेटिजंस प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और तरह-तरह के सवाल कर रहे हैं।

नेटिजंस ने दी प्रतिक्रिया

इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। एक यूजर ने चिंता व्यक्त करते हुए लिखा, 'अब इनको क्या हो गया?' वहीं दूसरे यूजर ने बोला- 'फिल्म 'गजनी' में इन्होंने बहुत बढ़िया रोल किया था।' वहीं एक और यूजर ने कहा, 'ओह माय गॉड व्हीलचेयर पर।' इसके अलावा अन्य यूजर्स ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। साथ ही कुछ ने उनके दमदार किरदारों का भी जिक्र किया।

इन फिल्मों में नजर आ चुके हैं अभिनेता

80 साल की उम्र में भी टीनू आनंद फिल्मों में सक्रिय हैं। उन्होंने अपने सिनेमाई करियर के दौरान 'शहंशाह', 'कालिया', 'एक फूल तीन कांटे', 'गजनी' जैसी शानदार फिल्मों में काम किया था। अभिनेता के वर्कफ्रंट की बात करें, तो उन्हें हाल ही में 'गुड बैड अग्ली', 'क्रेजी' और 'दिल दोस्ती और डॉग्स' जैसी फिल्मों में देखा गया था।

दबंग टूर के बाद मुंबई लौटे सलमान खान एयरपोर्ट पर दिखा भाईजान का स्वैग

सलमान खान आज ही कतर से मुंबई लौटे हैं। भाईजान वहां पर 'दबंग' टूर के लिए गए थे। इस टूर में उनके साथ जैकलीन फर्नांडीज, तमन्ना भाटिया, सुनील ग्रोवर, वायरल हुईं। एक वीडियो में वे बैकग्राउंड डांसर्स के साथ 'हैंगओवर', 'मैं हूं हीरो तेरा' और 'जग घूमेया' जैसे गानों पर नाचते दिखे। दूसरे वीडियो में वे तमन्ना भाटिया के साथ

स्टेबिन बेन और मनीष पॉल भी थे। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

सलमान खान का वीडियो हुआ वायरल

सलमान खान को आज मुंबई एयरपोर्ट पर काले कपड़ों में देखा गया, जहां वे भारी सुरक्षा के बीच अपनी कार में बैठते नजर आए। इस वीडियो पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'बॉलीवुड के बादशाह भाई जान का स्वैग', एक और फैन ने लिखा, 'भाई बिग बॉस में क्यूं नहीं आए इस फ्राइडे बिल्कुल भी अच्छा नी लगा', एक और फैन ने लिखा, 'लव यू भाईजान।'

'दबंग टूर' के बारे में

कतर के दोहा में सलमान के परफॉर्मेंस की वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर 'टाइगर जिंदा है' के गाने 'दिल दियां गल्लां' पर थिरके। हालांकि, कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर कहा कि सलमान थके हुए लग रहे थे तो वही कुछ ने उनकी सेहत को लेकर चिंता जताई।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

सलमान अब निर्देशक अपूर्व लाखिया की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में नजर आएंगे, जिसमें वे एक सेना अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म में उनके साथ चित्रांगदा सिंह भी मुख्य भूमिका में होंगी। यह फिल्म 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुए टकराव पर आधारित है। उम्मीद है कि यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी। इसके अलावा, सलमान रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' को होस्ट कर रहे हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने हैदराबाद से शेयर की सेल्फी, इस खास शख्स को मिस कर रही हैं 'वाराणसी' फिल्म की एक्ट्रेस

प्रियंका चोपड़ा हैदराबाद में अपनी नई साउथ फिल्म 'वाराणसी' के ग्लोबट्रॉटर इवेंट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने खूबसूरत देसी लुक से सबका ध्यान खींचा। आज सोशल मीडिया हैंडल स्टोरी पर प्रियंका ने अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह किसी खास शख्स को मिस करती नजर आ रही हैं। जानिए आखिर कौन हैं वह शख्स, जिसकी याद प्रियंका को सता रही है।

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म का एक खास इवेंट ग्लोबट्रॉटर के नाम से हैदराबाद में आयोजित किया गया। जिसके दौरान प्रियंका ने अपने देसी लुक से सभी का दिल जीत लिया। वहीं इसी बीच आज प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक प्यारा वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी हेयर स्टाइलिस्ट खुशबू बाजपेयी उनके हेयर को स्टाइल देती नजर आ रही हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए प्रियंका किसी को याद करती नजर आईं।

निक को मिस कर रही हैं प्रियंका

प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपने बाल खुलवाने की कोशिश करती नजर आ रही हैं। वीडियो में वह हेयर ड्रेसर खुशबू के साथ हंसते हुए कहती हैं, 'मुझे हमेशा अपने बाल खोलने के लिए मदद चाहिए।' उन्होंने पोस्ट में निक को याद करते हुए लिखा, '@nickjonas मिस यू।' वैसे पिछले महीने निक ने प्रियंका के बाल संवारने में उनकी मदद की थी, जब वे हवाई अड्डे जा रहे थे। प्रियंका ने निक की तारीफ करते हुए कहा था, 'आप इसमें अच्छे होते जा रहे हैं।'

प्रियंका का वर्कफ्रंट

प्रियंका चोपड़ा 'द ब्लफ', 'सिटाडेल' के दूसरे सीजन के अलावा साउथ फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। यह फिल्म SSMB29 के नाम से भी चर्चित रही। इस फिल्म का निर्देशक एसएस राजामौली कर रहे हैं। इस फिल्म में प्रियंका के अलावा साउथ स्टार महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। हाल ही में हैदराबाद में ग्लोबट्रॉटर नाम का इवेंट किया गया, जिसमें महेश बाबू और प्रियंका की फिल्म 'वाराणसी' के नाम का खुलासा किया गया। महेश बाबू इस फिल्म में रूद्र और प्रियंका चोपड़ा मंदाकिनी के किरदार निभाएंगी।

फिल्म 'वाराणसी' के इवेंट में राजामौली ने दिया विवादित बयान, यूजर्स ने जमकर लताड़ा

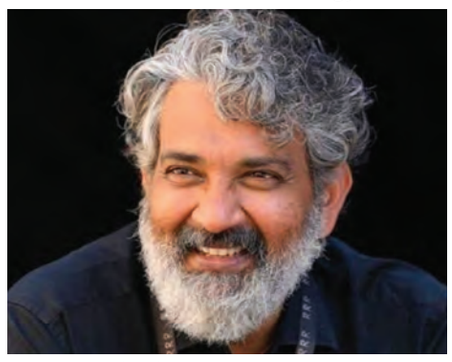

वाराणसी इवेंट में दिए गए बयान पर अब डायरेक्टर एसएस राजामौली ट्रोल हो रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें खरी-खोटी सुना रहे हैं। कई यूजर्स उनके बयान को बहुत ही शर्मनाक बता रहे हैं। आखिर यह पूरा मामला क्या है? जानिए।

एसएस राजामौली ने दिया विवादित बयान

शनिवार को फिल्म 'वाराणसी' का ग्रैंड इवेंट वाराणसी में किया गया। फिल्म के डायरेक्टर एसएस राजामौली हैं। फिल्म की पूरी स्टार कास्ट वाराणसी में मौजूद थी। प्रियंका चोपड़ा, महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आए। इवेंट के दौरान ही स्टेज पर राजामौली ने कहा, 'यह मेरे लिए एक भावुक पल है। मैं ईश्वर में विश्वास नहीं करता। लेकिन मेरे पिताजी आए और कहा कि भगवान हनुमान सब संभाल लेंगे। क्या वह ऐसे ही संभालते हैं। यह सोचकर मुझे गुस्सा आ रहा है।' वह आगे कहते हैं, 'जब मेरे पिता ने हनुमान के बारे में बात की और सफलता के लिए उनके आशीर्वाद पर निर्भर रहने का सजेशन दिया, तो मुझे बहुत गुस्सा आया।' बताते चलें कि इवेंट में टेक्निकल प्रॉब्लम आ रही थी, इस बात से एसएस राजामौली गुस्सा थे। उन्होंने इस बात को भगवान हनुमान से जोड़ दिया। उनके फैंस का मानना है कि नर्वस होकर एसएस राजामौली ऐसा किया। लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स डायरेक्टर के बयान पर नाराज हो चुके हैं।

यूजर्स ने एसएस राजामौली पर कसा तंज

जब से राजामौली का बयान सामने आया है। सोशल मीडिया पर वह ट्रोल हो रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'हम सब जानते हैं कि आप नास्तिक हैं राजामौली। लेकिन अपनी बकवास में भगवान हनुमान को घसीटने की हिम्मत मत कीजिए। आपकी लापरवाह और अहंकारी टिप्पणियां शर्मनाक हैं।

अगर आप निराश हैं तो अपनी टीम और परिवार पर गुस्सा निकालिए, जो इस मिस मैनेजमेंट के लिए जिम्मेदार हैं।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'राजामौली ने भगवान हनुमान के बारे में कुछ ऐसा कह दिया जो उन्हें नहीं कहना चाहिए था।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'हनुमान जी को किसी तकनीकी खराबी के लिए दोषी ठहराना। राजामौली से इस घटिया व्यवहार की उम्मीद नहीं थी।' आगे यूजर ने निराशा जाहिर करने वाले इमोजी बनाया है।'

शहनाज गिल ने एक्स बॉयफ्रेंड को दिया था धोखा, खुद कुबूल किया सच

शहनाज गिल ने ये बात खुद बताई है कि उन्होंने पहले किसी को रोमांटिक रिश्ते में धोखा दिया है। शहनाज ने इसके पीछे की ठोस वजह भी गिनाई है। उन्होंने इसी के साथ बिल को बांटने की भी बात बताई और कहा कि वो चाहती हैं कि वे खुले विचारों वाले हों।

शहनाज गिल ने एक्स बॉयफ्रेंड के लिए कही बात

शहनाज गिल ने अपने एक नए इंटरव्यू में कुछ ऐसी बातें बताई हैं जो इससे पहले तक उनके फैन्स को नहीं पता था। उन्होंने अपने पिछले रिश्ते से जुड़े कुछ ऐसे राज खोले जिसमें उन्होंने धोखा देने की बात कुबूल की है। इन दिनों शहनाज अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'इक्क कुड़ी' को लेकर भी चर्चा में हैं। इसी फिल्म के प्रमोशन को लेकर दिए गए नए इंटरव्यू में उन्होंने पिछले रिश्ते के पन्ने को भी सबके सामने खोलकर रख दिया।

शहनाज से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किसी को धोखा दिया है? इसपर उन्होंने सच कुबूलते हुए कहा कि उन्होंने अपने रोमांटिक रिश्ते में ऐसा किया है।

शहनाज ने बताया कि उन्हें ऐसा तब करना पड़ा जब उन्हें लगा कि उनका एक्सपेक्टेशंस पूरा नहीं हो रहा। उन्होंने यह भी कहा, 'मैंने ऐसा सिर्फ इसलिए किया क्योंकि हमारे वाइब्स मैच नहीं हो रहे थे। जब आप किसी से कुछ उम्मीद करते हैं और वे उन उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते हैं... तो मेरी भी वही उम्मीदें थीं। मैं बस देती नहीं रह सकती। मैं देने और लेने दोनों में यकीन करती हूं। इसलिए जब ऐसी चीजें होती हैं तो मैं इसे बंद कर देती हूं क्योंकि आप किसी और पर इतना अधिक इन्वेस्ट नहीं कर सकती। तब आप अपना बस समय बर्बाद कर रहे होते हैं।'

शहनाज ने बताया- कैसा पार्टनर चाहती हैं

इसी बातचीत में उन्होंने प्यार को लेकर अपने विचार भी शेयर किए। शहनाज ने आगे कहा, 'एक औरत प्यार के बदले प्यार पाना चाहती है। अगर कोई आपसे प्यार नहीं कर सकता तो फिर क्या मतलब?' शहनाज से उनके पार्टनर से उनकी उम्मीदों के बारे में पूछा गया जिसपर उन्होंने कहा, 'मैं चाहती हूं कि मेरा पार्टनर समझदार, खुले विचारों वाला और इंडिपेंडेंट हो। उन्हें मुझे स्पेस देना चाहिए। साथी ऐसा हो कि हम एक-दूसरे को अपना काम दिखा सकें, साथ मिलकर एक-दूसरे की तारीफ कर सकें। हमें बिना फोन के एक-दूसरे से बात कर सकें, हम साथ में ट्रैवल कर सकें।'

'हम बिल आधे-आधे बांट लेते हैं'

यह पूछे जाने पर कि क्या वो फाइनैंस शेयर करने को तैयार हैं? शहनाज़ ने कहा, 'मैं जितने भी रिश्तों में रही हूं मैंने हमेशा इसे शेयर करने में यकीन किया है। जैसे अगर हम वकेशन पर होते हैं तो हम बिल आधे-आधे बांट लेते हैं।' शहनाज ने ये भी कहा कि कुछ पुरुषों को ये आपत्तिजनक लगता है और कहा कि इससे उनके 'मेल ईगो' को ठेस पहुंचती है।

'ऐसा इसलिए है क्योंकि वे इनसिक्योॅर हैं'

एक्ट्रेस ने कहा, 'पुरुषों को इससे समस्या है। उन्हें लगता है- तुम्हारा पैसा क्यों? मैं बस अपना पैसा खर्च कर सकता हूं। मुझे आश्चर्य है कि क्यों? क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि वे इनसिक्योॅर हैं कि एक महिला अपने खर्चे खुद उठा सकती है? मैं इन चीजों को लेकर बहुत पर्टिक्युलर हूं।'

शादी करें न करें, काम बहुत करना है

इसी के साथ उन्होंने शादी को लेकर ये भी कहा कि वो श्योर नहीं हैं कि शादी करना चाहेंगी या नहीं। उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि मेरा कोई नहीं है जो फाइनैंशली मेरी देखभाल कर सके। मुझे नहीं पता कि मेरी शादी होगी या नहीं इसलिए मैं अपने लिए, अपने भविष्य के लिए, अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहती हूं, मुझे अपने परिवार का भी ध्यान रखना है, इसलिए मुझे जब तक हो सके काम करना होगा।'

शेफाली शाह ने जयदीप अहलावत को बताया अपना पसंदीदा कलाकार, बोलीं- वो तारीफ के असल हकदार

सिनेमाई दुनिया में अपने शानदार अभिनय के लिए पहचानी जानी वाली अभिनेत्री शेफाली शाह ने अपने फेवरेट एक्टर के बारे में बताया है। साथ ही उन्होंने कहा कि उस एक्टर ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को अलग पहचान दी है। चलिए जानते हैं पूरी खबर।

किस कलाकार का अभिनेत्री ने किया जिक्र?

अभिनेत्री ने देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल के सातवें संस्करण में बोला कि जयदीप अहलावत उनके पसंदीदा कलाकार हैं। उन्होंने कहा, 'वह बहुत अच्छे हैं। ओटीटी ने हमारी जिंदगी बदल दी है। हम सभी को प्रतिभाशाली माना जाता था, लेकिन उन बड़ी व्यावसायिक फिल्मों में हमारी क्या जगह होती? इसलिए, जब मैं उनकी प्रगति देखती हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है।'

अभिनेत्री ने जयदीप अहलावत की सफलता का किया जिक्र

अभिनेत्री ने आगे बात करते हुए याद किया कि जब 'पाताल लोक 2' रिलीज हुई, तो उन्होंने अमूल का एक होर्डिंग देखा जिसमें अहलावत दिखाई दे रहे थे, तो उन्हें बहुत गर्व महसूस हुआ था। साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि वो सभी प्रशंसाओं के हकदार हैं। इसके अलावा बताया कि जयदीप अहलावत का उदय सिनेमा उद्योग में एक बदलाव का प्रतीक है।

अपनी पहली किताब का भी किया जिक्र

आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने एक किताब लिखी है, हालांकि मुझे यकीन नहीं है कि यह मेरी पहली किताब होगी। मैंने इसे पढ़ा है, मेरे दोस्तों ने इसे पढ़ा और उन्हें यह पसंद आई है। अब, यह प्रकाशित होगी या नहीं, यह पता चल जाएगा।' अभिनेत्री ने सभी से किताबें पढ़ने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पढ़ना हमें कहीं घूमने से भी ज्यादा प्रेरित करती हैं।

इन फिल्मों में साथ नजर आए शेफाली और जयदीप अहलावत

अविनाश अरुण द्वारा निर्देशित फिल्म 'थ्री ऑफ अस' साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में शेफाली शाह और जयदीप अहलावत मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को IMDB पर 10 में से 7.5 रेटिंग मिली है, जो बताती है कि फिल्म अच्छी थी।

आईएएस इंटरव्यू क्लियर करने के टिप्स

पीएससी की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा (आईएएस 2025) के मुख्य परिणाम घोषित हो गए हैं। सफल अभ्यर्थियों का व्यक्तित्व परीक्षण (पर्सनैलिटी टेस्ट) संभवतः दिसंबर 2025 से शुरू होगा। यह परीक्षा केवल ज्ञान नहीं, बल्कि आपके विचार, दृष्टिकोण, आचरण और आत्मविश्वास का मूल्यांकन करती है।

इसलिए तैयारी तथ्यों तक सीमित न रखें, बल्कि अपने व्यक्तित्व, व्यवहार और संतुलन पर भी ध्यान दें। अगर आपने भी आईएएस मुख्य परीक्षा में कामयाबी हासिल की है, तो अंतिम मेधा सूची में शीर्ष रैंक के साथ स्थान प्राप्त करने के लिए आपको साक्षात्कार की तैयारी में गंभीरता से लग जाना चाहिए।

योजनाबद्ध ढंग से करें तैयारी

आईएएस की त्रि-स्तरीय परीक्षा में मुख्य परीक्षा और व्यक्तित्व परीक्षा, दोनों में प्राप्त अंकों को जोड़कर अंतिम मेरिट सूची तैयार की जाती है। इसमें व्यक्तित्व परीक्षा का विशेष महत्व होता है। 2025 अंकों की इस परीक्षा में इंटरव्यू का भारांक 275 अंक होता है। इसलिए यह चरण संगठित, योजनाबद्ध और केंद्रित तैयारी की मांग करता है। व्यक्तित्व परीक्षा के अंक मुख्यतः दो बातों पर निर्भर करते हैं-पहली, आपकी पूर्व तैयारी और दूसरी, साक्षात्कार के दिन आपका प्रदर्शन कैसा रहा।

मौखिक अभ्यास करें

उचित रणनीति यह होगी कि संभावित प्रश्नों को पांच प्रमुख क्षेत्रों में विभाजित किया जाए, जैसे व्यक्तिगत, शैक्षणिक, वैकल्पिक विषय, करंट अफेअर्स और शौक व सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां। इन सभी क्षेत्रों से जुड़े प्रश्नों के लिखित उत्तर तैयार करें और उन्हें किसी अनुभवी मार्गदर्शक से जांच करवाकर आवश्यक सुधार करें।

इसके बाद उत्तरों का मौखिक अभ्यास करें, विशेष रूप से स्पष्टता और प्रस्तुति के तार्किक प्रवाह पर ध्यान दें। इस अभ्यास के बाद कुछ सिम्युलेटेड इंटरव्यू दें, ताकि आप अपनी कमजोरियों को पहचानकर सुधार सकें। साथ ही, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं से स्वयं को निरंतर अपडेट रखें।

इंटरव्यू वाले दिन

बोर्ड के सामने पूरे आत्मविश्वास के साथ उत्तर दें। ध्यान रखें, आपके उत्तर संक्षिप्त, स्पष्ट और तर्कसंगत हों। शालीनता और विनम्रता आपके व्यक्तित्व को और प्रभावशाली बनाती है। संयम के साथ सदस्यों से संवाद करें, और केवल उसी विषय पर उत्तर दें जिस पर प्रश्न पूछा गया हो। विषय से भटकने से बचें।

इन गलतियों को करने से बचें

इंटरव्यू के दौरान यदि किसी प्रश्न का उत्तर न पता हो, तो गलत तर्क देने से बचें। दिखावटी या बनावटी आत्मविश्वास आपके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। अत्यधिक बातूनी या आक्रामक व्यवहार न अपनाएं और विवादास्पद विषयों पर अतिवादी मत रखने से बचें। बोर्ड के किसी सदस्य से बहस न करें। इंटरव्यू समाप्त होने पर विनम्रता से सभी को धन्यवाद करें।

आतिथ्य उद्योग में समृद्ध करिअर की संभावनाएं

हम बड़ी नौकरियों के चक्कर में कई बार ऐसी छोटी नौकरियां को अनदेखा कर देते हैं, जिसमें अधिक पैसे कमा सकते हैं। आज हम ऐसे ही कुछ क्षेत्रों की बात करेंगे, जिसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं लागत भी कम हैं। आत्मनिर्भर भारत का सपना देखने वाले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ ऐसे ही सेक्टरों का बार-बार उल्लेख करते हैं, जिसमें भरपूर रोजगार है और अच्छी कमाई का साधन भी। ऐसा ही एक क्षेत्र है आतिथ्य प्रबंधन उद्योग का। यह एक बड़ा और बढ़ता हुआ क्षेत्र है, जिसमें रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। यदि आप लोगों के साथ काम करने और उन्हें उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करने का शौक रखते हैं, तो आतिथ्य प्रबंधन में करिअर आपके लिए सही हो सकता है।

नौकरी की संभावनाएं

इस क्षेत्र में करिअर और नौकरी की संभावनाएं असीमित हैं। भारतीय आतिथ्य और पर्यटन उद्योग खुद को उन सभी प्रमुख उद्योगों में सबसे उभरता हुआ साबित करने में सक्षम रहा है जो राष्ट्र के सेवा क्षेत्रों में विकास को गति दे रहे हैं। इस क्षेत्र के लगातार विकास के साथ आतिथ्य प्रबंधन के कर्मचारियों की मांग भी बढ़ रही है। आतिथ्य क्षेत्र में संपूर्ण सेवा उद्योग शामिल है जिसमें आवास, भोजन और पेय सेवा, कार्यक्रम योजना, थीम पार्क और परिवहन शामिल हैं।

इसका प्राथमिक उद्देश्य ग्राहकों को शुरू से अंत तक सर्वोत्तम सेवा और दोषरहित अनुभव प्रदान करना है। एक शीर्ष होटल प्रबंधन संस्थान से संदर्भित होटल प्रबंधन शिक्षा पूरी करने और प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद छात्रों के लिए नौकरी के व्यापक दरवाजे खुल जाते हैं।

क्या हैं कोर्स
पात्रता मानदंड

उम्मीदवार बारहवी या समकक्ष कक्षा किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड के साथ उत्तीर्ण किया हो।

कई कालेजों में प्रवेश के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार ने 12वीं कक्षा के स्तर पर अध्ययन के मुख्य विषय के रूप में अंग्रेजी का अध्ययन किया हो और न्यूनतम 55% कुल अंक के साथ उसे उत्तीर्ण किया हो।

आतिथ्य प्रबंधन में डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करने वाले किसी भी उम्मीदवार के लिए उनकी क्षमता और योग्यता के अनुसार रोजगार के अलग-अलग अवसर उपलब्ध हैं।

एअरलाइन में खानपान व केबिन सेवाएं

कूज शिप होटल प्रबंधन

क्लब प्रबंधन

कंपनियों आदि के खानपान विभाग

वन लाज

अस्पताल प्रशासन और खानपान

भारतीय नौसेना में आतिथ्य सेवाएं

रसोई प्रबंधन (होटलों में या कालेज, स्कूलों, कारखानों, कंपनी गेस्ट हाउस आदि में कैंटीन चलाने में)

होटल और पर्यटन संघ (उदाहरण के गेस्ट हाउस, रिसाट्र्स लिएः राज्य पर्यटन विकास निगम) 1 विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों में आतिथ्य सेवाएं

रेलवे, बैंकों, सशस्त्र बलों, शिपिंग

कई शीर्ष प्रतिष्ठित संस्थान जैसे आइएचएम आदि राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा, एनसीएचएम जेईई के आधार पर छात्रों को प्रवेश देते हैं। इसलिए एक उम्मीदवार के लिए इस प्रवेश परीक्षा में शामिल होना आवश्यक हो जाता है।

2026 में डिजिटल मार्केटिंग बूम पर रहेगा

डिजिटल मार्केटिंग आज के युग में एक बहुत ही तेज़ी से उभरता हुआ फील्ड है और भविष्य में भी बहुत ही तेज़ी से उभरने वाला है। जैसे-जैसे अधिक से अधिक लोग इंटरनेट और तेज़ गति से आगे बढ़ती हुई टेक्नोलॉजी के बारे में जानते जा रहे हैं वैसे-वैसे इसका इस्तेमाल करके वे अपने व्यवसाय को

डिजिटल मार्केटिंग आज के युग में एक बहुत ही तेज़ी से उभरता हुआ फील्ड है और भविष्य में भी बहुत ही तेज़ी से उभरने वाला है। जैसे-जैसे अधिक से अधिक लोग इंटरनेट और तेज़ गति से आगे बढ़ती हुई टेक्नोलॉजी के बारे में जानते जा रहे हैं वैसे-वैसे इसका इस्तेमाल करके वे अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में भी इच्छुक होते जा रहे हैं।

डिजिटल मार्केटिंग का उपयोग अपने बिज़नेस में करने के लिए यह जानना ज़रूरी है की डिजिटल मार्केटिंग स्ट्रैटेजीज़ कैसे काम करती हैं और कौनसे औज़ारों का उपयोग करना पड़ता है महत्वपूर्ण तरीके से डिजिटल मार्केटिंग करने के लिए।

2026 में डिजिटल मार्केटिंग सीखने के मुख्य कारण?

डिजिटल मार्केटिंग में वेबसाइट, सोशल मीडिया, ईमेल और अन्य प्लेटफार्मों के माध्यम से टेक्नोलॉजी का उपयोग करके ग्राहकों के सामने अपने उत्पादों का प्रचार करना

शामिल है। क्यूँकि दुनिया भर में डिजिटल मार्केटिंग की प्रसिद्धता बहुत ज़्यादा बढ़ गयी है, 2026 में डिजिटल मार्केटिंग लगभग हर बिज़नेस की मार्केटिंग स्ट्रैटेजी का एक आवश्यक हिस्सा है। अधिक बिज़नेसेस प्रिंट विज्ञापन से दूर और डिजिटल प्लेटफार्मों की ओर बढ़ रहे हैं ताकि वे अपने लक्षित ऑडियंस तक कुशलतापूर्वक पहुंच सकें।

डिजिटल मार्केटर्स को एक अच्छा सैलरी पैकेज ऑफर किया जाता है। डिजिटल मार्केटर्स पिछले कई सालों से अपने हुनर के द्वारा एक अच्छा वेतन कमा रहे हैं।

डिजिटल मार्केटर्स के सैलरी पैकेज की चर्चा के समय कुछ चीज़ें ऐसी हैं जो हमें ध्यान में रखनी चाहिए। उनमें से पहली चीज़ यह है की एक डिजिटल मार्केटिंग प्रोफेशनल किस तरीके का काम कर रहा है।

वैसे तोह डिजिटल मार्केटिंग इंडस्ट्री के अंदर बहुत से तरीके के भिन्न-भिन्न प्रकार के काम हैं मगर उनमें से तीन जो सबसे मुख्य प्रकार के हैं वह हैं – ऑनलाइन प्रमोशन, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन, और सोशल मीडिया मैनेजमेंट। हर एक प्रकार के काम में अपनी एक अलग प्रकार की चुनौती और इनाम हैं।

ऑनलाइन प्रमोशन प्रोफेशनल्स एक अच्छा वेतन कमाने में सक्षम होते हैं पेड मार्केटिंग प्रोमोशंस पर काम करके जिसके ज़रिये वे किसी प्रोडक्ट या सर्विस को ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक पहुंचाते हैं।

सोशल मीडिया मैनेजर्स एक अच्छा वेतन कमाने में सक्षम होते हैं एक कंपनी की वेबसाइट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, ब्लॉग्स, आदि का ख़ास ध्यान रखके और उन्हें समय-समय पर उचित तरीके से अपडेट करके।

सर्च इंजन ऑप्टिमिज़ेर्स अच्छा आय कमाते हैं एक वेब पेज को सर्च इंजन के पसंद अनुसार ऑप्टिमाइज़ करके।

डिजिटल मार्केटिंग इंडस्ट्री के अंदर जितने भी प्रकार के रोज़गार के अवसर हों, उन सभी में काम भले ही बिल्कुल अलग-अलग हो लेकिन एक चीज़ है जो की एक समान है और वह यह है, की चाहे कोई भी डिजिटल मार्केटिंग की जॉब हो वेतन सभी में ही संपूर्ण मिलता है।

डिजिटल मार्केटिंग में हम अपनी इच्छा अनुसार ऑडियंस को टार्गेट कर सकते हैं।

2026 में डिजिटल मार्केटिंग सीखने का सबसे अटूट लाभ यह है की अगर आप एक बिज़नेस चलाते हैं तो आपको कोई ज़रुरत नहीं है अपने प्रोडक्ट का विज्ञापन हर तरीके के लोगों को दिखाने की।

आप भली-भाँती जानते हैं की ऐसे कौन लोग हैं जो आपके प्रोडक्ट का विज्ञापन देखने में रूचि रखते हैं, अगर आप डिजिटल मार्केटिंग करते हैं तो आप आप सिर्फ अपने प्रोडक्ट में रूचि रखने वाले लोगों को ही अपना विज्ञापन दिखा सकते है। ऐसा करने से आपकी मार्केटिंग कॉस्ट भी काम लगेगी और बदले में फायदा भी अधिक मिलेगा।

उदाहरण के तौर पे समझें?

अगर आप फैशन उपकरणों का व्यापार करते हैं तो आपको कोई आवश्यकता नहीं अपने प्रोडक्ट्स का विज्ञापन सब ही प्रकार के लोगों को दिखाने की।

आप अगर चाहें तो उन ही लोगों को अपना विज्ञापन दिखा सकते हैं जिनका आपको पक्का पता है की वह आपका विज्ञापन देखने में इच्छुक होंगे, जैसे की वह लोग जो की फैशन प्रोडक्ट्स आये दिन खरीदते रहते हैं या फिर काफी सारे फैशन ब्रांड्स के पेज को फॉलो करते हैं। सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे की फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, आदि, आप इन प्लेटफॉर्म्स की मदद से अपने ग्राहकों और अपने इच्छित ग्राहकों के साथ संपर्क में रह सकते हैं बिना ऑनलाइन प्रमोशन में एक भी पैसा ज़ाया किये।

इन कोर्स को करने से सैलरी होगी लाखों में!

12वीं के एग्जाम हो जाने के बाद बैचलर की डिग्री के लिए कई कोर्स उपलब्ध होते हैं, लेकिन बच्चे काफी सोच में पड़ जाते हैं कि आगे क्या करें, उन्हें

समझ नहीं आता अब उनके लिए कौनसा कोर्स करना सही रहेगा। दुनिया में कुछ ऐसे कोर्स होते है जिन्हें करने के लिए दिन-रात की मेहनत करनी पड़ती है, जिसे करने में बच्चों का पसीना छूट जाता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं, कुछ ऐसे ही कोर्स के बारे में, जिन्हें भारत के सबसे मुश्किल कोर्स में गिना जाता है।

लॉ

लॉ को मुश्किल कोर्स में गिना जाता है। यह कोर्स तीन साल का होता है, जिसमे कानूनी स्टडी और कानून से संबंधित सभी सब्जेक्ट होते हैं, इस कोर्स में कॉन्ट्रैक्ट लॉ, आपराधिक कानून, नागरिक कानून, संपत्ति कानून, कॉर्पोरेट कानून और संवैधानिक कानून जैसे सब्जेक्ट भी शामिल होते हैं। इसमें 15 लाख रुपये तक सैलरी मिलती है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

CA का कोर्स भी काफी मुश्किल कोर्स होता है। इस कोर्स को करने में लगभग 5 साल का समय लग जाता है, क्योंकि ये कोर्स तीन स्टेप्स में पूरा होता है, सबसे पहले फाउंडेशन कोर्स करना होता है जो लगभग 4 महीने का होता है, उसके बाद सीए इंटरमीडिएट एग्जाम को क्लियर करना पड़ता है, जिसमे 3 साल लग जाते हैं और आखिर में एक फाइनल कोर्स जो 2 साल का होता है। इस कोर्स के बाद एक CA की सामान्य सैलरी 15 लाख रुपये तक होती है।

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में अंतरिक्ष यान, विमान, मिसाइल और हथियार आदि के डिजाइन और रखरखाव की पढ़ाई की जाती है। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में कही न कही मैकेनिकल इंजीनियरिंग भी शामिल है, जिसमें कंप्यूटर एप्लिकेशन, गणित, ड्राफ्टिंग, बिजली, रोबोटिक्स, एयरोनॉटिक्स आदि सब्जेक्ट्स भी होते हैं। इसमें 24 लाख रुपये तक सालाना सैलरी मिलती है।

आर्किटेक्चर

आर्किटेक्चर को एक आसान कोर्स मानने की गलती बिल्कुल न करें। इसे भी दुनिया का एक मुश्किल कोर्स माना गया है। क्योंकि इसके लिए सिर्फ कोर्स कर लेना ही काफी नहीं होता कुछ सॉफ्टवेयर भी सीखने पड़ते हैं, जैसे कि ऑटोकैड या ऐसा कोई सॉफ्टवेयर जिनके अंदर ये लोग आर्किटेक्चर डिजाइन को तैयार कर सकें। इस कोर्स के बाद सामान्य सैलरी 40 लाख रुपये सालाना तक होती है।

केवीएस और एनवीएस में निकली 14967 पदों पर बंपर भर्ती

केवीएस और एनवीएस में निकली 14967 पदों पर बंपर भर्ती, आज से करें आवेदन; जानें योग्यता केंद्रीय विद्यालयों (KVS) और नवोदय विद्यालयों (NVS) में टीचिंग और नॉन-टीचिंग के 14967 पदों पर भर्ती निकाली गई है। सीबीएसई ने विस्तृत नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार आज 14 नवंबर सुबह 10 बजे से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी।

इच्छुक और पात्र उम्मीदवार www.cbse.gov.in, kvsangathan.nic.in या navodaya.gov.in पर उपलब्ध आवेदन लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने और फीस भुगतान की अंतिम तिथि 4 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। इस भर्ती का लक्ष्य केवीएस में कुल 9126 और एनवीएस में कुल 5841 पदों को भरना है।

आवेदन के लिए जरूरी योग्यता

केवीएस और एनवीएस में टीचिंग पदों के लिए निर्धारित योग्यता अलग-अलग है। पीजीटी पदों के लिए उम्मीदवार के पास संबंधित विषय में मास्टर डिग्री और साथ में बीएड होना अनिवार्य है। वहीं टीजीटी पदों के लिए स्नातक डिग्री के साथ बीएड और कई विषयों के लिए सीटीईटी परीक्षा उत्तीर्ण होना जरूरी है। प्राथमिक शिक्षक यानी पीआरटी पदों के लिए उम्मीदवार को सीनियर सेकेंडरी के साथ डीएलएड या बीएलएड और सीटीईटी पेपर-I पास होना आवश्यक है।

प्रधानाचार्य के पद के लिए योग्यता उच्च स्तर की निर्धारित की गई है। उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री और B.Ed. के साथ किसी मान्यता प्राप्त स्कूल में प्रधानाचार्य या उप-प्रधानाचार्य के रूप में अनुभव होना चाहिए। इन योग्यता मानकों का पालन करते हुए उम्मीदवार संबंधित पदों पर आवेदन कर सकते हैं।

बैंक ऑफ इंडिया में स्पेशलिस्ट ऑफिसर के 115 पदों पर भर्ती, आज से करें आवेदन

बैंक ऑफ इंडिया ने आज आधिकारिक रूप से स्पेशलिस्ट ऑफिसर (SO) भर्ती 2025 अधिसूचना जारी कर दी है। बैंक ने आईटी, वित्त, इंजीनियरिंग और कानून जैसे क्षेत्रों में स्केल II, III और IV के विभिन्न अधिकारी पदों के लिए कुल 115 रिक्तियों की घोषणा की है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार बैंक ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से 17 नवंबर से 30 नवंबर, 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के तहत कुल 115 पदों के लिए रिक्तियां घोषित की गई हैं, जिसमें चतुर्थ स्तरीय पदों के लिए 15, स्केल-III के लिए 54 और स्केल-द्वितीय के लिए 46 रिक्तियां शामिल हैं।

आवेदन के लिए क्या है जरूरी योग्यता?

बैंक ऑफ इंडिया स्पेशलिस्ट ऑफिसर (SO) पदों के लिए उम्मीदवारों के पास प्रत्येक पद के अनुसार निर्दिष्ट शैक्षणिक योग्यता होना आवश्यक है। तकनीकी पदों के लिए उम्मीदवारों के पास कंप्यूटर विज्ञान, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स या संबंधित क्षेत्रों में बीई/बी.टेक/एमसीए/एमएससी होना चाहिए और न्यूनतम 60% अंक प्राप्त होने चाहिए। अर्थशास्त्री पदों के लिए उम्मीदवारों को अर्थशास्त्र या अर्थमिति में स्नातकोत्तर डिग्री होना अनिवार्य है। अन्य विस्तृत योग्यताओं और पद-विशेष विवरण के लिए उम्मीदवार आधिकारिक अधिसूचना देख सकते हैं।

बैंक ऑफ इंडिया SO भर्ती 2025 के लिए आयु सीमा पद के अनुसार भिन्न है। 1 अक्तूबर 2025 तक उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 21-28 वर्ष और अधिकतम आयु 35-45 वर्ष होनी चाहिए, जो संबंधित पद पर निर्भर करती है। स्केल - II के लिए आयु सीमा 25-35 वर्ष, स्केल - III के लिए 25-38 वर्ष और स्केल IV के लिए 28-45 वर्ष निर्धारित की गई है।

कैसे होगा चयन?

बैंक ऑफ इंडिया SO पदों के लिए चयन प्रक्रिया में उम्मीदवारों को सबसे पहले ऑनलाइन परीक्षा पास करनी होगी, और इसके बाद शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के लिए साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले आप आधिकारिक वेबसाइट bankofindia.co.in पर जाएं।

अब 'करियर' अनुभाग पर क्लिक करें।

इसके बाद, 'विशेषज्ञ अधिकारी भर्ती 2025' ढूंढें और उस पर क्लिक करें

सभी जरूरी जानकारी दर्ज करके पंजीकरण करें।

ऑनलाइन आवेदन पत्र भरें और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।

आवेदन शुल्क ऑनलाइन भुगतान करें और फॉर्म जमा करके प्रिंटआउट ले लें।

यूपी शिक्षक भर्ती के लिए बदली आवेदन तिथि 1262 पदों के लिए अब 24 नवंबर से भरें फॉर्म

अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूलों में प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापक चयन परीक्षा 2021 से जुड़े अभ्यर्थियों के लिए अहम खबर है। तकनीकी दिक्कतों की वजह से ऑनलाइन आवेदन की पुरानी तिथियों में बदलाव किया गया है। अब अभ्यर्थी नई निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार अपने आवेदन जमा कर सकेंगे।

जूनियर हाईस्कूल प्रधानाध्यापक /सहायक अध्यापक चयन परीक्षा 2021 के संशोधित परिणाम 6 सितंबर 2022 को जारी किए गए थे। इन परिणामों के आधार पर चयन और नियुक्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 नवंबर से 5 दिसंबर 2025 तक लिए जाने थे, लेकिन सर्वर में आई तकनीकी समस्याओं के कारण इन तिथियों को बदल दिया गया है।

रिक्तियों का विवरण इस प्रकार है:

अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों में सीधी भर्ती के लिए कुल 1262 पद खाली चल रहे हैं। इनमें विषयवार पदों की संख्या इस प्रकार हैः हिन्दी के 240, अंग्रेजी के 145, संस्कृत के 99, विज्ञान-गणित के 455, और सामाजिक विषय के 314 पद शामिल हैं। कुल मिलाकर इन सभी विषयों के लिए 1262 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया संचालित की जानी है।

माध्यमिक शिक्षा विभाग ने अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों में 31 मार्च 2026 तक खाली होने वाले संभावित पदों का ब्योरा मांगा है। इसके लिए विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों को निर्देश जारी किए हैं।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने कहा है कि जिन रिक्त पदों को चयन आयोग को भेजा जाना है, उनकी सही जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि सीधी भर्ती वाले सभी पदों को अधियाचन में शामिल करने का प्रमाण पत्र दो दिनों के भीतर भेजना अनिवार्य है।

शेयर बाजार ने भरी दिग्गज कंपनियों की झोली

8 कंपनियों को हुआ 2 लाख करोड़ का फायदा

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। पिछला हफ्ता शेयर बाजार के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ। जहां सेंसेक्स और निफ्टी में डेढ़ फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। वहीं देश की दिग्गज कंपनियों की वैल्यूएशन में भी बढ़ोतरी देखने को मिली। आंकड़ों पर बात करें तो देश की 8 टॉप कंपनियों के मार्केट कैप में 2,05,185.08 करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला। सबसे ज्यादा भारती एयरटेल उसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज फायदे में रही। दोनों की वैल्यूएशन में 55 हजार करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला। इसका मतलब है कि 8 कंपनियों में से सिर्फ दो कंपनियों की वैल्यूएशन में 1.10 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हो गया। वहीं बाकी कंपनियों के मार्केट कैप में 90 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिली। इसके विपरीत दो कंपनियां ऐसी भी रही कि जिनके मार्केट कैप में कंबाइंडली करीब 40 हजार करोड़ रुपए की गिरावट देखने को मिली। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर शेयर बाजार में टॉप 10 कंपनियों की वैल्यूएशन को लेकर किस तरह के आंकड़े देखने को मिले हैं।

पिछले हफ्ते कैसा रहा शेयर बाजार?

पिछले सप्ताह, बीएसई सेंसेक्स में 1,346.5 अंक या 1.62 फीसदी की वृद्धि हुई और एनएसई निफ्टी में 417.75 अंक या 1.64 फीसदी की वृद्धि हुई। हाल की कमजोरी के बाद, सप्ताह के दौरान बाजारों में जोरदार उछाल आया और अंत में यह मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

भारत ने ढाई अरब यूरो का खरीदा रूसी तेल

अक्टूबर में चीन के बाद भारत दूसरा सबसे बडा खरीदार बना

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। रूसी कच्चे तेल के दूसरे सबसे बड़े खरीदार भारत ने रूसी यूनिट्स पर नए प्रतिबंध लगाए जाने से पहले अक्टूबर में रूस से कच्चे तेल की खरीद पर 2.5 अरब यूरो तक खर्च किए हैं। अक्टूबर में भारत का रूसी तेल की खरीद पर खर्च सितंबर के समान 2.5 अरब यूरो पर रहा। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के अनुसार, अक्टूबर में चीन के बाद भारत रूसी जीवाश्म ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बना रहा। 22 अक्टूबर को, अमेरिका ने यूक्रेन युद्ध के वित्तपोषण के लिए क्रेमलिन के संसाधनों को कम करने के लिए रूस की दो सबसे बड़े तेल उत्पादक कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकऑयल पर प्रतिबंध लगा दिया था। इन प्रतिबंधों के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड जैसी कंपनियों ने फिलहाल रूसी तेल का आयात रोक दिया है। रूस ने अक्टूबर में छह करोड़ बैरल कच्चा तेल भेजा, जिसमें रोसनेफ्ट और लुकऑयल का कुल मिलाकर 4.5 करोड़ बैरल का योगदान था।सीआरईए ने अपनी मासिक निगरानी रिपोर्ट में कहा कि भारत रूसी फ्यूल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बना रहा, जिसने कुल 3.1 अरब यूरो का इंपोर्ट किया। भारत की कुल खरीद में कच्चे तेल का योगदान 81 फीसदी (2.5 अरब यूरो) रहा, उसके बाद कोयले का 11 प्रतिशत (35.1 करोड़ यूरो) और तेल उत्पादों का सात प्रतिशत (22.2 करोड़ यूरो) रहा। पारंपरिक रूप से मिडिल ईस्ट तेल पर निर्भर भारत ने फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस से अपने आयात में उल्लेखनीय वृद्धि की। पश्चिमी प्रतिबंधों और यूरोपीय मांग में कमी के कारण रूसी तेल भारी छूट पर उपलब्ध हो गया। परिणामस्वरूप, भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात थोड़े ही समय में उसके कुल कच्चे तेल आयात के एक प्रतिशत से बढ़कर लगभग 40 प्रतिशत हो गया। सितंबर में, भारत ने कुल 3.6 अरब यूरो खर्च किए थे। इसमें कच्चे तेल पर 2.5 अरब यूरो, कोयले पर 45.2 करोड़ यूरो और तेल उत्पादों पर 34.4 करोड़ यूरो शामिल हैं।सीआरईए के अनुसार, अक्टूबर में भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात में माह-दर-माह आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। जहां निजी रिफाइनरियों का आयात भारत के कुल आयात का दो-तिहाई से अधिक था, वहीं सरकारी स्वामित्व वाली रिफाइनरियों ने अक्टूबर में माह-दर-माह आधार पर अपने रूसी आयात की मात्रा लगभग दोगुनी कर दी। 'इसमें कहा गया है कि एक उल्लेखनीय घटनाक्रम में, रोसनेफ्ट के स्वामित्व वाली वाडिनार रिफाइनरी (गुजरात में) – जिस पर अब यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने प्रतिबंध लगा दिया है – ने अक्टूबर में अपना उत्पादन 90 प्रतिशत तक बढ़ा दिया।जुलाई में यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद, रिफाइनरी केवल रूस से ही कच्चा तेल आयात कर रही है।

डिजिटल-गोल्ड पर सेबी की चेतावनी के बाद क्या करें निवेशक

सेफ तरीके से कहां कर सकते हैं सोने में निवेश, जानें ईटीएफ बेहतर या फिजिकल गोल्ड

मुंबई,16 नवंबर (एजेंसियां)। सेबी ने हाल ही में निवेशकों को डिजिटल गोल्ड से दूर रहने की सलाह दी है। ये ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स जैसे पेटीएम, गूगल पे, फोन पे पर बिकता है। इन्हें न तो इन्हें सिक्योरिटी माना जाता है, न ही कमोडिटी डेरिवेटिव। यानी, अगर प्लेटफॉर्म डिफॉल्ट करे तो सेबी कोई प्रोटेक्शन नहीं दे पाएगी।ऐसे में सवाल है कि जिनका पहले से डिजिटल गोल्ड में निवेश है, उन्हें अब क्या करना चाहिए। डिजिटल गोल्ड के अलावा सोने में निवेश के और क्या ऑप्शन्स है। इस स्टोरी में जानते हैं...डिजिटल गोल्ड सोने का डिजिटल रूप है। इसे आप एप्स के जरिए खरीद सकते हैं और कंपनी वॉल्ट में उतना ही फिजिकल गोल्ड रखती है। एसआईपी की तरह इंस्टॉलमेंट में भी खरीद सकते हैं। भारत में ये 2012 में ऑगमॉन्ट ने इसे शुरू किया था। कंपनी ने देखा कि लोग सोना तो पसंद करते हैं, लेकिन छोटे अमाउंट में खरीदना मुश्किल है। तो उन्होंने 1 रुपए से फ्रैक्शनल खरीदारी लॉन्च की। थर्ड-पार्टी वॉल्ट में सोना रखा जाता है और डिलीवरी ऑप्शन भी है। ऑगमेंट के बाद एमएमटीसी-पीएएमपी आया, जो गवर्नमेंट की एमएमटीसी और स्विस एमकेएस पीएएमपी का जॉइंट वेंचर है। ये भारत का सबसे बड़ा गोल्ड रिफाइनर और कस्टोडियन है। पोटीएम, फोनपे, मोतीलाल ओसवाल जैसी कंपनियों के साथ इसने पार्टनरशिप की, जिससे ये पॉपुलर हो गया। एसईबीआई इसे सिक्योरिटी या कमोडिटी डेरिवेटिव नहीं मानता। वहीं आरबीआई भी इसे बैंकिंग या डिपॉजिट प्रोडक्ट नहीं मानता। इसलिए इसे रेगुलेट करना मुश्किल है। ये बिजनेस अभी प्लेटफॉर्म के ट्रस्ट पर चल रहा है। 2021 में डिजिटल गोल्ड का मार्केट 5,000 करोड़ का था, जो 13,800 करोड़ रुपए का हो चुका है।अगर आपके पास पहले से डिजिटल गोल्ड है तो घबराने की जरूरत नहीं है। अभी सेबी ने केवल चेतावनी दी है। आप अभी भी अपने गोलेड की डिलीवरी ले सकते हैं। या फिर इसे बेचकर रेगुलेटेड प्रोडक्ट में शिफ्ट हो सकते हैं। अगर प्लेटफॉर्म पर ट्रस्ट हो तो रख सकते हैं, लेकिन रिस्क आपका ही होगा। अगर आप सेफ तरीके से गोल्ड में निवेश करना चाहते हैं तो तीन सेफ तरीके हैं...

1. फिजिकल गोल्ड: बिस्किट-सिक्के चुनें, ज्वेलरी से बचें

फिजिकल गोल्ड मतलब सोने के बिस्किट, सिक्के या ज्वेलरी खरीदना। लेकिन ज्वेलरी खरीदने पर 10-20% मेकिंग चार्ज लग जाता है। ज्वेलरी में 24 कैरेट प्योर गोल्ड भी नहीं आता। इसलिए अगर गोल्ड में निवेश करना है तो बिस्किट या सिक्के खरीदना चाहिए।

ऊर्जा सुरक्षा पर भारत का जोर, कोयला आयात में बढ़ोतरी ; परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को लेकर एनटीपीसी की तैयारी

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में कोयला का आयात लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा रिपोर्ट की माने तो बीते सितंबर के महीने में कोयले का आयात 13.54% बढ़कर 22.05 मिलियन टन (एमटी) हो गया है। त्योहारों से पहले बढ़ी मांग के चलते गैर-कोकिंग कोयले का आयात 13.90 एमटी और इस्पात उद्योग के लिए जरूरी कोकिंग कोयला 4.50 एमटी रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि इस्पात और औद्योगिक कोयले की मजबूत मांग बिजली क्षेत्र की कमजोरी को पीछे छोड़ सकती है। आंकड़ों के मुताबिक, गैर-कोकिंग कोयले का आयात इस साल सितंबर में 13.90 एमटी रहा, जो पिछले साल के 13.24 एमटी से थोड़ा ज्यादा है। वहीं, कोकिंग कोयले का आयात, जो इस्पात उद्योग के लिए जरूरी है, 4.50 एमटी रहा, जबकि पिछले साल यह 3.39 एमटी था।

गैर-कोकिंग कोयले का आयात घटा, लेकिन कोकिंग कोयले में बढ़ोतरी

बता दें कि अप्रैल-सितंबर 2025 की अवधि में गैर-कोकिंग कोयले का आयात घटकर 86.06 एमटी हो गया, जबकि कोकिंग कोयले का आयात बढ़कर 31.54 एमटी हो गया। यह जानकारी एमजंक्शन सेवाएं ने दी है, जो टाटा स्टील और जलयात्रा की साझेदारी वाली बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी है।

एमजंक्शन की एमडी और सीईओ ने दी जानकारी

वहीं इस मामले में एमजंक्शन की एमडी और सीईओ विनया वर्मा ने कहा कि त्योहारों से पहले खरीदारों ने नए ऑर्डर लिए, जिससे आयात में बढ़ोतरी हुई। आगे चलकर इस्पात मिलों की सर्दियों में स्टॉकिंग की मांग कोकिंग कोयले के आयात को बढ़ाएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि इस्पात और औद्योगिक कोयले की मजबूत मांग बिजली क्षेत्र की मौसमी कमजोरी को भी पीछे छोड़ सकती है।

एनटीपीसी करेगा देश में नए न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट्स का निर्माण

दूसरी ओर राज्यों की बिजली निर्माता कंपनी एनटीपीसी देश में कई नए न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट्स लगाने की योजना बना रही है। कंपनी 700 एमडब्ल्यू, 1,000 एमडब्ल्यू और 1,600 एमडब्ल्यू क्षमता वाले परमाणु ऊर्जा संयंत्र विकसित करेगी। इसका लक्ष्य 2047 तक भारत की प्रस्तावित 100 जीडब्ल्यू न्यूक्लियर क्षमता में 30% यानी 30 जीडब्ल्यू हिस्सेदारी हासिल करना है। ध्यान रहे कि एनटीपीसी फिलहाल गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों में भूमि विकल्पों का मूल्यांकन कर रही है। परमाणु परियोजनाओं की साइटें एटोमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड (एईआरबी) द्वारा अनुमोदित होंगी।

यूरेनियम संपत्तियों के अधिग्रहण की संभावनाओं की तलाश में एनटीपीसी

इसके साथ ही कच्चे माल के मामले में कंपनी विदेशों में यूरेनियम संपत्तियों के अधिग्रहण की संभावनाओं को भी देख रही है। एनटीपीसी ने यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के साथ यूरेनियम संपत्तियों की तकनीकी व व्यावसायिक जांच के लिए प्रारूप समझौता भी किया है। तकनीकी दृष्टि से, 700 एमडब्ल्यू और 1,000 एमडब्ल्यू संयंत्रों में भारतीय निर्मित प्रेसराइज्ड हेवी-वॉटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) लगाए जाएंगे, जबकि 1,600 एमडब्ल्यू परियोजनाओं के लिए तकनीकी सहयोग की तलाश की जा रही है।

गोल्ड मार्केट में हलचल, एक हफ्ते में सोना 3,000 रुपये उछला, फिर गिरा! क्या है असली वजह?

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बीते हफ्ते बिहार इलेक्शन के एक्जिट पोल और रिजल्ट से मार्केट में थोड़ी बहुत हलचल देखने को मिली. इसके साथ ही गोल्ड बाजार में भी उठा-पटक का दौर साफ देखने को मिला. महीने की शुरुआत में 24 कैरेट सोना 1,24,590 रुपये प्रति 10 ग्राम था, लेकिन सप्ताह के अंत तक यह घटकर 1,23,910 रुपये रह गया. हालांकि इस दौरान कुछ दिन ऐसे भी आए जब सोने के दाम तेजी से बढ़े. मगर सोने के दाम हफ्ते भर में कम ही हुए हैं. आइए जानते हैं, इस हफ्ते कीमतों में क्या बदलाव हुए और इनके पीछे क्या कारण रहे.

सोना कभी चढ़ा, कभी गिरा

सोने के दाम बीते 10 नवंबर को 1,24,590 रुपये प्रति 10 ग्राम पर थे. जो कि अगले दिन यानी 11 तरीख को थोड़ा गिरकर 1,24,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के लेवल पर बंद हुए. मगर गिरावटल का ट्रेंड अगले ही दिन टूट गया. 12 नवंबर के रोज सोने की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला और सोना करीब 3 हजार रुपये बढ़कर 1,27,080 रुपये पर पहुंच गया. यह तेजी 13 नवंबर को भी जारी रही. हालांकि, 14 नवंबर को बाजार शांत होते ही दाम गिरकर 1,23,900 रुपये हो गए और 15 तारीख को भी कीमत लगभग इसी स्तर पर बनी रही.

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर भी 14 नवंबर को सोना करीब 1,23,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जो पिछले दिन से 2.64% की बड़ी गिरावट थी. यह गिरावट तकनीकी सुधार का संकेत भी मानी जा रही है.

कीमतों में उतार-चढ़ाव क्यों आया?

सोने की कीमतें मुख्य रूप से वैश्विक हालात और निवेशकों की धारणा पर टिकी रहती हैं. 12 नवंबर को अमेरिकी सरकार का शटडाउन खत्म हुआ, जिससे बाजार में थोड़ी राहत आई. वहीं, अनिश्चित माहौल में सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है, इसलिए दाम ऊपर गए. इसके साथ ही, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर घटने की उम्मीद ने भी सोने की मांग बढ़ाई. लेकिन जब वैश्विक बाजार स्थिर होने लगे, तो निवेशकों ने मुनाफा कमाने के लिए सोना बेचना शुरू किया, जिससे दाम नीचे आ गए.

चांदी का हाल

सोने की तरह चांदी के दामों में भी उतार-चढ़ाव रहा है. एक हफ्ते पहले चांदी 1,48,330 रुपये प्रति किलो थी. कुछ दिनों में इसमें तेजी आई और 15 नवंबर को चांदी 1,56,160 रुपये प्रति किलो पहुंच गई. यह साफ दिखाता है कि चांदी भी सोने की तरह दुनिया के आर्थिक हालात से जुड़ी हुई है.

अगले हफ्ते सिर्फ दो नए आईपीओ, ग्रे मार्केट में एक ने मचाई धूम

फ़िज़िक्सवाला समेत 8 की लिस्टिंग

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अगले हफ्ते शेयर बाजार में सिर्फ दो नए आईपीओ आ रहे हैं। इनमें से एक बड़ा आईपीओ मेनबोर्ड पर आ रहा है, जिसका नाम एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज है। वहीं दूसरा आईपीओ एसएमई सेगमेंट में आ रहा है, जिसका नाम गैलार्ड स्टील है। नए आईपीओ के अलावा अगले हफ्ते फ़ुजियामा पावर, फ़िज़िक्सवाला, केशिका प्रौद्योगिकी समेत 8 कंपनियों के आईपीओ शेयर बाजार में लिस्ट भी होंगे। एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज एक ग्लोबल कंपनी है जो सीखने और एग्जाम से जुड़े सॉफ्टवेयर बनाती है। यह कंपनी 19 नवंबर को अपना 500 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आ रही है, जो 21 नवंबर तक खुला रहेगा। इस आईपीओ में 180 करोड़ रुपये का नया इश्यू है और 320 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 114 से 120 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। यह आईपीओ 26 नवंबर को लिस्ट हो सकता है। कंपनी इस पैसे का इस्तेमाल मैसूर में नई जमीन खरीदने और एक नई बिल्डिंग बनाने के लिए करेगी, जिसमें 62 करोड़ रुपये लगेंगे। साथ ही, मैसूर में अपनी मौजूदा यूनिट को बेहतर बनाने के लिए 39.51 करोड़ रुपये और अपनी आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए 54.63 करोड़ रुपये खर्च करेगी। बाकी बचे पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने सामान्य कामों के लिए करेगी। गैलार्ड स्टील का आईपीओ एसएमई प्लेटफॉर्म पर आ रहा है। यह आईपीओ 37.5 करोड़ रुपये का है। यह 19 नवंबर को खुलेगा और 21 नवंबर को बंद होगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 142 से 150 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। कंपनी पूरी तरह से नए शेयर जारी करेगी। कोई भी शेयर ओएफएस के तहत जारी नहीं होगा। यह कंपनी बीएसई एसएमई एक्सचेंज पर 26 नवंबर को लिस्ट हो सकती है। ग्रे मार्केट में एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज के आईपीओ को जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। 120 रुपये के आईपीओ प्राइस पर इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) 30 रुपये है। यानी यह आईपीओ 25 फीसदी प्रीमियम के साथ 150 रुपये पर लिस्ट हो सकता है। वहीं गैलार्ड स्टील के आईपीओ की जीएमपी अभी खुला नहीं है।

टाटा और महिंद्रा को कड़ी टक्कर... चीनी कंपनियों की भारत में जोरदार एंट्री, बाजार पर कितना कब्जा?

नई दिल्ली,16 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और चीन के रिश्ते के बीच पिघलती बर्फ का असर बाजार में भी दिखाई दे रहा है। शायद यही कारण है कि भारत की इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल मार्केट में भी तेजी से बदल रही है। पहले इस मार्केट में टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी भारतीय कंपनियों का दबदबा था, लेकिन अब चीन से जुड़ी कंपनियां भी जोरदार एंट्री मार रही हैं। सिर्फ दो साल से भी कम समय में बीवाईडी, एमजी (जो ब्रिटिश मूल की है लेकिन अब चीन के मालिकाना हक वाली है) और वोल्वो (स्वीडिश विरासत वाली लेकिन चीन के स्वामित्व वाली) जैसी कंपनियों ने साउथ कोरियाई और जर्मन कंपनियों को पीछे छोड़ दिया है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इन कंपनियों ने भारतीय इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) मार्केट का लगभग एक तिहाई हिस्सा अपने नाम कर लिया है। खरीदारों को इन कंपनियों की गाड़ियां इसलिए पसंद आ रही हैं क्योंकि इनमें बेहतर टेक्नोलॉजी, ज्यादा रेंज और भरोसेमंद परफॉर्मेंस मिलती है।अब एक्सपीइंजी, महान दीवार और हाइमा जैसी और भी चीनी ईवी कंपनियां भारत के इस बाजार में कदम रखने की सोच रही हैं। भारत और चीन के बीच पिछले पांच सालों में रिश्तों में आई नरमी से इन कंपनियों की योजनाओं को और भी बल मिल सकता है। एक्सपर्ट का कहना है कि चीन की ईवी कंपनियों ने न सिर्फ ग्राहकों को ज्यादा विकल्प दिए हैं, बल्कि भारत में लेटेस्ट बैटरी टेक्नोलॉजी, प्रीमियम फीचर्स और तेज प्रोडक्ट डेवलपमेंट को भी बढ़ावा दिया है।

बैंक एफडी पर भारी पोस्ट ऑफिस की योजनाएं

मिल रहा ज्यादा ब्याज, इनकम टैक्स में छूट का भी फायदा

नई दिल्ली,16 नवंबर (एजेंसियां)। इस साल रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कई बार कमी की है। इस कारण कई बैंकों ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) योजनाओं पर ब्याज दरें कम कर दी हैं। इस वजह से नए एफडी निवेशक अब कम ब्याज दरों पर ही निवेश कर रहे हैं। ऐसे समय में जब एफडी की ब्याज दरें गिर रही हैं, कई पोस्ट ऑफिस की छोटी बचत योजनाएं कई बड़े बैंकों की एफडी दरों से ज्यादा ब्याज दे रही हैं। ज्यादातर बड़े बैंकों में एफडी की ब्याज दरें 6% से 7% के बीच हैं। वहीं पोस्ट ऑफिस की कई ऐसी स्कीम हैं जो 7% से ज्यादा ब्याज दे रही हैं। इनमें से कई योजनाओं में तो पुराने टैक्स रिजीम के तहत जमा राशि पर इनकम टैक्स में छूट भी मिलती है।

इन स्कीम पर मिल रहा ज्यादा ब्याज

पोस्ट ऑफिस की छोटी बचत योजनाएं कई बड़े बैंकों की फिक्स्ड डिपॉजिट योजनाओं से बेहतर रिटर्न दे रही हैं। पोस्ट ऑफिस की योजनाओं की ब्याज दरें सरकार हर तिमाही में बदलती है। अभी की ब्याज दर 31 दिसंबर तक है। पोस्ट ऑफिस इन स्कीम पर 7% या उससे ज्यादा ब्याज मिल रहा है:अगर आप 2 साल के लिए पैसा जमा करना चाहते हैं तो आपको 7% सालाना ब्याज मिलेगा। यानी 10,000 रुपये पर हर तीन महीने में 719 रुपये ब्याज के तौर पर मिलेंगे। 3 साल की जमा पर 7.1% सालाना ब्याज दर है। इसमें 10,000 रुपये पर हर तीन महीने में 729 रुपये मिलेंगे। 5 साल की जमा पर 7.5% सालाना ब्याज मिलेगा। 10,000 रुपये पर हर तीन महीने में 771 रुपये ब्याज के रूप में मिलेंगे। वरिष्ठ नागरिकों के लिए सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम है, जिस पर 8.2% ब्याज मिलता है। 10,000 रुपये पर हर तीन महीने में 205 रुपये ब्याज के रूप में मिलेंगे और यह तिमाही भुगतान किया जाएगा।

अगर आप हर महीने कुछ आमदनी चाहते हैं, तो मंथली इनकम अकाउंट एक अच्छा विकल्प है। इस पर 7.4% सालाना ब्याज मिलता है। 10,000 रुपये पर हर महीने 62 रुपये मिलेंगे और यह हर महीने भुगतान किया जाएगा। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (VIII इश्यू) पर 7.7% सालाना ब्याज मिलता है। 10,000 रुपये के निवेश पर यह सालाना आधार पर बढ़ता है।पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम पर 7.10% सालाना ब्याज मिलता है। किसान विकास पत्र पर 7.5% ब्याज दर है और यह 115 महीनों में मैच्योर होता है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-25
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-36
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष सोमवार 17 Nov
तिथि - चतुर्दशी पूर्ण अहोरात्र
नक्षत्र - चित्रा 05-01 तक स्वाति
योग - प्रीति 07-22 तक आयुष्मान
करण - गर 17-59 तक उप वणिज

व्रत - सोम प्रदोष व्रत

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य -	वृश्चिक में	वृश्चिक...	06-21 बजे
चंद्र -	कन्या में	धनु......	08-35 बजे
मंगल -	वृश्चिक में	मकर...	10-42 बजे
बुध -	वृश्चिक में	कुंभ....	12-41 बजे
गुरु	कर्क में	मीन....	14-10 बजे
शुक्र -	तुला में	मेष.....	15-46 बजे
शनि	मीन में	वृष....	17-31 बजे
राहु	कुंभ में	मिथुन..	19-30 बजे
केतु	सिंह में	कर्क...	21-46 बजे
		सिंह---	23-56 बजे
		कन्या--	02-02 बजे
		तुला----	04-12 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 07-48 से 09-12 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
अमृत 06-25 - 07-48 शुभ	चंचल 17-36 - 19-14 शुभ
काल 07-48 - 09-12 अशुभ	रोग 19-14 - 20-50 अशुभ
शुभ 09-12 - 10-37 शुभ	काल 20-50 - 22-26 अशुभ
रोग 10-37 - 12-01 अशुभ	लाभ 22-26 - 00-01 शुभ
उत्पात 12-01 - 13-25 अशुभ	उत्पात 00-01 - 01-37 अशुभ
चंचल 13-25 - 14-50 शुभ	शुभ 01-37 - 03-13 शुभ
लाभ 14-50 - 16-14 शुभ	अमृत 03-13 - 04-48 शुभ
अमृत 16-14 - 17-36 शुभ	चंचल 04-48 - 06-25 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है । अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें । आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है । दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा । आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं । सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा। गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं । आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें । हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं । आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं । जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे । आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवशयकता है । बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा । जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे । यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे । इसके बारे में अच्छे से सोच लें क्योकि अब यह व्यक्ति आपके साथ लम्बे समय तक रहेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे । इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है । जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें । इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा और आप उस दिशा में आगे बढ़ पायेंगे जिस दिशा में आप बढ़ना चाहते हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आपको अपने दृष्टिकोण को सांसारिक वास्तविकता के साथ संतुलित करने की जरुरत को समझने और इस कला में पारंगत होने की आवशयकता महसूस होगी । आपकी योजनायें महत्वाकांक्षी हैं,लेकिन आपको इसके लिए वास्तविक समस्याओं को समझना होगा नही तो आप अपने अच्छे इरादे के बावजूद टकराव महसूस करेंगे । आपको यह भी समझना है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा । सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे । खूब प्रशंसा मिलेगी । इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें । इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे । आपके सामने एक ऐसी गंभीर स्थिति आ सकती है जिससे आपकी सेहत काफी प्रभावित होगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा । सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे । खूब प्रशंसा मिलेगी । इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें । इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे । आपके सामने एक ऐसी गंभीर स्थिति आ सकती है जिससे आपकी सेहत काफी प्रभावित होगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं |अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें ।जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कौन हैं वो दोनों? जिनकी वजह से लालू परिवार बंटा

संजय को तेजप्रताप जयचंद बताते हैं; रमीज के खिलाफ यूपी में मर्डर का केस

पटना, 16 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। तेजप्रताप यादव जिसे अब तक जयचंद बताते थे उसके खिलाफ अब लालू यादव की बेटी रोहिणी ने भी मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को उन्होंने X पर लिखा। 'मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हूं। संजय यादव और रमीज ने मुझसे यही करने को कहा था और मैं सारा दोष अपने ऊपर ले रही हूं।'

संजय यादव राज्यसभा सांसद हैं और तेजस्वी के पीए हैं। ये भी माना जाता है कि वो उनकी सलाह के बिना कोई काम नहीं करते। तेजस्वी को कहां जाना है किससे मिलना है ये संजय ही तय करते हैं। रमीज भी तेजस्वी के साथ काम करते हैं। उनके ऊपर यूपी में हत्या का केस दर्ज है।

कौन है संजय यादव

संजय यादव हरियाणा के महेंद्रगढ़ के नंगल सिरोही गांव के हैं। चुनावी हलफनामे के मुताबिक, संजय कंप्यूटर साइंस में पोस्ट ग्रेजुएट हैं। 2.18 करोड़ संपत्ति है। तेजस्वी और संजय की मुलाकात दिल्ली में 2012 के आसपास क्रिकेट ग्राउंड पर हुई थी। 2013 में जब लालू यादव चारा घोटाले में जेल गए तब तेजस्वी पटना लौट आए। राजनीति सीखने लगे तब उन्होंने अपने दोस्त संजय को पटना बुला लिया। संजय मल्टी नेशनल आईटी कंपनी की नौकरी छोड़कर आ गए।

संजय ने तेजस्वी को समाजवादी राजनीति से जुड़ी कई किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित किया। देश के शीर्ष नेताओं अटल बिहारी वाजपेयी, जॉर्ज फर्नांडीस, कांशीराम, मायावती, चंद्रशेखर और वीपी सिंह के भाषण दिखाते और सुनाते थे। ताकि अच्छे भाषण की कला और बारिकी सीख सके। संजय रोज लालू के दिल्ली के तुगलक रोड स्थित आवास पर तेजस्वी के साथ चार से 5 घंटे साथ बिताते थे। बिहार आकर संजय ने कुछ साल तक यहां की राजनीति को समझा, चुनावी समीकरण और आंकड़ों पर काम किया। जरूरत के मुताबिक आरजेडी में कई तरह के तकनीकी और डिजिटल दौर के बदलाव भी किए।'

रमीज की कहानी

रमीज यूपी के बलरामपुर के रहने वाले हैं। जेल में बंद पूर्व सांसद रिजवान जहीर के दामाद हैं। इन पर हत्या समेत कई मुकदमे हैं। ये आरजेडी का सोशल मीडिया और चुनाव का कामकाज देखते हैं। इनकी पत्नी भी विधानसभा का चुनाव लड़

चुकी हैं। बताया जाता है कि यूपी के कौशांबी में रेलवे लाइन पर एक युवक का शव मिला था। मृतक के परिजनों का आरोप था कि पैसों के लेनदेन को लेकर पूर्व सांसद के दामाद रमीज नेमत ने हत्या को अंजाम दिया है। इसके बाद पुलिस ने उनके ऊपर केस दर्ज की।

रमीज़ के नाम पर 4.75 करोड़ रुपए की जमीन थी जिसे प्रशासन ने जब्त किया था। यह जमीन रिजवान जहीर ने अपने दामाद के नाम पर खरीदी थी। पुलिस ने इसकी कुर्की करवा दी थी। जमीन की कीमत 4 करोड़ 75 लाख 86 हजार रुपए बताई जा रही है।

18 सितंबर को लालू यादव की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य ने फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर किया था। पोस्ट आलोक कुमार नाम के एक आरजेडी समर्थक का था। पोस्ट में लिखा था- पूरे बिहार के साथ-साथ हम तमाम लोग फ्रंट सीट पर लालू जी और तेजस्वी यादव को बैठे/बैठते देखने के अभ्यस्थ हैं। उनकी जगह पर कोई और बैठे यह हमें कतई मंजूर नहीं। जिन्हें एक दोयम दर्जे के व्यक्ति में एक विलक्षण रणनीतिकार-सलाहकार-तारणहार नजर आता है... ये बात अलग है। आलोक कुमार के इस पोस्ट के नीचे एक फोटो चस्पा थी, जिसमें बिहार अधिकार यात्रा की बस के दाईं ओर की फ्रंट सीट पर संजय यादव बैठे थे। रोहिणी ने पोस्ट शेयर करते हुए कुछ लिखा तो नहीं, लेकिन उसके बाद लालू परिवार में खटपट की खबरें आने लगी। अगले दिन 19 सितंबर को खटपट की खबरों को बल तब मिला जब उन्होंने अपने X हैंडल से पार्टी के साथ-साथ लालू-राबड़ी सहित परिवार के हर सदस्य को अनफॉलो कर दिया। इसके बाद मीडिया में लालू परिवार में फूट की खबरें चलने लगी।

कहा जाता है कि लालू यादव ने तेजस्वी यादव को फ्री हैंड दे दिया है। जब से तेजस्वी को पूरी पावर मिली है, उनके करीबी संजय यादव का प्रभाव भी बढ़ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेजस्वी क्या करेंगे, किससे बात करेंगे, उनकी रणनीति क्या होगी सब संजय यादव तय करते हैं। रोहिणी ने इशारों-इशारों में संजय को निशाने पर लिया है। हालांकि, इससे पहले तेज प्रताप यादव खुलेआम आलोचना कर चुके हैं। आजकल तेज प्रताप 'जयचंद' कह कर निशाना साधते हैं। कहा जाता है कि उनका इशारा संजय की तरफ ही है।

तेज प्रताप के पुराने पोस्ट को पढ़िए...

20 अगस्त 2021 को तेज प्रताप यादव अपने छोटे भाई तेजस्वी से मिलने पहुंचे थे। बिना मिले लौट आए। इसके बाद तेज प्रताप ने कहा था, 'संजय यादव जो तेजस्वी यादव के पीए हैं उन्होंने मुलाकात नहीं होने दी। वह नहीं मिलने दे रहे हैं। 9 अक्टूबर 2021 तारापुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में तेज प्रताप यादव की छात्र जनशक्ति परिषद के समर्थित उम्मीदवार संजय यादव ने पहले पर्चा भरा और फिर उसके अगले ही दिन अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद तेज प्रताप ने एक पोस्ट किया। लिखा, 'जनता के लिए संजय यादव जी ने अपनी उम्मीदवारी वापस ली। ना मैंने कुछ कहा, ना लिखा तो इसमें मेरा क्या रोल था या है? हरियाणवी सक्रिप्ट राइटर तुम फालतू की सी ग्रेड कहानी कहीं और लिखना।'

इसी साल 24 मई को तेज प्रताप यादव के फेसबुक अकाउंट से एक तस्वीर पोस्ट की गई थी। जिसमें तेजप्रताप के अनुष्का यादव के साथ 12 साल से रिश्ते में होने की बात थी। हालांकि, कुछ ही घंटों बाद उस पोस्ट को डिलीट कर दिया गया।

इसके बाद तेज प्रताप यादव ने रात 10:56 बजे X पर पोस्ट कर कहा कि हमारे सोशल मीडिया हैंडल को हैक कर लिया गया है और हमें बदनाम और परेशान करने की कोशिश की जा रही है। इसके बाद तेजप्रताप-अनुष्का के कई फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। अगले दिन 25 मई को लालू यादव ने तेज प्रताप को पार्टी और परिवार से बाहर निकाल दिया।

लालू के फैसले को परिवार का समर्थन

तेज प्रताप को पार्टी और परिवार से निकालने के फैसले पर तेजस्वी यादव ने कहा, 'हमारी पार्टी के अध्यक्ष ने इस बारे में अपनी भावना स्पष्ट कर दी है। कोई अपनी निजी जिंदगी में क्या कर रहा है, ये किसी से पूछकर नहीं करता। मुझे भी इस बारे में मीडिया के जरिए ही जानकारी मिली है।' लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने X पर लिखा, 'जो परिवेश, परंपरा, परिवार और परवरिश की मर्यादा का ख्याल रखते हैं, उन पर कभी सवाल नहीं उठते हैं, जो अपना विवेक त्याग कर मर्यादित आचरण व परिवार की प्रतिष्ठा की सीमा को बारम्बार लांघने की गलती- धृष्टता करते हैं, वो खुद को आलोचना का पात्र खुद ही बनाते हैं।'

पार्टी और परिवार से बेदखली के 35 दिन बाद तेज प्रताप ने आरजेडी से बगावत कर दिया। उन्होंने महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया और 5 छोटे दलों भोजपुरिया जन मोर्चा, विकास वंचित इंसान पार्टी, संयुक्त किसान विकास पार्टी, प्रगतिशील जनता पार्टी और वाजिब अधिकार पार्टी के साथ 'जन शक्ति मोर्चा' बनाया और 43 सीटों पर चुनाव लड़ा। तेजप्रताप के सारे कैंडिडेट हारे वो अपनी सीट महुआ भी नहीं बचा पाए।

आईईडी ब्लास्ट में एडिशनल एसपी हुए थे बलिदान

घटना का मास्टरमाइंड ढेर, भारी मात्रा में हथियार बरामद

सुकमा, 16 नवंबर (एजेंसियां)। सुकमा जिले के भेज्जी–चिंतागुफा के बीच स्थित तुमालपाड़ जंगल में रविवार सुबह सुरक्षाबलों ने एक बड़ी सफलता दर्ज की है। मुठभेड़ में तीन माओवादी मारे गए हैं, जिनमें वह कुख्यात जनमिलिशिया कमांडर माड़वी देवा भी शामिल है, जिसे कोंटा के पास हुए आईईडी ब्लास्ट में एडिशनल एसपी आकाश राव की शहादत का मास्टरमाइंड माना जाता था। देवा पर कई निर्दोष ग्रामीणों की हत्या और बड़े हमलों की साजिशों का भी रिकॉर्ड था। पुलिस ने उस पर पाँच लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

डीआरजी को इलाके में माओवादियों के सक्रिय होने की पुख्ता सूचना मिली, जिसके बाद

तड़के सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। घने जंगल और कठिन पहाड़ी इलाके में चली रुक-रुककर फायरिंग में दो महिला माओवादी - पोड़ियम गंगी, सीएनएम कमांडर, और सोड़ी गंगी, किस्टाराम एरिया कमेटी सदस्य भी ढेर हुई। दोनों पर पाँच-पाँच लाख रुपये का इनाम था और दोनों कई नक्सली वारदातों में शामिल रही हैं।

मुठभेड़ स्थल से सुरक्षा बलों ने .303 रायफल, बीजीएल लॉन्चर और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण के अनुसार, मारे गए उग्रवादी एक बड़े हमले की तैयारी में थे, लेकिन समय रहते कार्रवाई कर इसे विफल कर दिया गया। उन्होंने बताया कि माड़वी देवा की मौत से कोंटा–किष्टाराम बेल्ट में माओवादियों की मिलिट्री गतिविधियों को बड़ा झटका लगा है। बस्तर रेंज के आईजी सुन्दरराज पट्टलिंगम ने कहा कि वर्ष 2025 में अब तक 233 माओवादी ढेर किए जा चुके हैं और संगठन अंतिम दौर में पहुंच चुका है। उन्होंने साफ कहा कि अब हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटना ही माओवादी कैडरों का एकमात्र विकल्प है। घटना के बाद डीआरजी, बस्तर फाइटर्स और सीआरपीएफ की टीमें पूरे इलाके में सर्चिंग कर रही हैं।

'छत्तीसगढ़ में अंतिम सांसें ले रहा नक्सलवाद'

सीएम साय बोले- दो वर्षों में दो हजार नक्सलियों ने किया सरेंडर

जगदलपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछले दो वर्षों में 2,000 से अधिक नक्सलियों ने हथियार डाल दिए हैं और राज्य में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। आगे सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च, 2026 तक भारत से नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया है।

साय ने कहा कि नक्सलवाद के जड़ से उखाड़ दिए जाने के बाद बस्तर क्षेत्र में तेजी से विकास होगा। उन्होंने कहा नक्सलवाद अपनी अंतिम साँसें ले रहा है। नक्सली बड़ी संख्या में आत्मसमर्पण कर रहे हैं। हमने एक प्रभावी आत्मसमर्पण और पुनर्वास

नीति लागू की है और इसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। दिसंबर 2023 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से लगभग दो वर्षों में 2,000 से ज़्यादा नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

सीएम साय ने कहा कि नियाद नेल्लानार योजना के तहत बस्तर के 327 गांवों तक विकास पहुँचा है, जिससे सड़क संपर्क, बिजली, पानी की आपूर्ति, स्कूल, अस्पताल, राशन वितरण सुविधाएँ और दूरसंचार नेटवर्क उपलब्ध हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बस्तर में पर्यटन की अपार संभावनाओं को बढ़ावा दे रही है और अपनी नई औद्योगिक नीति के तहत पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष बस्तर ओलंपिक (खेल आयोजन) का आयोजन किया गया था जिसमें 1.65 लाख लोगों ने भाग लिया था, जो इस वर्ष बढ़कर 3 लाख हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि बस्तर पंडुम महोत्सव का भी आयोजन किया जाएगा। क्षेत्र के लोग विकास की मुख्यधारा में शामिल होने और खुद को नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त करने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सीएम साय ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस राज्य के सभी जिलों में मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ मनाया जा रहा है। समारोह का राज्य स्तरीय समापन समारोह 20 नवंबर को अंबिकापुर (सरगुजा जिला) में होगा, जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

हाथियों के झुंड ने किसानों की फसलों को किया बर्बाद

वन विभाग ने जंगल में खदेड़ा, दहशत में ग्रामीण

कोरबा, 16 नवंबर (एजेंसियां)। कोरबा वन मंडल कोरबा में घूम रहे 51 हाथी अब 4 झुंड बंट गए हैं। हाथियों ने बांधापाली के किसान की झोपड़ी को उजाड़ दिया। शाम होते ही हाथी चिंघाड़ने लगते हैं। इससे ग्रामीण दहशत में हैं। हाथियों ने 20 एकड़ से अधिक धान की फसल को चौपट कर दिया।

करतला रेंज के बेहरचुंआ में घूम रहे 9 हाथी और केराकछार मैं घूम रहे 19 हाथी एक हो गए हैं। ग्राम बांधपाली के किसान भीखाराम राठिया के खेत में बनी झोपड़ी को हाथियों में तोड़ दिया। इसके बाद धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। किसान ने बताया कि हाथी 2 किलोमीटर दूर जंगल में हैं। भोजन की तलाश में निकलने के पहले चिघाड़ते हैं। इसकी वजह से शाम 4 बजने के बाद सभी किसान खेत से घर वापस आ जाते हैं। हाथियों से डर बना हुआ है। इसी तरह कोटमेर में घूम रहे 10 हाथियों ने तुरींकटरा, सुईआरा में धान की फसल को नुकसान पहुंचाया है। कोरबा रेंज के दरगा में घूम रहे 10 हाथी चचिया के दो हाथियों के साथ मिल गए हैं। इसी तरह कुदमुरा रेंज में गीतकुंवारी के लाबेद में दंतैल हाथी अकेला घूम रहा है।

वन विभाग हाथियों की निगरानी कर रहा है, लेकिन झुंड से अलग होने की वजह से वन अमला भी परेशान है। किसान अब अधपकी फसल को भी काटने में लगे हैं। किसान भीखा राम ने बताया कि इस हाथियों का झुंड पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र में विचरण कर रहा है जिसके चलते लोगों को डर तो बना ही हुआ है फसलों को भी बर्बाद कर रहे है।

घाटशिला सीट जीतने के बाद सीएम हेमंत सोरेन से मिले विधायक सोमेश, भरोसा व विश्वास को लेकर किया वादा

रांची, 16 नवंबर (एजेंसियां)। रांची के घाटशिला विधान चुनाव में नव निर्वाचित विधायक सह झामुमो नेता सोमेश सोरेन ने रविवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने झामुमो विधायक सोमेश सोरेन को जीत की ढेर सारी बधाई दी। मौके पर घाटशिला विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक सोमेश मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि यह विजय घाटशिला की जनता की आकांक्षाओं और विश्वास की जीत है।

'अब बेटे के कंधों में बड़ी जिम्मेदारी'

उन्होंने कहा कि स्वर्गीय रामदास सोरेन द्वारा जनहित में आरंभ किए गए कार्यों और अधूरे

सपनों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अब उनके पुत्र सोमेश सोरेन के कंधों पर है। मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि सोरेन जनसेवा एवं विकास कार्यों की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

'विश्वास काभी तोड़ने नहीं दूंगा'

घाटशिला में स्व. रामदास सोरेन ने विकास कार्यों को चलाया था उसे अब सोमेश सोरेन पूरा करने का काम करेंगे। वहीं घाटशिला के विधायक सोमेश सोरेन ने कहा कि घाटशिला की जनता ने जो भरोसा और आशीर्वाद मुझे दिया है। उसका भरोसा और विश्वास काभी तोड़ने नहीं दूंगा।

घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में मेरे पिता जी पूर्व शिक्षा मंत्री स्व. रामदास सोरेन ने शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कार्य किए हैं उन कार्यों को और गति से देने का काम किया जाएगा। साथ ही राज्य और केंद्र प्रायोजित योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। नव निर्वाचित विधायक सोमेश सोरेन अपने पूरे परिवार के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलने उनके आवास पहुंचे थे।

ताबड़तोड़ फायरिंग, ससुर-साले ने दामाद पर बरसाई गोलियां; इलाके में सनसनी

जमशेदपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। परसुडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत कीताडीह गाड़ीवान पट्टी स्थित गफ्फार बस्ती में शुक्रवार देर रात दामाद पर ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना सामने आई।

हालांकि, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन अचानक हुई फायरिंग से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कीताडीह निवासी जावेद खान ने इस मामले में अपनी पत्नी हीना खातून, साला मो. रियाशद, ससुर मो. लियाकत समेत पांच अज्ञात आरोपितों के खिलाफ जानलेवा हमला, मारपीट और फायरिंग करने की प्राथमिकी परसुडीह थाना में दर्ज कराई है।

पुलिस ने घटनास्थल से तीन खोखा किया है। जावेद खान ने पुलिस को बताया कि वह लंबे समय से बेंगलुरु में कार्यरत था और करीब एक माह पहले ही कीताडीह लौटा है। घर वापस आने के बाद उसने पाया कि उसकी पत्नी किसी अन्य व्यक्ति से लगातार फोन पर बातचीत करती है।

जब उसने इस पर आपत्ति जताई, तो विवाद बढ़ गया। आरोप लगाया कि शुक्रवार रात इसी बात को लेकर पत्नी और उसके परिजनों ने पहले उसके साथ मारपीट की। इसके बाद साले, ससुर और उनके साथ आए अज्ञात युवकों ने उस पर तीन राउंड गोलियां चलाईं।

संयोगवश कोई भी गोली उसे नहीं लगी और वह बाल-बाल बच गया। परसुडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि घटना में शामिल सभी आरोपितों की पहचान कर ली गई है। वे कीताडीह और आसपास के इलाकों के निवासी हैं। पुलिस की विशेष टीम उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

पार्टी को मजबूत करने के लिए कांग्रेस ने शुरू किया 'टैलेंट हंट'

रांची, 16 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने देशभर में नए और प्रभावी प्रवक्ताओं की खोज के लिए नेशनल मीडिया टैलेंट हंट कार्यक्रम की शुरुआत की है। झारखंड में भी यह प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। रविवार को रांची में संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि एआईसीसी के इस अभिनव कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे युवाओं और प्रतिभाशाली लोगों को मंच देना है, जिनमें कांग्रेस के मूल्यों के प्रति निष्ठा के साथ वैचारिक प्रतिबद्धता, राजनीतिक समझ, संचार कौशल और मीडिया में प्रभावी उपस्थिति की क्षमता हो।

उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए झारखंड को सात जोनों में विभाजित किया गया है, जिनमें पलामू, कोल्हान, देवघर, दुमका, जामताड़ा, साहेबगंज, गोड्डा, पाकुड़, रामगढ़,चतरा, कोडरमा, हजारीबाग, बोकारो,धनबाद, गिरिडीह और दक्षिणी छोटानागपुर शामिल हैं।

कमलेश ने कहा कि प्रदेश एवं क्षेत्रीय स्तर पर उन्हीं अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा जिनमें त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता, स्पष्ट सोच, स्वच्छ भाषा, इतिहास और वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों की समझ के साथ जनता तक अपनी बात रखने की दक्षता हो। यह पूरी प्रक्रिया संगठन सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित की जाएगी।

पूर्वी भारत (ओडिशा, बिहार, झारखंड और बंगाल) के प्रभारी एवं एआईसीसी प्रवक्ता अतुल लोंढे पाटिल ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उन प्रतिभाओं को तलाशना है जो संविधान, प्रस्तावना, देश की संस्कृति और राजनीति की गहरी समझ रखते हैं। उन्होंने कहा कि कई लोग अपने विचार देश के साथ साझा करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें मंच नहीं मिलता। यह टैलेंट हंट उन्हें संगठन से सीधे जोड़ने का माध्यम बनेगा। उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए एनजीओ, सिविल सोसाइटी और मीडिया विशेषज्ञ भी शामिल होंगे।

लोंढे ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह सरकारी मशीनरी का उपयोग कर मीडिया, खासकर सोशल मीडिया, को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है, जिससे लोकतंत्र की पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि गठबंधन दल आज लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होकर काम कर रहे हैं, जबकि भाजपा गैर-वैधानिक तरीकों से चुनाव जीतने का प्रयास करती है।

कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सतीश पौल मुंजनी, लालकिशोर नाथ शाहदेव, सोनाल शांति, कमल ठाकुर और गजेंद्र सिंह भी उपस्थित थे।

पुलिसकर्मी को लापरवाही पड़ी भारी, दुष्कर्म मामले में एफआईआर में देरी पर हुई कार्रवाई, एसएसपी ने किया सस्पेंड

जशपुर, ।16 नवंबर (एजेंसियां)। जशपुर नगर सिटी कोतवाली प्रभारी आशीष तिवारी को एसएसपी शशि मोहन सिंह ने निलंबित कर दिया है। निलंबन की यह गाज शिक्षक द्वारा कक्षा दसवीं की छात्रा से दुष्कर्म के मामले में एफआईआर दर्ज करने में लेटलतीफी किए जाने पर गिरी है।

नईदुनिया प्रतिनिधि, जशपुरनगर। सिटी कोतवाली प्रभारी आशीष तिवारी को एसएसपी शशि मोहन सिंह ने निलंबित कर दिया है। निलंबन की यह गाज शिक्षक द्वारा कक्षा दसवीं की छात्रा से दुष्कर्म के मामले में एफआईआर दर्ज करने में लेटलतीफी किए जाने पर गिरी है।

एसएसपी सिंह ने बताया की इस मामले में पीड़िता के स्वजनों द्वारा थाना में सूचना देने के बावजूद आरोपित शिक्षक गिरधारी यादव के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करने में देरी की गई। इस लापरवाही पर कोतवाली प्रभारी के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इस मामले की जांच की जिम्मेदारी जशपुर के एसडीओपी चंद्रशेखर परमा को दिया गया है। एसडीओपी परमा सात दिनों के अंदर जांच रिपोर्ट देंगे। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी। एक सरकारी स्कूल में कक्षा 10वीं की छात्रा ने कोतवाली में किए गए शिकायत में आरोप लगाया है कि वह वर्ष 2024 से आरोपित शिक्षक गिरधारी राम यादव के घर मे रह कर पढ़ाई करती है।

बिहार की नई सरकार में संभावित 18 मंत्री

नीतीश का इस्तीफा आज होगा, डिप्टी सीएम की रेस में सम्राट समेत तीन नाम

पटना, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में अब नई सरकार बनाने की कवायद तेज हो गई है। जेडीयू ने आज विधायक दल की बैठक बुलाई है। इसमें नीतीश कुमार को विधायक दल का नेता चुना जाएगा। सोमवार को बीजेपी विधायक दल की बैठक हो सकती है। सीएम नीतीश कुमार 17 नवंबर को राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपेंगे और इसी दिन नई सरकार बनाने का दावा भी पेश कर सकते हैं। सीएम हाउस के सूत्रों की मानें तो 20 नवंबर को नीतीश कुमार 10वीं बार सीएम पद की शपथ ले सकते हैं।

2025 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन सरकार में एक बार फिर से नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू का कद बढ़ना तय माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, नीतीश कुमार के साथ-साथ 18 मंत्री भी शपथ ले सकते हैं। वहीं, डिप्टी सीएम की रेस में बीजेपी से सम्राट चौधरी, रामकृपाल यादव मंगल पांडे के नाम की चर्चा है। चिराग पासवान की पार्टी की बिहार सरकार में एंट्री होगी।

सूत्रों की मानें तो इस बार 30-32 मंत्रियों का मंत्रिमंडल हो सकता है। इसमें जेडीयू और बीजेपी के बराबर-बराबर मंत्री हो सकते हैं। इनके अलावा चिराग पासवान की पार्टी को 3 मंत्री पद, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को एक-एक मंत्री पद मिल सकता है। विधानसभा के मौजूदा नंबर के हिसाब से बिहार में कुल 36 मंत्री बनाए जा सकते हैं। कहा जा रहा है कि जेडीयू के कोटे से 11 मंत्री बनाए जा सकते हैं।

2020 चुनाव परिणाम के बाद से बीजेपी बिहार में दो डिप्टी सीएम पद की परंपरा शुरू की। एक बार फिर से दो डिप्टी सीएम बनाने की चर्चा है, लेकिन दोनों बीजेपी की जगह एक डिप्टी सीएम पद पर एलपीजे(R) भी दावेदारी कर रही है। फिलहाल कैमरे पर सीधे बोलने की बजाय वे दबी जुबान ये बातें कर रहे है। हालांकि, नीतीश कुमार सीएम होंगे तो डिप्टी सीएम कौन होगा ये बीजेपी ही तय करेगी।

पिछली सरकार में जेडीयू कोटे से 13 मंत्री थे। संभव है कि इसमें से 10 मंत्रियों को नई सरकार में फिर से मंत्री बनाया जा सकता है। पार्टी मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल करने के मूड में नहीं है। भास्कर के पास जेडीयू कोटे से बनने वाले मंत्रियों में से 10 लोगों के नामों की लिस्ट है।

भाजपा अपने डिप्टी सीएम को बदल सकती है

पिछली सरकार में भाजपा कोटे से 19 मंत्री हैं। इसमें बड़े पैमाने पर बदलाव की सूचना है। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा को रिप्लेस किया जा सकता है। साथ ही सम्राट चौधरी को भी बदला जा सकता है, लेकिन वह अभी भी डिप्टी सीएम की रेस में हैं। इसके सीएम CM बनने चर्चा है।

हम से संतोष मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी स्नेहलता के साथ एलपीजे(R) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी मंत्री बन सकते हैं। संभावित मंत्रियों की लिस्ट में संजय पासवान के नाम की भी चर्चा है।

स्पीकर की भी रेस में विजय सिन्हा

पिछली बार की तरह इस बार भी बीजेपी स्पीकर का पद अपने पास रख सकती है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा विजय सिन्हा को डिप्टी सीएम ना बनाकर स्पीकर बना सकती है। हां, इतना जरूर तय है कि विजय सिन्हा को कोई ना कोई बड़ा पद मिलेगा। 2010 तक ये पद नीतीश कुमार अपने पास रखते थे, लेकिन 2020 में जैसे ही नीतीश कुमार कमजोर हुए बीजेपी ये पद अपने हिस्से में ले ली। 2020-25 के बाद नीतीश कुमार के पाला बदल के कारण दो बार एनडीए की सरकार बनी । दोनों बार बीजेपी के स्पीकर बने।

हालांकि, इस बार बीजेपी के साथ जेडीयू का भी नंबर बढ़ा है। विधान परिषद के सभापति पहले से ही बीजेपी कोटे में है। सीएम नीतीश कुमार की सहमति के बाद वहां बीजेपी नेता अवधेश नारायण सिंह को सभापति बनाया गया है।

एमपी और राजस्थान के मंत्रिमंडल की तर्ज पर बिहार के नए मंत्रिमंडल से भी पुराने और दिग्गज नेताओं की छुट्टी हो सकती है। इनकी जगह नए चेहरों की एंट्री हो सकती है। राजस्थान और मध्य प्रदेश में बनी नई सरकार में पार्टी की तरफ से न केवल पूरी तरह नई टीम को मौका दिया गया है, बल्कि जातियों के समीकरण का भी ख्याल रखा गया है। वर्षों से जमे-जमाए चेहरों को बदल दिया गया। राजस्थान में बीजेपी ने पूरी तरह से नए चेहरे पर दांव लगाया । यहां 22 मंत्री में से 17 नए चेहरे को मौका दिया गया। जबकि मध्य प्रदेश में भी 28 मंत्रियों में 22 नए चेहरे को मंत्रिमंडल में जगह दी गई।

बिहार में 15 साल के भीतर दूसरी बार 200 पार के नंबर के साथ बिहार एनडीए सत्ता में आई है। 14 नवंबर का आए नतीजे में एनडीए को 202 सीटें मिली हैं। 2020 के नतीजे की तरह एक बार फिर से एनडीए में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनी है।

पार्टी को 89 सीटें मिली हैं। लेकिन इस बार जेडीयू के जीत का ग्राफ 43 से बढ़ कर 85 पहुंच गया है। इन दोनों के साथ सरकार में तीसरी बड़ी पार्टी के रूप में 19 सीटों के साथ एलपीजे(R) की एंट्री हुई है। जीतन राम मांझी की हम की सीटें भी पिछली बार की तुलना 4 से बढ़ कर 5 हो गई है। 4 विधायक के साथ उपेंद्र कुशवाहा भी इस बार सरकार के साझीदार हैं।

18-20 के बीच शपथ ले सकते हैं नीतीश कुमार

17 नवंबर को सरकार की नीतीश सरकार की आखिरी कैबिनेट होगी। इसमें विधानसभा को भंग करने की सिफारिश होगी। फिर नई सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। नई सरकार 18 से 20 नवंबर के बीच शपथ ले सकती है।

इधर, शनिवार की रात जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा व केंद्रीय मंत्री ललन सिंह दिल्ली पहुंचे। गृह मंत्री अमित शाह व भाजपा के कई बड़े नेताओं से बात की। इससे पहले दोनों जदयू नेताओं ने पटना में मुख्यमंत्री से बात की। भाजपा नेताओं की भी बैठक हुई।

उपेंद्र-चिराग बोले- नीतीश ही सीएम होंगे

मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर तक है। रविवार को 18वीं विधानसभा की अधिसूचना होगी। नई सरकार में चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी की भी हिस्सेदारी होगी। चिराग के 19 व उपेंद्र के 4 प्रत्याशी जीते हैं। अभी सरकार में भाजपा, जदयू और हम के मंत्री हैं। डिप्टी सीएम दो रहेंगे। अभी दोनों डिप्टी सीएम भाजपा के हैं। यह बदल भी सकता है।

साउथ कोरिया की न्यूक्लियर पनडुब्बियां बनाने में मदद करेगा अमेरिका

साउथ कोरियाई मंत्री बोले- यह किम जोंग की नींद उड़ा देगी

वॉशिंगटन डीसी/ सियोल, 16 नवंबर (एजेंसियां)। साउथ कोरिया और अमेरिका के बीच एक समझौता हुआ है, जिसमें अमेरिका ने साउथ कोरिया को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली हमलावर पनडुब्बियां (अटैक सबमरीन) बनाने की इजाजत दे दी है। व्हाइट हाउस ने गुरुवार को जारी किए गए एक लेटर में बताया कि अमेरिका इन पनडुब्बियों के लिए फ्यूल देने के साथ तकनीकी सहयोग भी करेगा। पिछले महीने हुए व्यापार समझौते के तहत साउथ कोरिया, अमेरिका में 29.58 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा। इसमें 16.9 लाख करोड़ रुपए नकद और 12.68 लाख करोड़ रुपए जहाज निर्माण में लगेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ये पनडुब्बियां अमेरिकी राज्य पेंसिल्वेनिया के फिलाडेल्फिया के शिपयार्ड में बनेंगी, जो दक्षिण कोरियाई कंपनी हन्वा की अमेरिकी यूनिट है। हालांकि दक्षिण कोरियाई अधिकारी चाहते हैं कि ये पनडुब्बियां कोरिया में ही बनाई जाएं, क्योंकि वहाँ मौजूदा सुविधाएं इनका निर्माण तेजी से कर सकती हैं। साउथ कोरियाई रक्षा मंत्री अहन ग्यू-बैक ने कहा कि यह उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की नींद उड़ा देंगी।

अमेरिका और साउथ कोरिया के बीच यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों के नेताओं ने पिछले महीने एक व्यापार समझौते पर सहमति जताई थी, जिसके तहत अमेरिका ने टैरिफ को 25% से घटाकर 15% कर दिया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस वर्ष की शुरुआत में साउथ कोरिया पर 25% टैरिफ लगा दी थी। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने 15% तक कम करने के लिए बातचीत की थी।

वर्तमान में सिर्फ 6 देशों के पास परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां हैं। इसमें अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और भारत शामिल है। साउथ कोरिया के पास पहले से ही लगभग 20 पनडुब्बियां हैं, लेकिन वे सभी डीजल से चलती हैं और इसलिए उन्हें बार-बार सतह पर आना पड़ता है। इसके तुलना में परमाणु पनडुब्बियां लंबे समय तक पानी के अंदर रह सकती हैं, तेज गति से चल सकती हैं और दूर तक ऑपरेशन कर सकती हैं।

हरियाणा का विवादित हांडीखेड़ा बाबा राजस्थान में फंसा

पुलिस-मिलिट्री ने जगह खाली करने को कहा चेला सजायाफ्ता मिला; ग्रामीण बोले-बाबा फर्जी

सिरसा, 16 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा में विवादों में घिरने के बाद ठिकाना बदल रहा संजय भगत उर्फ हांडी खेड़ा बाबा राजस्थान के बीकानेर में भी फंस गया है। वहां बाबा का विरोध शुरू हो गया। जांच में बाबा का एक सेवादार जानलेवा हमले में सजायाफ्ता मिला है। बाबा को जगह खाली करने को कहा गया है, क्योंकि यह मिलिट्री फायरिंग रेंज के पास है।

हांडी खेड़ा बाबा के दरबार में उपचार के नाम पर महिला के निजी अंगों से छेड़छाड़ का वीडियो सामने आने के बाद सिरसा के ग्रामीणों ने विरोध कर दिया था। इसके चलते बाबा को सिरसा में अपना दरबार बंद करना पड़ा। इसके बाद उसने राजस्थान के बीकानेर जिले में रामसरा पंचायत क्षेत्र में 15 बीघे जमीन लीज पर ली, जहां मंदिर और डेरा बनाने का काम शुरू किया। ग्रामीणों को सूचना मिली कि बाबा सिरसा से भागकर आया है तो उन्होंने पुलिस बुला ली। राजस्थान पुलिस ने दस्तावेजों की जांच की तो बाबा ने बताया कि जमीन दान में मिली है। यह जमीन नोहर के एक व्यक्ति की है, जिसे पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

ग्रामीणों ने भी विरोध करते हुए पुलिस से संजय भगत को गांव से बाहर भेजने की अपील की। इसके बाद पुलिस ने संजय भगत को एक-दो दिन में इलाका छोड़ने को कहा है।

सरपंच ने ली परीक्षा तो फंस गया बाबा

रामसरा पंचायत के सरपंच हनुमान शर्मा और एडवोकेट राजेश गोस्वामी व अन्य ग्रामीण डेरे में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने संजय भगत से सवाल-जवाब किए, जिनमें वह फंस गया। इसके बाद सरपंच और वकील ने संजय और उसके चेले से दस्तावेज दिखाने को कहा। संजय ने अपना आधार कार्ड दिखाया, लेकिन चेला अकड़ने लगा। बाद में चेले ने रोबिन नाम और बौंद गांव का पता बताते हुए आधार कार्ड का अगला हिस्सा दिखाया। जब उस आधार कार्ड की जांच की गई, तो उसमें भिवानी के सांजरवास गांव का पता मिला। चेले ने अलग पता बताया और कहा कि उसका नाम हत्या के प्रयास की धारा 307 में आ गया था। तीन साल की सजा काटने के बाद वह एक साल से बाबा के पास रह रहा है, जबकि संजय ने उसे एक महीने से अपने पास होने की बात कही। चेले द्वारा दी गई सारी जानकारी गलत थी, जिससे उन लोगों को शक हो गया और उन्होंने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई।

मसूद अजहर, हाफिज सईद को फ्री हैंड...

दिल्ली बम ब्लास्ट से पहले पाकिस्तानी पत्रकार का वीडियो, कहा- भारत में स्लीपर सेल हुए एक्टिव

इस्लामाबाद/नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में लाल किला के पास हुए बम धमाके के बाद पाकिस्तान के सीनियर पत्रकार जावेद चौधरी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो भारत में आतंकी हमलों पर बात कर रहे हैं। जावेद चौधरी को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI का करीबी माना जाता है। इस वीडियो में उन्हें कहते सुना जा सकता है कि आतंकी मसूद अजहर और हाफिज सईद को भारत में आतंकी हमला करवाने के फ्री हैंड दे दिए गये हैं और इन दोनों ने भारत में मौजूद अपने स्लीपर सेल को एक्टिव कर दिया है।

हमें मिली जानकारी के मुताबिक पाकिस्तानी पत्रकार जावेद चौधरी ने मई 2025 में ये बातें कही थी, जब भारत ने पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था। भारत के हमले में ISI समर्थित 100 से ज्याजा पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गये

थे। जावेद चौधरी ने इस वीडियो में कई चौंकाने वाले दावे किए हैं, जिनमें यह भी शामिल है कि प्रतिबंधित संगठनों के सरगना मौलाना मसूद अजहर और हाफिज सईद अब भारत में फिर से आतंकी हमले करवाएगा।

हाफिज सईद, मसूद अजहर को खुली छूट

जावेद चौधरी इस वीडियो में कह रहे हैं कि ₹मौलाना मसूद अजहर ने एक ऐलान किया है कि चूंकी इंडिया ने मेरे घर पर, मेरे मदरसे पर हमला किया है, तो अब मेरे पास ये हक है कि मैं उसका बदला लूं। और मौलाना मसूद अजहर जो हैं, उनसे इंडिया बड़ा घबराता है। क्योंकि उनकी जड़ें काफी गहरी है और उनके जो फिदायीन (आत्मघाती हमलावर) हैं, वो भी कमाल हैं। वो जान दे देते हैं। तो मौलाना मसूद अजहर ने अपना बदला लेने का ऐलान कर दिया है। वीडियो में जावेद चौधरी आगे कहते हैं कि ₹इंडिया में मौलाना मसूद अजहर के नेटवर्क हैं और हाफिज सईद की भी पकड़ है, इन्हें सिर्फ पाकिस्तान ने रोका हुआ था। इनको पाकिस्तान ने बड़ी मुश्किल से रोका हुआ था, कि आपने कोई भी किसी भी किस्म की हरकत नहीं करनी है।

जावेद चौधरी को वीडियो में आगे कहते सुना जा सकता है कि ₹ईडिया ने अब हरकत करके (पाकिस्तान पर मई हमला) इन लोगों को वजह दे दिया है कि अब ये बदला ले सकते हैं। अब अगर इंडिया के अंदर धमाके होने शुरू होते हैं या ये अगर अपने स्लीपर सेल को एक्टिव कर देते हैं, तो खुद अंदाजा लगाएं कि इंडिया कहां पर स्टैंड करेगा।₹ कुल मिलाकर जावेद चौधरी बता रहे हैं कि पाकिस्तान में मौजूद ये आतंकी फिर से भारत में आतंकी हमले करवाएंगे और ये अपने स्लीपर सेल को फिर से एक्टिव करेंगे। इसीलिए दिल्ली में हुए आत्मघाती बम धमाके के बाद शायद ये साबित हो रहा है कि इसमें पाकिस्तानी आतंकियों का हाथ हो सकता है।

हसीना को सजा सुनाए जाने से पहले बांग्लादेश में हिंसा

5 जिलों में हाईवे जाम, आगजनी; राजधानी ढाका में सेना की 12 टुकड़ियां तैनात

ढाका, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को दो दिन बात मानवता के खिलाफ अपराध मामले में सजा सुनाई जाने वाली है। इससे पहले राजधानी ढाका में जारी आगजनी और हिंसा की घटनाओं के बाद सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई है। ।हसीना के समर्थकों ने ढाका समेत पांच जिलों में हाईवे जाम कर रखा है। सरकार ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश की 12 अतिरिक्त टुकड़ियां शहर में तैनात की हैं, जो लगातार गश्त कर रही हैं।

मुख्यालय के मुताबिक राजधानी के प्रमुख इलाकों में पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती बढ़ाई गई है। यहां हाल के दिनों में वाहनों में आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई थीं। इससे पहले भी बांग्लादेश सरकार ढाका और आसपास के जिलों में BGB की 14 टुकड़ियां तैनात कर चुकी है ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे और किसी तरह की अराजकता न फैले । पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के समर्थकों के तेवर और तीखे हो गए हैं। उनकी मांग है कि पूर्व पीएम हसीना के खिलाफ झूठे मामले वापस लिए जाएं। साथ ही फरवरी में चुनाव की तारीख का ऐलान किया जाए। शुक्रवार को अवामी लीग के कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ भी झड़पें हुईं।

शुक्रवार तड़के ढाका में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास दो बम विस्फोट हुए। इससे पहले 13 नवंबर को हसीना के खिलाफ फैसले की तारीख के ऐलान से पहले अवामी लीग ने विरोध में पूरे देश में प्रदर्शन किए। इसके जवाब में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) और बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ता ढाका के कई इलाकों में सड़कों पर उतर आए और कुछ जगहों पर जुलूस भी निकाले।

जमात भी यूनुस सरकार के खिलाफ उतरी

कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी ने भी यूनुस सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ढाका की बड़ी मस्जिद में जुमे की नमाज़ के बाद जमात के नायब-ए-अमीर सैयद अब्दुल्ला ने कहा कि फरवरी में चुनाव और जनमत संग्रह (रेफरेंडम) एक साथ नहीं कराया जाए।

जनमत संग्रह के मुद्दे पर यूनुस सरकार को नेशनल सिटिजन पार्टी का साथ मिल गया है।

चीन बोला- जापान में चीनी नागरिक सुरक्षित नहीं

पीएम ताकेइची ने ताइवान पर भड़काऊ बयान दिया

बीजिंग, 16 नवंबर (एजेंसियां)। चीन ने रविवार को जापान पढ़ने जाने वाले चीनी छात्रों के लिए सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। चीन का कहना है कि जापान में इन दिनों सुरक्षा स्थिति ठीक नहीं है और वहां रहने वाले चीनी नागरिकों के लिए खतरा बढ़ गया है।

चीन की यह चेतावनी उस समय आई है जब जापान की नई प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने संसद में ताइवान को लेकर एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया या उस पर दबाव बनाने की कोशिश की, तो जापान अपनी सैन्य कार्रवाई करेगा।

चीन ने इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदार और उकसाने वाला

करार दिया है। चीन का कहना है कि ताकाइची का यह बयान दोनों देशों के रिश्तों को नुकसान पहुंचा सकता है और पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ा सकता है। चीन ने इस बयान का विरोध करते हुए जापान के राजदूत को तलब किया और प्रधानमंत्री से अपने बयान को वापस लेने की मांग की। दूसरी तरफ, जापान ने भी चीन के एक राजनयिक की सोशल मीडिया पोस्ट पर आपत्ति जताई है।

चीन के सरकारी मीडिया का कहना है कि जापान ताइवान मुद्दे में बेवजह दखल दे रहा है और ऐसा करके खुद अपने देश को खतरे में डाल रहा है। एक न्यूज एडिटोरियल में यह भी लिखा गया कि अगर जापान की सेना ने इस मामले में दखल दिया, तो पूरे क्षेत्र को नुकसान झेलना पड़ेगा। इसी बीच, चीन के कोस्ट गार्ड जहाजों ने डियाओयू द्वीपों के पास गश्त की, जिन्हें जापान में सेनकाकू कहा जाता है। यह क्षेत्र पहले से ही दोनों देशों के बीच विवादित है।

चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि जापान और अमेरिका ताइवान को स्वतंत्र देश की तरह मान्यता तो नहीं देते, लेकिन अमेरिका उसकी सुरक्षा में मदद करता है और उस पर किसी भी जबरन कब्जे का विरोध करता है।

एशिया में नए युद्ध की आहट, भारत के इस दोस्त को उकसा रहा चीन

बीजिंग, 16 नवंबर (एजेंसियां)। एशिया में एक और युद्ध का खतरा मंडराने लगा है। यह युद्ध भारत और पाकिस्तान नहीं, बल्कि दो अन्य महाशक्तियों चीन और जापान के बीच हो सकती है। दोनों देशों में जुबानी जंग अभी चरम पर है। इस बीच चीन ने अपने युद्धपोतों को विवादित द्वीप के पास से गुजारा है। इस दौरान चीनी युद्धपोत किसी जंग की फॉर्मेशन में उस द्वीप के पास से गुजरे, जिस पर जापानी नौसेना ने पैनी निगाह बनाए रखी। चीन तटरक्षक बल ने एक बयान में कहा कि रविवार को एक चीनी तटरक्षक बल का जहाज समूह अधिकार प्रवर्तन गश्त पर सेनकाकू द्वीप समूह के जलक्षेत्र से होकर गुजरा।

शादी से पहले मंगेतर ने युवती की हत्या की

एक घंटे पहले साड़ी को लेकर विवाद हुआ था; दोनों डेढ़ साल से लिव इन में थे

भावनगर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के भावनगर में शनिवार को शादी से एक घंटे पहले एक युवती की उसके मंगेतर ने हत्या कर दी। घटना प्रभुदास झील के टेकरी चौक के पास स्थित घर में हुई। वारदात के बाद आरोपी घर में तोड़फोड़ कर वहां से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी साजन बरैया और पीड़ित सोनी हिम्मत राठौड़ करीब डेढ़ साल से लिव इन में रह रहे थे। दोनों के परिवार ने शुरुआत में शादी का विरोध किया लेकिन इसके बावजूद दोनों ने सगाई कर ली थी और ज्यादातर रस्में भी पूरी हो चुकी थीं। डीएसपी आरआर सिंघल ने बताया कि शनिवार रात को दोनों की शादी से पहले दोनों के बीच साड़ी और पैसों को लेकर विवाद हुआ। बहस बढ़ने पर साजन ने लोहे के पाइप से हमला किया और

सोनी का सिर दीवार पर दे मारा।

जब परिवार को शोर सुनाई दिया तो वे लोग सोनी के कमरे की तरफ भागे लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद पीड़ित के बड़े भाई विपुल ने गंगाजलिया पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने युवती के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सोनी के परिजनों ने बताया कि उसका अफेयर साजन के साथ था। उसने परिवार से झगड़ा करके घर छोड़ दिया और फिर साजन के साथ लिव इन में रहने लगी थी। जब दोनों की सगाई की जानकारी हुई तो सामाजिक सरोकार के चलते दोनों परिवार उनकी शादी के लिए राजी हो गए। उन्होंने बताया कि इसके बाद सोनी अपने मायके आ गई। उनकी शादी के लिए 15 नवंबर की तारीख तय हुई। 14 नवंबर को हल्दी-मेंहदी की रस्में हुईं। साजन और सोनी की ये रस्में एक जगह पर हुईं। सोनी ने अपने एक हाथ पर आई लव साजन लिखवाया था और दूसरे हाथ पर मेहंदी से अखंड सौभाग्यवती लिखा टैटू बनवाया था। पुलिस ने साजन के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश के लिए भावनगर और आसपास के इलाकों में टीमें तैनात कर दी गई हैं। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर जांच की है। अधिकारी उसे उग्र और संभावित रूप से खतरनाक बता रहे हैं। आरोपी का शनिवार को एक पड़ोसी से भी झगड़ा हुआ था।

मेक्सिको में भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन, 120 घायल

मेयर की मौत से गुस्साए, राष्ट्रपति निवास की दीवारें गिराईं; पुलिस पर हथौड़े-लाठियों से हमला

मेक्सिको, 16 नवंबर (एजेंसियां)। मेक्सिको में शनिवार को हजारों GenZ बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार, हिंसा में मिल रही छूट, सार्वजनिक हत्या औरा सुरक्षा की कमी के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। यह गुस्सा एक मेयर की सार्वजनिक हत्या के बाद और भड़क गया। मेक्सिको के पश्चिमी राज्य मिचोआकेन में 1 नवंबर को उरुअपन के मेयर कार्लोस मंजो की एक प्रोग्राम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

गुस्साए GenZ ने राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास नेशनल पैलेस की सुरक्षा दीवारों को गिरा दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थरों, हथौड़े, पटाखों, लाठियों और जंजीरों से हमला किया। इन्हें रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी।

राजधानी के सुरक्षा सचिव पाब्लो

वाजक्वेज ने द इंडिपेंडेंट को बताया कि प्रदर्शन में 120 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 100 पुलिस अधिकारी हैं। वहीं 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस साल कई देशों में जेन जेड युवा असमानता, लोकतंत्र की गिरावट और भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं। नेपाल में सितंबर में सोशल मीडिया बैन के बाद बड़ा प्रदर्शन हुआ, जिससे प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। मेक्सिको में भी युवा भ्रष्टाचार और हिंसक अपराधों में मिल रही छूट से परेशान हैं। 29 साल के बिजनेस कंसल्टेंट एंड्रेस मासा ने कहा, हमें ज्यादा सुरक्षा चाहिए।

प्रदर्शन में सिर्फ युवा ही नहीं, बल्कि मध्यम आयु और बुजुर्ग वर्ग के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। 43 वर्षीय चिकित्सक एरिजबेथ गार्सिया ने बताया, "हम सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए ज्यादा फंडिंग चाहते हैं। लेकिन सबसे बड़ी समस्या सुरक्षा है। डॉक्टर भी असुरक्षित हैं। यहां कोई मारा जाता है और कुछ नहीं होता।"

मेक्सिको ने हाल में हुए कई हाई-प्रोफाइल हत्याकांडों ने राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम को लेकर जनता में गुस्सा भर दिया है। प्रदर्शन से कुछ दिन पहले शीनबाम ने दक्षिणपंथी विपक्षी दलों पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये दल जेन जेड आंदोलन में घुसपैठ कर रहे हैं और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके प्रदर्शन को बड़ा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

हालांकि, इस हफ्ते कुछ GenZ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने प्रदर्शन से अपना समर्थन वापस ले लिया। दूसरी ओर, पूर्व राष्ट्रपति विसेंट फॉक्स और मेक्सिको के अरबपति उद्योगपति रिकार्डो सालिनास प्लिजियो ने सोशल मीडिया पर प्रदर्शन का खुला समर्थन किया।

इजरायल की तरह हमला करो, पाकिस्तान एक महीने भी नहीं टिक पाएगा

बलूच नेता का भारत को बड़ा ऑफर, बताई मुनीर सेना की कमजोर नस

इस्लामाबाद, 16 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान एक बार फिर भारत में 1990 के दशक जैसी हिंसा की परिस्थितियां बनाने की तैयारी कर रहा है। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास बम विस्फोट मामले की जांच में एजेंसियों को पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के लिंक मिले हैं। मामले में हुई कई गिरफ्तारियों में पकड़े गए संदिग्धों के पाकिस्तानी हैंडलर्स से संपर्क की जानकारी सामने आई है। यह इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान बड़ी योजना पर काम कर रहा है। इस बीच बलूचिस्तान के रक्षा विश्लेषकों ने भारत से अब सीधी कार्रवाई की मांग की है।

बलूचिस्तान के अधिकार समूह के कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने कहा कि पाकिस्तान का आतंकवाद छोड़ने का कोई इरादा

नहीं है और कहा कि भारत को इजरायल की तरह बड़े पैमाने पर निर्णायक कार्रवाई पर विचार करना चाहिए। बलूच कार्यकर्ता ने कहा कि पाकिस्तान भारत एक महीने तक भी भारत के हमले नहीं झेल पाएगा। इसलिए भारत के लिए जरूरी है कि वह पाकिस्तान के आतंकी हमलों से शुरू हुए संघर्ष को निर्णायक रूप से खत्म करे।

मीर यार बलूच ने कहा कि भारत को बलूचिस्तान और अफगानिस्तान में आपातकालीन ठिकानों पर खुले तौर पर रक्षात्मक और सैन्य सहायता देनी चाहिए। उन्होंने भारत को अफगानिस्तान में बगराम के साथ कम से कम दस अतिरिक्त हवाई अड्डों की तलाश करने को कहा है जिससे अफगानिस्तान की जमीन से अभियान शुरू किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने अफगानिस्तान को रक्षात्मक प्रणालियां और लंबी दूरी की मिसाइलें देनी चाहिए, जिससे अफगानिस्तान पाकिस्तानी हवाई हमलों का मुकाबला कर सके।

बलूच युद्ध विशेषज्ञों का कहना है कि अगर बलूचिस्तान और अफगानिस्तान हवाई बमबारी का सामना करने लायक विमान रोधी प्रणालियां और तकनीकें हासिल कर लेते हैं तो पाकिस्तान की हार निश्चित हो जाती है। मीर यार ने दावा किया कि बलूच सेना कुछ ही हफ्तों में पाकिस्तान पर कब्जा कर सकती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि बलूच बल जल्द ही बलूचिस्तान की खनिज संपदा पर नियंत्रण हासिल कर लेंगे, जिससे पाकिस्तान को अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान होगा।

पंचायत और निकाय चुनाव को लेकर हाईकोर्ट का आदेश

सरकार को अगले 5 महीने में पूरी करनी होगी प्रक्रिया

जयपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की करीब सात हजार ग्राम पंचायतों में प्रशासक नियुक्त किए हुए हैं। सरपंचों का कार्यकाल पूरा होने के बाद राज्य सरकार ने फिर से चुनाव कराने के बजाय प्रशासकों की नियुक्ति की थी। जयपुर सहित कई स्थानीय निकायों में भी प्रशासक ही कार्य कर रहे हैं। पंचायत और निकाय चुनाव से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राजस्थान सरकार को निर्देश दिए हैं कि 15 अप्रैल 2026 तक निकाय और पंचायत चुनाव की प्रक्रिया पूरी करें।

चुनाव नहीं कराना संविधान का उल्लंघन

पूर्व विधायक संयम लोढा सहित अन्य की याचिकाओं पर हाईकोर्ट ने सुनवाई की थी। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि

पंचायत और निकायों में प्रशासक नियुक्त कर सरकार मनमानी कर रही है। संयम लोढ़ा के वकील एडवोकेट प्रेमचंद देवंदा ने कहा कि संविधान और पंचायत राज के प्रावधानों के अनुसार पंचायत का 5 साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद चुनाव को एक दिन भी स्थगित नहीं किया जा सकता है। जबकि राज्य सरकार ने 16 जनवरी 2025 को अधिसूचना जारी करके पंचायतों के चुनावों को स्थगित कर दिया। एडवोकेट देवंदा ने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 243 ई, 243 के और राजस्थान पंचायत राज अधिनियम 1994 की धारा 17 का उल्लंघन है।

इन याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सरकारी वकील की ओर से भी कई तर्क दिए गए। उनका कहना था कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय 17 नए जिलों का गठन हुआ था। मौजूदा सरकार ने 9 जिलों को निरस्त किया था। ऐसे में ग्राम पंचायतों और नियाकों के परिसीमन की सीमांकन का कार्य चल रहा है। साथ ही राज्य सरकार वन स्टेट वन इलेक्शन की तैयारी कर रही है ताकि बार बार होने वाले चुनाव के बजाय पूरे प्रदेश में एक साथ चुनाव कराए जा सकें। इन्हीं कारणों के चलते पंचायतों और निकाय चुनाव को स्थगित करके प्रशासक नियुक्त किए गए।

निर्धारित तिथि तक चुनाव होना मुश्किल

राजस्थान हाईकोर्ट ने भले ही राज्य सरकार को अप्रैल 2026 तक चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हों लेकिन ऐसा होना मुश्किल लग रहा है। हाईकोर्ट के आदेश देने के एक दिन पहले ही नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा था कि अभी परिसीमन का कार्य चल रहा है। यह कार्य पूरा होने में तीन से चार महीने लगना संभव है। हालांकि हाईकोर्ट ने 31 दिसंबर तक पूरी तैयारी करने और 15 अप्रैल तक चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। अब देखना है कि सरकार किस स्तर पर तैयारी करने का प्लान बनाती है।

पाकिस्तानी कनेक्शन वाले ड्रग तस्कर के खिलाफ एनआईए का सख्त एक्शन

जयपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। हथियार और मादक पदार्थों के कुख्यात तस्कर विशाल पचार के खिलाफ नेशनल जांच एजेंसी (एनआईए) ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। एनआईए ने जयपुर की विशेष कोर्ट में इस तस्कर के खिलाफ 500 पेज की चार्जशीट पेश की है। इस चार्जशीट में तस्करी गिरोह के मास्टरमाइंड विशाल पचार के सभी काले कारनामों का जिक्र किया गया है। तस्करी से जुड़े तमाम फोटोग्राफ सहित तमाम सबूत संलग्न किए गए ताकि इस कुख्यात तस्कर को सख्त से सख्त सजा मिल सके।

पाकिस्तान से सीधा कनेक्शन था तस्कर का

तस्कर विशाल पचार का नेटवर्क पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में फैला हुआ था। वह सीमा पार से ड्रग मंगवाता था और

अलग अलग राज्यों में सप्लाई करता था। हथियारों की खेप भी पाकिस्तान से मंगवाता था। तस्करी के लिए गिरोह के सदस्य ड्रोन का इस्तेमाल करते थे। यानी पाकिस्तानी सीमा से भारतीय सीमा में ड्रग और हथियार ड्रोन के जरिए पहुंचाए जाते थे। सप्लाई के बाद ड्रोन फिर से पाकिस्तान पहुंच जाता था। एनआईए ने तस्करी से जुड़े तमाम सबूत चार्जशीट में शामिल किए हैं। चूंकि तस्कर का सीधा संबंध पाकिस्तान से था। ऐसे में यह मामला अपने आप में संवेदनशील था।

एप के जरिए तस्करी की सौदा ताकि पकड़े ना जा सके

अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह बड़ा ही शातिर था। गिरोह के सदस्य ऐसे ऐसे तरीके उपयोग में लेते थे ताकि पुलिस या सुरक्षा एजेंसियां उनकी गतिविधियों पर नजर नहीं डाल सके। विशाल पचार किसी भी तस्कर से कभी मोबाइल पर बातचीत नहीं करता था। मोबाइल एप के जरिए वह पाकिस्तान तस्करों से सीधे संपर्क में रहता था। एप के जरिए ही पाकिस्तानी तस्करों से सौदा होता था। ऐसे में तस्करों की बातचीत कभी भी लीक नहीं होती थी।

बीएसएफ ने पकड़ी थी पूरी गैंग

तस्करी के इस कुख्यात गिरोह पर एनआईए की नजर काफी समय से थी। एनआईए ने ही बीएसएस को इस बारे में सूचनाएं दी। बाद में बीएसएफ ने सीमावर्ती इलाकों में निगरानी तेज कर दी। इसी के चलते पिछले साल बीएसएफ ने बॉर्डर इलाके विशाल पचार सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। चूंकि मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर का था। ऐसे में मामले की जांच एनआईए को सौंपी गई थी।

एके47 सहित कई आधुनिक हथियारों की तस्करी

विशाल पचार की गैंग एके 47 सहित कई अत्याधुनिक हथियारों की तस्करी करते थे। बीएसएफ ने बॉर्डर एरिया से तस्करी के जरिए आए हथियारों और मादक पदार्थों को जब्त किया था। जानकारी के मुताबिक एके 47 के साथ पिस्तौलें, हेरोइन और अन्य ड्रग भी पाकिस्तान से सप्लाई होते थे। अब एनआईए ने अहम सबूत चार्जशीट में फाइल किए हैं जिनमें ड्रोन के फुटेज, मोबाइल चैट, बैंक ट्रांजेक्शन और गवाहों के बयान शामिल है।

कांग्रेस में फूटा 'लेटर बम': कांग्रेस अध्यक्ष को पीसीसी चीफ समेत 5 लोगों के खिलाफ लिखा शिकायती पत्र लीक

चित्तौड़गढ़, 16 नवंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ में कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद को लेकर 'लेटर बम' फूट गया है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के नंबर से पार्टी के ही एक सोशल मीडिया ग्रुप पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखा गया यह पत्र लीक हो गया। ग्रुप से जुड़े कुछ लोगों ने इस पत्र के स्क्रीन शॉट ले लिए और वीडियो भी तैयार कर ली। जिसमें चित्तौड़गढ़ के एक वरिष्ठ नेता के नंबर से यह पत्र डालना बताया जा रहा है। कांग्रेस के इस ग्रुप से जुड़े कुछ लोगों की ओर से वरिष्ठ नेता के नंबर से ग्रुप में पत्र आते ही स्क्रीन शॉट ले लिए गए। यह पत्र लीक होते ही जिले में गुटों में बंटी कांग्रेस में भूचाल आ गया है। हालांकि राजस्थान पत्रिका इस पत्र की पुष्टि नहीं करता।

पत्र में ये लिखा

पत्र में लिखा है कि अक्टूबर 2025 में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने राजस्थान राज्य में पार्टी की वैचारिक मजबूती और संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संगठन सृजन अभियान शुरू किया। इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न पर्यवेक्षक विभिन्न जिलों में भेजे गए। ताकि कार्यकर्ताओं व नेताओं का मनोभाव जाना जा सके और जिला अध्यक्ष पद के लिए उपयुक्त उमीदवारों का चयन किया जा सके। यह वाकई एक क्रांतिकारी कदम है। चित्तौड़गढ़ जिला अध्यक्ष पद के लिए केन्द्रीय पर्यवेक्षक सुभाषिनी यादव तथा प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों ने सभी ब्लॉकों का दौरा किया, कार्यकर्ताओं से विचार-विमर्श किया तथा इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन मांगे।

वर्तमान में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक सदस्य ने भी इस पद के लिए अपना आवेदन प्रस्तुत किया। जैसे ही यह जानकारी पार्टी कार्यकर्ताओं तक पहुंची, चारों तरफ भारी रोष और असंतोष व्याप्त हो गया। पार्टी का एक निष्ठावान एवं जिमेदार सिपाही होने के नाते मैं इसे अपना नैतिक दायित्व समझता हूं कि इस विषय को आपके संज्ञान में लाऊं। पत्र में आवेदनकर्ता पीसीसी सदस्य पर कई आपराधिक मुकदमें दर्ज होने सहित कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पत्र में लिखा है कि इन बातों की सत्यता प्रदेश कांग्रेस द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों के समक्ष ब्लॉक, मंडल एवं ग्राम पंचायत स्तर पर हुई बैठकों में साधारण कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने खुलकर व्यक्त की।

ग्रुप से हटाने से पहले बन गए स्क्रीन शॉट

पत्र में लिखा है कि गोविंद सिंह डोटासरा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद इस पीसीसी सदस्य ने ललित बोरीवाल के साथ मिलकर अपने व्यापारिक संबंधों व धन-बल का उपयोग करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्यों एवं डोटासरा के निकटवर्ती लोगों को प्रभावित करने का प्रयास किया। इन्होंने अपनी महत्वाकांक्षाओं के लिए आर्थिक प्रलोभन, चार पहिया वाहन एवं अन्य सुविधाएं ऑफर की, जो पूरी तरह अनैतिक था।

पत्र में प्रदेशाध्यक्ष के एक निजी सचिव, पीसीसी महासचिव और संगठन मंत्री के नाम का उल्लेख करते हुए इन पर आर्थिक पैकेज और चार पहिया वाहन लेने का आरोप लगाया गया है। साथ ही इन तीनों को प्रदेश के मुखिया के आंख, कान और नाक माने जाना बताया है। खास बात यह है कि चित्तौड़गढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता के नंबर से जो पत्र पार्टी के ही जिस सोशल मीडिया ग्रुप में डाला गया, उस पत्र में किसी के भी हस्ताक्षर नहीं है। पत्र अंग्रेजी में लिखा गया है। बाद में इसे हटा दिया गया।

दो गुटों में बंटी पार्टी

गौरतलब है कि चित्तौड़गढ़ जिले में भी कांग्रेस गुटों में बंटी हुई है और यह सभी गुट पार्टी के ही किसी न किसी बड़े नेताओं से जुड़े हुए हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए पैनल तैयार करने के लिए जब पर्यवेक्षक चित्तौड़गढ़ आए थे, तब गुटबाजी पर्यवेक्षकों के सामने आ गई थी। पूर्व विधायक सुरेन्द्रसिंह जाड़ावत ने वर्तमान जिलाध्यक्ष भैरूलाल चौधरी को एक बार फिर जिलाध्यक्ष बनाने की पैरवी की थी।

जबकि कई कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना, पीसीसी सदस्य प्रमोदसिंह सिसोदिया, महिला जिलाध्यक्ष नीतू कंवर भाटी, बद्रीलाल जाट जगपुरा आदि को जिलाध्यक्ष बनाने की पैरवी की थी। जबकि पूर्व विधायक राजेन्द्रसिंह बिधूड़ी ने दलित और आदिवासी वर्ग से किसी को जिलाध्यक्ष बनाने की पैरवी की थी। अब जब जिलाध्यक्ष को लेकर घोषणा होने में कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे समय में फूटा 'यह लेटर बम' पार्टी में चर्चा का विषय बना हुआ है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बाड़मेर कलक्टर टीना डाबी को देंगी 2 करोड़ रुपए का पुरस्कार

बाड़मेर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। वर्षा जल संग्रहण और जन भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बाड़मेर जिले को जल संचय जन भागीदारी पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान 18 नवंबर 2025 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिया जाएगा।

बाड़मेर जिले को पुरस्कार स्वरूप दो करोड़ रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। जिले की ओर से यह सम्मान जिला कलक्टर टीना डाबी ग्रहण करेंगी। जिला कलक्टर टीना डाबी ने बताया कि 'कैच द रेन' अभियान के तहत जिले में वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर टांका निर्माण कराया गया। इस पहल से ग्रामीणों को 3-4 माह तक मीठा पानी उपलब्ध हो रहा है, जबकि पहले बारिश का अधिकांश पानी बह जाता था। समुदाय-संचालित इस मॉडल ने जिले को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम श्रेणी में स्थान दिलाया है।

वर्षा जल संचयन संरचनाएं विकसित की गईं

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत जिले में भवनों की छतों पर वर्षा जल संचयन संरचनाएं विकसित की गईं। इस साथ ही झीलों, तालाबों और बावड़ियों का पुनरुद्धार भी किया गया। जल शक्ति अभियान के अंतर्गत राज्यों को पांच क्षेत्रों में विभाजित कर कम से कम 10,000 कृत्रिम पुनर्भरण और जल भंडारण संरचनाएं बनाने के लक्ष्य दिए गए हैं।

शहरी क्षेत्रों में यह कार्य आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय के संयुक्त प्रयासों से गति पकड़ रहा है। इस वर्ष प्रथम जल संचय जन भागीदारी सम्मान के अंतर्गत कुल 100 पुरस्कार घोषित किए गए हैं, जिनमें तीन राज्य, 67 जिले, छह नगर निगम, एक शहरी स्थानीय निकाय, दो मंत्रालय/विभाग, दो उद्योग, तीन गैर सरकारी संगठन, दो परोपकारी संस्थाएं और 14 नोडल अधिकारी शामिल हैं। पुरस्कारों का चयन पोर्टल पर अपलोड किए गए सत्यापित आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

बॉक्सिंग वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी कोटा की बेटी अरुंधति चौधरी

कोटा, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी धाक जमा चुकी कोटा की युवा बॉक्सर अरुंधति चौधरी एक बार फिर देश का नाम रोशन करने जा रही हैं। यूथ बॉक्सिंग में विश्व चैम्पियन का खिताब अपने नाम करने वाली अरुंधति अब तक सात बार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।

15 से 21 नवंबर तक दिल्ली एनसीआर के ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले बॉक्सिंग वर्ल्ड कप में अरुंधति 70 किलोग्राम भार वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। अरुंधति का चयन भारतीय बॉक्सिंग की 22 सदस्यीय टीम में हुआ है, जिसमें 10 महिला और 12 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं।

अरुंधति के कोच अशोक गौतम ने बताया कि वह इस प्रतियोगिता में सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (आर्मी) की ओर से भाग लेंगी। अपनी लगातार मेहनत, फिटनेस और तकनीकी कौशल के कारण अरुंधति ने हर बड़े टूर्नामेंट में खुद को साबित किया है। इस बार भी उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है। टीम की रिपोर्टिंग शुरू हो चुकी है और अरुंधति ने भी रिपोर्ट कर दिया है। इस बार टीम में अधिकांश खिलाड़ी ओलंपियन हैं।

लापता भाई का हमशक्ल ढूंढा, दोस्ती गांठी, फिर कर दी हत्या

60 लाख का बीमा हड़पने के लिए अपराध

अलवर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अलवर जिले में 60 लाख रुपये की बीमा राशि हड़पने के लिए एक युवक की हत्या के मामले में अदालत ने मुख्य आरोपी अनिल खत्री को आजीवन कारावास और 20 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला उस सनसनीखेज षड्यंत्र के उजागर होने के बाद आया है, जिसमें अनिल और उसके साथियों ने एक निर्दोष युवक की हत्या कर उसे अनिल के लापता भाई सुनील के रूप में पेश करने की कोशिश की थी। अदालत ने स्पष्ट टिप्पणी की कि योजनाबद्ध और उद्देश्यपूर्ण हत्या के मामलों में किसी तरह की रियायत नहीं दी जा सकती।

लापता भाई को मृत सिद्ध कर बीमा राशि लेने की साजिश

सरकारी वकील नवनीत तिवारी के अनुसार, अलापुर

निवासी अनिल का भाई सुनील लंबे समय से लापता था। अनिल ने सुनील की एलआईसी पॉलिसी के 60 लाख रुपये प्राप्त करने की नीयत से उसे मृत दिखाने की साजिश रची। इसके लिए उसने पवन और याकूब के साथ मिलकर ऐसा व्यक्ति खोजा, जिसकी शारीरिक बनावट सुनील से मेल खाती हो।

24 वर्षीय रामकेश को निशाना बनाकर की हत्या

इसी योजना के तहत आरोपियों ने सालपुर निवासी 24 वर्षीय रामकेश को चुना, जो अलवर के महावीर ढाबे पर काम करता था। पहले उससे दोस्ती की गई, फिर 30 सितंबर को उसे नए कपड़े और जूते दिलाए गए। इसके बाद उसे बोलेरो में बैठाकर शराब पिलाई गई और योजनाबद्ध तरीके से उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद रामकेश की जेब में सुनील खत्री का वोटर आईडी कार्ड डालकर उसे सुनील साबित करने की कोशिश की गई, ताकि बीमा राशि को क्लेम किया जा सके।

पुलिस को शुरू में गुमराह किया गया, बाद में सच आया सामने

प्रारंभिक तौर पर पुलिस ने शव को सुनील मानते हुए पंचनामा शुरू कर दिया था, लेकिन परिस्थितियों के संदिग्ध लगने पर जांच का दायरा बढ़ाया गया। इसी दौरान पुलिस ने अनिल और पवन को हिरासत में लिया। पूछताछ में अनिल ने अपराध की पूरी कहानी कबूल कर ली, जिसके बाद मामला स्पष्ट हुआ।

सह-आरोपियों को पहले ही सजा, अब मास्टरमाइंड पर गिरी गाज

दो दिन पहले पवन और याकूब को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी थी। शुक्रवार को अनिल स्वयं अदालत पहुंचा, जहां अदालत ने उसे भी दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई। सरकारी वकील नवनीत तिवारी ने कहा कि यह फैसला उद्देश्यपूर्वक रची गई हत्या के खिलाफ सख्त संदेश देता है।

महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में लगातार तेल चोरी और घुसपैठ की घटनाओं के बाद

सेना को मिली फायरिंग की छूट

बीकानेर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। महाजन। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में कई दिनों से तेल चोरी और घुसपैठ करने के लगातार प्रयास होने के बाद सैन्य अधिकारियों ने अब सख्त कार्रवाई का निर्णय लिया है। इसके तहत रेंज क्षेत्र में रात के समय घुसने वालों पर अब ड्यूटी पर तैनात संतरी को हथियार का उपयोग करने की छूट दी गई है। सैन्य अधिकारियों ने आसपास की ग्राम पंचायतों व पुलिस थानों को भी इसकी लिखित में सूचना दी है।

सैन्य सूत्रों के अनुसार रेंज एरिया में पिछले कई दिनों से बड़ी तादाद में बाहरी लोग रात के समय पिकअप आदि लेकर चोरी छिपे घुसते हैं और वाहनों से पेट्रोल-डीजल की चोरी करते है। बड़ी मात्रा में तेल चोरी सामने आने पर सेना के जवान व अधिकारी परेशान हैं।

सैन्य अधिकारियों की समीक्षा बैठक में इस मामले पर विचार के बाद निर्णय लिया गया कि रात्रि ड्यूटी पर हथियारबंद संतरी तैनात रहेंगे। रात में कोई रेंज एरिया में घुसेगा तो उसे पहले ललकारा जाएगा। इसके बाद भागने की कोशिश करने पर संतरी को फायर करने की छूट रहेगी।

मामूली कहासुनी के बाद चचेरे भाई ने काट दी गर्दन

युवक की मौके पर मौत; तनाव के बीच पुलिस तैनात

अजमेर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अजमेर जिले के किशनगढ़ के बांदरसिंदरी क्षेत्र में हादसा हुआ जिसने पूरे गांव को दहशत और सदमे में डाल दिया। एक मामूली कहासुनी से शुरू हुआ पारिवारिक विवाद इतना भड़क गया कि दो चचेरे भाइयों के बीच चल रहा तनाव आखिरकार खूनी रूप ले बैठा। आरोप है कि इसी आवेश में आकर एक युवक ने अपने ही चचेरे भाई की गर्दन पर धारदार हथियार से वार कर दिया, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान 25 वर्षीय राजपाल मीणा पुत्र भागचंद मीणा निवासी बांदरसिंदरी के रूप में हुई है। राजपाल खेती-किसानी करता था और अपने परिवार का मुख्य सहारा था। बताया जा रहा है कि काफी समय से राजपाल और उसके चचेरे भाइयों के बीच जमीन और पारिवारिक विवाद चला आ रहा था। यह विवाद सिर्फ भाइयों तक सीमित नहीं था, बल्कि दोनों पक्षों की महिलाएं 'जो आपस में बहनें हैं' भी इसी तनाव का हिस्सा थीं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि घर के भीतर ही दोनों भाइयों के बीच चर्चा तीखी तकरार में बदल गई। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी रामअवतार मीणा, जो मृतक का चचेरा भाई है, आपा खो बैठा और रसोई से धारदार हथियार लेकर राजपाल पर हमला कर दिया। हमले में सबसे घातक वार राजपाल की गर्दन पर किया गया, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा।

चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और परिवार के सदस्य दौड़े, लेकिन तब तक स्थिति नियंत्रण से बाहर हो चुकी थी। परिजनों ने तुरंत किशनगढ़ के राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल में पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद राजपाल को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दयाराम चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

घर के बाहर खेल रहा था 3 साल का मासूम

कार ने कुचला, मौके पर ही मौत

जोधपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। जोधपुर के कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र स्थित केके कॉलोनी में रविवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मकान के बाहर खेल रहे तीन साल के मासूम को एक लापरवाह एसयूवी चालक ने कुचल दिया, जिससे बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार बालक घर के बाहर गली में खेल रहा था। इसी दौरान पास की ही गली से लापरवाही से आ रही एसयूवी सीधे बच्चे के ऊपर चढ़ गई। हादसा इतना भयावह था कि बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही दम तोड़ दिया। आसपास के लोग जब तक कुछ समझ पाते, चालक फरार हो गया।

पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें एसयूवी चालक की लापरवाही साफ दिखाई देती है। फुटेज सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। सूचना मिलते ही कुड़ी भगतासनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर वाहन व चालक की पहचान के प्रयास तेज कर दिए हैं। मासूम की मौत से परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है और कॉलोनी में शोक का माहौल है।

भीषण हादसा: रामदेवरा दर्शन कर लौट रहे 6 श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत, टैंपो के उड़े परखच्चे

जोधपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर जिले में रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, 13 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों का जोधपुर के मथुरा दास माथुर अस्पताल में उपचार जारी है। हादसा जोधपुर-जैसलमेर नेशनल हाईवे-125 पर बालेसर के पास खारी बेरी गांव में रविवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे हुआ।

पुलिस के मुताबिक हादसा उस वक्त हुआ जब गुजरात के साबरकांठा निवासी लोग रामदेवरा दर्शन करके वापस लौट रहे थे।

बालेसर के पास खारी बेरी गांव में नेशनल हाईवे-125 पर सवारियों से भरे टैंपो और ट्रक में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में 3 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

16 घायलों को जोधपुर रेफर किया गया। जिनमें से तीन लोगों की उपचार के दौरान मौत हो गई। बाकी घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। जिनमें से कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

टैंपो के उड़े परखच्चे

हादसा इतना जबरदस्त था कि टैंपो के परखच्चे उड़ गए। ट्रक की टक्कर से टैंपो का आगे का हिस्सा बुरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे के बाद ट्रक भी हाईवे पर पलट गया और ट्रक में भरी बोरियां सड़क पर फैल गई।

सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता– रचनाओं को मिली शानदार प्रतिक्रिया

मंत्री जुपल्ली ने आगे की गतिविधियों की समीक्षा की

चयन प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी, आदेशों को पारदर्शी बनाया जाएगा

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और लोगों में बदलाव लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा 'प्रभात भेरी' नाम से शुरू की गई अभिनव पहल को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। सामाजिक कुरीतियों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा हाल ही में कवियों, लेखकों और कलाकारों से अनुरोधित कहानियों, कविताओं, गीतों और रचनात्मक रचनाओं को राज्य भर में उल्लेखनीय प्रतिक्रिया मिली है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने रविवार को बेगमपेट स्थित पर्यटन प्लाजा में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस कार्यक्रम की प्रगति, प्राप्त प्रविष्टियों के स्तर और अगले कदमों की समीक्षा के लिए एक समीक्षा बैठक की।अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि राज्य भर से कवियों, लेखकों और कलाकारों की सैकड़ों रचनाएं भेजी गई हैं। उन्होंने कहा कि कहानियों, कविताओं, गीतों, लघु कथाओं और लोक कथाओं से संबंधित कई रचनाएं प्राप्त हुई हैं। मंत्री जुपल्ली ने इस रचनात्मक प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त की। कवियों और कलाकारों में जनचेतना जागृत करने की शक्ति होती है। मंत्री जुपल्ली ने अधिकारियों को प्राप्त रचनाओं में से सर्वश्रेष्ठ, प्रभावी और संदेशपरक रचनाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और शीघ्रता से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संक्रांति तक इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि चयनित रचनाओं को विशिष्ट और विविध कला रूपों में व्यापक रूप से लोगों तक पहुंचाने के लिए एक और कार्यक्रम तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने समाज की सेवा करने वाले प्रत्येक लेखक और कलाकार को सम्मानित करने के लिए पहले ही कदम उठा लिए हैं।

किसान की करंट लगने से मौत

राजन्ना–सिरसिला, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुस्तबाद मंडल के अवुनूर में 52 वर्षीय किसान बद्दी जयसिम्हा रेड्डी की शुक्रवार शाम अपने कृषि क्षेत्र में करंट लगने से मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, अपना काम समाप्त करने के बाद वह पंप–सेट के पास पैर धो रहे थे। इसी दौरान उनका पैर उस विद्युत तार पर पड़ गया, जो स्टार्टर से पंप–सेट को बिजली पहुंचा रहा था। तार का इंसुलेशन क्षतिग्रस्त होने के कारण उन्हें तीव्र बिजली का झटका लगा और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। अन्य किसानों ने तुरंत उनके परिवार को सूचना दी और पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जयसिम्हा रेड्डी अपने पीछे पत्नी रत्नम्मा और पुत्र बनुचंदर रेड्डी को छोड़ गए हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है PUB/1447

कैटरिंग स्टॉल्स के प्रदान हेतु ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे -दमरे द्वारा निम्नलिखित स्टेशनों पर कैटरिंग स्टॉल्स के संविदाओं (ठेका) अर्थात् सामान्य छोटे इकाईयों (जनरल मायनर युनिट्स)(जीएमयु) के प्रदान हेतु दो पैकेट टेंडरिंग सिस्टम में ई-टेंडरिंग वेबसाइटः www.ireps.gov.in के माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.	स्टेशन का नाम (सीएटीजी.) एवं स्थान	कैटरिंग स्टॉल का प्रकारः	युनिट या इकाई संख्याः	तत्संबंधित हेतु इकाई आवंटित
1	काचीगुडा (ए1) -पी.एफ. नं. 2/3	टी स्टॉल	जीएमयु-011	जीएमयु
2	काचीगुडा (ए1) -पी.एफ. नं. 2/3	फ्रूट जूस स्टॉल	जीएमयु-013	जीएमयु
3	काचीगुडा (ए1) -पी.एफ. नं. 2/3	टी स्टॉल	जीएमयु-014	जीएमयु
4	काचीगुडा (ए1) -पी.एफ. नं. 4/5	टी स्टॉल	जीएमयु-017	जीएमयु
5	निजामाबाद (ए) -पी.एफ.1	टी स्टॉल	जीएमयु-007	जीएमयु -- महिला
6	निजामाबाद (ए) -पी.एफ.2/3	टी स्टॉल	जीएमयु-011	जीएमयु -- महिला
7	निजामाबाद (ए) -पी.एफ.2/3	टी स्टॉल	जीएमयु-008	जीएमयु - महिला
8	निजामाबाद (ए) -पी.एफ.2/3	टी स्टॉल	जीएमयु-009	जीएमयु
9	कर्नूल सिटी (ए) -पी.एफ. नं.1	फ्रूट जूस स्टॉल	जीएमयु-004	जीएमयु
10	कर्नूल सिटी (ए) -पी.एफ. नं. 2/3	टी स्टॉल	जीएमयु-006	जीएमयु
11	कर्नूल सिटी (ए) -पी.एफ. नं. 2/3	टी स्टॉल	जीएमयु-007	जीएमयु
12	महबूबनगर (बी) -पी.एफ. नं. 2/3	टी स्टॉल	जीएमयु-008	जीएमयु
13	बासर (बी)-पी.एफ. नं.1	टी स्टॉल	जीएमयु-001	जीएमयु - महिला
14	बासर (बी)-पी.एफ. नं.1	टी स्टॉल	जीएमयु-003	जीएमयु - महिला
15	कामारेड्डी (बी)-पी.एफ. नं. 2/3	टी स्टॉल	जीएमयु-002	जीएमयु

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 05-12-2025 के 15.00 बजे

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

A1841

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है PUB/1448

ई-नीलामी सूचनाः एनइडी डिवीजन/दमरे/ई-नीलामी/2025, दि.13-11-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे -दमरे, नांदेड डिवीजन द्वारा नांदेड डिवीजन के विभिन्न स्थानों पर एसएलआर/वीपीयु, पे एण्ड यूज टायलेट्स या शौचालय, विज्ञापन, विविध-स्थैतिक-सेवाएं, एटीएम एवं पार्किंग कांट्रैक्ट्स या ठेकों को लीज पर देने के लिए 18 वर्ष से अधिक आयु के भारतीय नागरिकों/फर्मों से ई-नीलामी आमंत्रित हैं, जिसे https://www.ireps.gov.in/website पर अधिसूचित किया गया है। जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

क्रम संख्याः 1 सूची संख्याः एनइडी-एडीवीटी-31-एनइडी, नीलामी तिथिः 27-11-25, नीलामी शुरु समयः13.00 बजे, नीलामी बंद समयः16.00 बजे, टिप्पणियां/विवरणः 3 वर्ष की अवधि के लिए ओओएच होर्डिंग्स के माध्यम से विज्ञापन-- रेलवे हास्पीटल से रेलवे कालोनी एनइडी स्टेशन, एनइडी, एमयुइ की तरफ, एन्ट्री गेट (आरपीएफ आफिस) से बस स्टैंड एनइडी स्टेशन के पास, पीबीएन, जे, सीपीएसएन, डीओसी एनइडी संघवी कार्नर से एमएसइबी आफिस, एएसएल तथा फ्लाई ओवर ब्रिज एवं ओआरएच के पास रोड साइड से सीपीएसएन स्टेशन के पास तत्संबंधित विज्ञापन व्यवस्था।

ओओएच होर्डिंग्स के माध्यम से विज्ञापन-5 वर्ष की अवधि के लिए एग्जीट गेट वाल वानी व युएमएम साइड की तरफ तथा एडीबी स्टेशन एण्ड एडीबी के पास ईन एण्ड आउट गेट साइड वाल पर तत्संबंधित विज्ञापन व्यवस्था।

आरडीएन होर्डिंग्स के माध्यम से विज्ञापन-3 वर्ष की अवधि के लिए सीपीएसएन, एनएसएल, पीबीएन एण्ड जे पर तत्संबंधित विज्ञापन व्यवस्था।

क्रम संख्याः 2 सूची संख्याः एनइडी-एटीएम-09-एनइडी, नीलामी तिथिः 27-11-25, नीलामी शुरु समयः11.15 बजे, नीलामी बंद समयः13.25 बजे, टिप्पणियां/विवरणः 5 वर्ष की अवधि के लिए मुदखेड, नांदेड (डिवीजनल रेलवे आफिस काम्प्लेक्स), नांदेड पीएफ-01, एन्ट्रेस के पास (एटीएम-02), नांदेड पीएफ-04 एटीएम -01 के बाजू, नागरसोल, पूर्णा, पारतूर, सेलु, किनवट, अदिलाबाद व गंगाखेड पर तत्संबंधित एटीएम कान्ट्रैक्ट या ठेका।

क्रम संख्याः 3 सूची संख्याः एनइडी-पार्क.-31-एनइडी, नीलामी तिथिः 27-11-25, नीलामी शुरु समयः12.00 बजे, नीलामी बंद समयः13.30 बजे, टिप्पणियां/विवरणः 3 वर्ष की अवधि के लिए सहस्रकुंड, भोकर, रोटेगांव, लासूर, बसमत, पूर्णा व अकोट पर पार्किंग कांट्रैक्ट या ठेका।

क्रम संख्याः 4 सूची संख्याः एनइडी-पीएनयु.-32-एनइडी, नीलामी तिथिः 28-11-25, नीलामी शुरु समयः12.00 बजे, नीलामी बंद समयः13.30 बजे, टिप्पणियां/विवरणः 3 वर्ष की अवधि के लिए रोटेगांव, नागरसोल, हिंगोली, जालना, परतूर, बसमत व गंगाखेड पर पे एण्ड यूज टायलेट्स या शौचालयों के लिए ठेका।

क्रम संख्याः 5 सूची संख्याः एनइडी-पार्सल.-43-एनइडी, नीलामी तिथिः 27-11-25, नीलामी शुरु समयः10.00 बजे, नीलामी बंद समयः17.00 बजे, टिप्पणियां/विवरणः 3 वर्ष की अवधि के लिए ट्रैन नंबर्स 17618/एफ1, 17664/आर1, 17618/आर1, 16004/एफ1, 20810/एफ1, 1%662/एफ1, 17664/एफ1, 17664/एफ2, 17630/एफ1, 17409/एफ1, 12753/एफ1, 17662/एफ2, 17662/आर1, 17611/एफ2, 17648/एफ2, 17410/एफ1, 17409/एफ2, 12421/एफ1, 12788/एफ2, 17611/एफ1, 17611/आर1, 17614/एफ1, 17406/एफ2, 17410/एफ2, 17410/आर1, 14621/एफ1, 20810/एफ2, 12788/आर1, 17618/एफ2, 12072/एफ1, 17406/एफ1, 22723/एफ1, 12767/एफ1, 17232/एफ1, 17232/एफ2, 17648/एफ1, 17232/आर1, 20812/एफ1, 12788/एफ1 पर पार्सल एसएलआर लीजींग तथा ट्रेन नं.12715 में वीपी कार्य।

क्रम संख्याः 6 सूची संख्याः एनइडी-एमआएससी-स्थैतिक, नीलामी तिथिः 27-11-25, नीलामी शुरु समयः11.00 बजे, नीलामी बंद समयः18.00 बजे, टिप्पणियां/विवरणः 1. पांच वर्ष की अवधि के लिए एनइडी पर बैटरी से संचालित कारें। 2. पांच वर्ष की अवधि के लिए नांदेड डिवीजन के विविध स्थानों पर वाटर वेन्डिंग मशीन।

नीलामी तिथिः 28-11-25, नीलामी शुरू समयः 10.00 बजे, नीलामी बंद समयः 12.00 बजे, टिप्पणियां/विवरणः 1. तीन वर्ष की अवधि के लिए जे, एनएसएल, एनइडी, एडीबी, पीबीएन एण्ड पीएयु पर मोबाइल एण्ड एस्सेसोरिज कियोस्क्स व्यवस्था। 2. तीन वर्ष की अवधि के लिए सीपीएसएन, एडीबी, जे एण्ड पीबीएन पर किराना या ग्रोसरी, फोटोकापीयर कियोस्क्स व्यवस्था।

नीलामी तिथिः 29-11-25, नीलामी शुरू समयः 10.00 बजे, नीलामी बंद समयः 11.20 बजे, टिप्पणियां/विवरणः 1. पांच वर्ष की अवधि के लिए सीपीएसएन पर बैटरी से संचालित कारें। 2. तीन वर्ष की अवधि के लिए एनइडी, पीएयु, एचएनएल, एमयुइ एण्ड डब्ल्यूएच पर किराना या ग्रोसरी, फोटोकापीयर कियोस्क्स व्यवस्था।

इच्छुक पार्टीज तथा ठेकेदार इस बात पर ध्यान दें कि, अधिक जानकारी तथा ई-नीलामी सूचना के बारे में संबंधित विवरण हेतु उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं।

अधिक जानकारी हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी से वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक का कार्यालय, नांदेड डिवीजन, नांदेड-431605 पर किसी भी कार्य दिनों में समय 10.00 से 17.00 बजे तक संपर्क करें।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, नांदेड

A1842

एच-1बी वीजा बदलाव केवल अस्थायी झटका : नायुडू

भारतीय तकनीकी पेशेवरों की मांग वैश्विक स्तर पर बनी हुई है

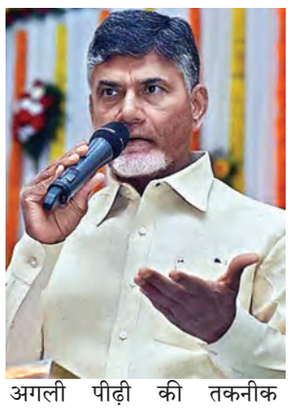

विशाखापट्टनम, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने कहा कि अमेरिका में हाल ही में एच-1बी वीजा नियमों में कड़े बदलाव केवल एक अस्थायी झटका हैं और भारतीय तकनीकी पेशेवरों को मिलने वाला लागत लाभ उन्हें आगे बढ़ने में मदद करेगा। नायुडू ने बताया कि भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ उच्च कौशल और लागत प्रभावशीलता का संतुलन पेश करते हैं, जिससे उनकी मांग दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार बनी हुई है। अमेरिका में एच-1बी वीजा का सबसे बड़ा हिस्सा आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के पेशेवरों के पास है।

हाल ही में अमेरिका ने नई वीजा याचिकाओं पर 1 लाख अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगाया था, लेकिन अब उन्होंने इस नीति में नरमी दिखाई है और स्वीकार किया है कि अमेरिका को विदेशी प्रतिभाओं की आवश्यकता है।

नायुडू ने कहा, भारतीयों पर कोई भी प्रतिबंध उनकी प्रगति को नहीं रोक सकता। यह एक अस्थायी झटका है। कुछ लोगों को नुकसान होगा, लेकिन हमें उनके लाभ को अपनाना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जैसे-जैसे भारत 4जी, उपग्रह, ड्रोन, एआई और क्वांटम कम्प्यूटिंग जैसी अगली पीढ़ी की तकनीक अपनाएगा, नए अवसर उत्पन्न होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका के अलावा कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, यूरोप और मध्य पूर्व के देश सॉफ्टवेयर विकास, एआई, साइबर सुरक्षा और क्लाउड तकनीक में कुशल भारतीय पेशेवरों की सक्रिय रूप से तलाश कर रहे हैं।

विश्लेषकों के अनुसार, कई कंपनियां भारत की प्रतिभा और आर्थिक दक्षता का लाभ उठाने के लिए दूरस्थ भूमिकाओं या देश में विस्तारित इंजीनियरिंग केंद्रों के माध्यम से अपने भर्ती ढांचे में बदलाव कर रही हैं। उद्योग निकायों का कहना है कि वैश्विक डिजिटल परिवर्तन चक्र से भारतीय तकनीकी पेशेवरों की मांग लगातार बनी रहेगी, और अल्पकालिक वीजा नीति बदलाव उनके लिए दीर्घकालिक अवसरों में बाधा नहीं डालेंगे।

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और अन्य शीर्ष अधिकारी वैश्विक शिखर सम्मेलन के लिए स्थल को अंतिम रूप देने के लिए एचआईसीसी का निरीक्षण करते हुए।

हैदराबाद में बाल नेत्र देखभाल जागरूकता सप्ताह का समापन

केबीआर पार्क में 600 बच्चों और अभिभावकों ने निकट दृष्टि दोष पर जागरूकता पदयात्रा में भाग लिया

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एल.वी. प्रसाद नेत्र संस्थान (एलवीपीईआई) द्वारा आयोजित मायोपिया पर बाल नेत्र देखभाल जागरूकता सप्ताह का समापन रविवार को केबीआर पार्क में जागरूकता पदयात्रा के साथ हुआ। इस पदयात्रा में लगभग 600 बच्चों और अभिभावकों ने भाग लिया। पदयात्रा में बच्चों और अभिभावकों ने पोस्टर उठाए थे, जिनमें बाहर खेलने और धूप में रहने की सलाह दी गई थी ताकि निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) की शुरूआत को रोकने या धीमा करने में मदद मिल सके।

जागरूकता फैलाने के लिए एलवीपीईआई ने स्कूली बच्चों और कर्मचारियों के बच्चों के लिए चित्रकला और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताएं भी आयोजित कीं। हिल मेन हाई स्कूल, बंजारा हिल्स, एनटीआर मॉडल स्कूल, गांडीपेट और विज्ञान ज्योति पब्लिक स्कूल, मधुरा नगर के छात्र भी इस वॉक में शामिल हुए। मायोपिया शोधकर्ता डॉ. पवन वर्किचारला ने बताया कि स्क्रीन के सामने कम समय बिताना, धूप में बाहर खेलना, पर्याप्त रोशनी में पढ़ना और किताबों को सही कोण पर पकड़ना कुछ तरीके हैं, जिनसे मायोपिया की शुरूआत को धीमा किया जा सकता है। एलवीपीईआई के चाइल्ड साइट इंस्टीट्यूट के प्रमुख डॉ. रमेश केकुन्नया और अन्य वरिष्ठ डॉक्टर भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह चिराग अली लेन स्थित होटल रायलटॉन में संपन्न हुआ।

अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वार्षिक स्नेह मिलन कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा श्री अग्रसेन व बदरी विशाल पित्ती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। अवसर पर पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक तथा अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता शरद बी.पित्ती ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि समय समय पर सेवा कार्यक्रम किये जाते हैं। इसके अंतर्गत विधवा को मासिक पेंशन,अनाथालय, वृद्धाश्रम एवं सरकारी स्कूलों में आवश्यक संसाधनों की सेवा देना सरकारी स्कूलों में आवश्यकतानुसार टायलेट बनाना।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष सरकारी स्कूलों, अनाथालय एवं वृद्धाश्रम में सेवा में 25 लाख रुपये से अधिक का खर्च 26 संस्थानों में किया गया और अब तक ट्रस्ट ने 1.5 करोड रुपये की सहायता दी है। शरद बी.पित्ती ने बताया कि बत्तिनी गौड़ द्वारा दमा रोग के निवारण के लिए दिये जाने वाले मछली प्रसादम के दौरान मेगा कैंप 5 दिनों का लगाकर 75000 से अधिक लोगों को निशुल्क नाश्ता दोपहर का भोजन रात्रि भोजन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा निशुल्क मेगा, चिकित्सा शिविर शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जाता है जिसमें नेत्र जांच, दंत जांच, हृदय रोग, अस्थि रोग, स्त्री रोग, फिजियोथेरेपी, जनरल फिजिशियन, ईसीजी 2डी ईको, बीएमडी , ईएनटी, आरबीएस व रक्तचाप की जांच कर निशुल्क दवाई एवं चश्में दिये जाते हैं इनमें मेडिकवर अस्पताल, किम्स सनशाइन अस्पताल, रैनबो चिल्ड्रन अस्पताल, नेत्र जांच के लिए एलसीएस डूंडू आई इंस्टीट्यूट, एलसीएच साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा, शिविर में सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल्स क्लिनिक, डॉ.अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी एवं दंत की सेवा एसएनआर डेंटल के डॉ.एस. तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ.एस. निखिल द्वारा प्रदान की गई।

शरद बी.पित्ती ने कहा कि ट्रस्ट के बड़े प्रोजेक्ट के अंतर्गत मेधावी छात्रों व जरूरतमंद को जिन्होंने 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किये हैं उनको छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर को दी जाती है हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 650 से अधिक विद्यार्थियों को औसतन 70 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान किये गये।

अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजीत गुप्ता ने कहा कि मेडिकल कैम्प की सेवा अग्रवाल सेवा दल की स्थापना 2015 में की गई लेकिन सेवा यात्रा 2004 से किसी और नाम से की गई। वर्ष 2015 से अग्रवाल सेवा दल में 11 सदस्यों का समूह है सेवा दल का संविधान है सेवा, पद है तो सेवा कार्य है तो सेवा।

अवसर पर अग्रवाल सेवा दल के उर्मिला अग्रवाल, विनय सी.अग्रवाल, कैलाशचंद केडिया, अजीत गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, दीपक गुप्ता, निखिल राणासरिया सहित अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, मंत्री विकास केशान, निवर्तमान अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, अंजनी कुमार अग्रवाल, सुरेश सिंघल, नरेश चौधरी, दुर्गाप्रसाद नरेठा, अग्रसेन बैंक के चेयरमैन प्रमोद केडिया, वरिष्ठ वाइस चेयरमैन सीए नवीन कुमार अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सुरेश कुमार अग्रवाल, सहित गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, किशोर छाबडिया अन्य उपस्थित थे।

बंडलागुडा स्थित श्री आईमाताजी बडेर में सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर असोशिएशन समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में नगर पधारे अ.भा.सीरवी युवा परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश चौधरी, अ.भा.सीरवी महासभा महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष दिनेश चौधरी, पुनाराम पंवार, केसाराम सोलंकी का राजस्थानी परम्परा साफे व शॉल से सम्मान कर उपस्थित अध्यक्ष वेनाराम चोयल, उपाध्यक्ष छोगाराम गेहलोत, सचिव प्रकाश सेपटा, सहसचिव मोहनलाल चोयल, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण परिहार, सलाहाकर खंगारराम सेपटा, देवाराम आगलेचा, मनोनित सदस्य वेनाराम पंवार व समाज बन्धु।

बिड़ला मंदिर के मुख्य शिखर की पॉलिशिंग पूरी

स्वर्ण जयंती से पहले जीर्णोद्धार कार्य तेज

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के प्रसिद्ध बिड़ला मंदिर के गर्भगृह के ऊपर स्थित मुख्य टॉवर, जगदानंद विमानम की पॉलिशिंग का काम पूरा हो गया है। यह कार्य फरवरी 2026 में होने वाले मंदिर के स्वर्ण जयंती समारोह से पहले चल रही बड़े स्तर की जीर्णोद्धार पहल का हिस्सा है।

रासायनिक पुनर्स्थापन प्रक्रिया में बारीकियों पर विशेष ध्यान दिया गया और कुशल कारीगरों ने दो महीनों तक मेहनत कर शिखर को उसकी मूल चमक में वापस ला दिया। मंदिर प्रशासन के शंकरलाल शर्मा ने बताया कि पॉलिशिंग का काम संरचना के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को ध्यान में रखकर किया गया है। उनके अनुसार पॉलिशिंग के बाद शिखर 1976 में बनी अपनी पहली रूप-रंग में लौट आया है।

जगदानंद विमानम 11 फीट ऊंचा है और उड़िया वास्तुकला शैली में बना है। यह ग्रेनाइट और राजस्थान से लाए गए सफेद संगमरमर से निर्मित है। अब पद्मावती, अंडाल के गोपुरम और राजगोपुरम की पॉलिशिंग का काम भी शुरू हो गया है। इसके साथ ही गरुड़ मंदिर में भी जीर्णोद्धार कार्य जारी है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, जनवरी 2026 तक सभी पॉलिशिंग कार्य पूरे कर लिए जाएँगे और फरवरी में स्वर्ण जयंती समारोह बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 क्रिकेट प्रतियोगिता व महिला वर्ग खेल चौथा चरण सम्पन्न

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के आठवें संस्करण व महिला वर्ग खेल थौरो बोल गेम का आयोजन किया। श्री आईमाताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण व महाआरती के पश्चात प्रतियोगिता का चौथा चरण आरंभ किया गया।

फ्रेन्डस क्लब के सुरेश सैणचा ने बताया कि सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 के तहत समाज के विभिन्न क्षेत्रों की 24 टीमों के मध्य टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के मैच खेले गये। महिला वर्ग के खेलों में एथेलेटिक्स तथा पारंपरिक खेल की प्रतियोगिता संपन्न हुई तथा क्रिकेट प्रतियोगिता में चौथा चरण का उद्घाटन मुकाबला अस्टिक मेडचल व नाचाराम स्ट्राइकर के मध्य खेला गया जिसमें अस्टिक मेडचल की टीम 31 रनों से विजयी रही। दूसरा माताजी इलेवन बिरमगुड़ा व सीरवी वारियर्स के बीच खेला गया जिसमें बिरमगुड़ा की टीम 89 रनों विजयी रहीं। तीसरे मैच में कापरा ग्रेट फाइटर की टीम 2 रनों से विजयी रही। चौथे मैच में करमनघाट वारियर की टीम 42 रनों से विजयी रही। पांचवें मैच में सैनिकपुरी व बालनगर के मध्य खेला गया, जिसमें सैनिकपुरी की टीम 63 रनों से विजयी रही। छठवां मैच सीरवी टाईगर व शंकरपल्ली ब्लास्टर के मध्य खेला गया, जिसमें शंकरपल्ली ब्लास्टर की टीम 6 विकेट से विजयी रही।

सातवां मैच सीरवी कींग इलेवन व अलवाल के मध्य खेला गया, जिसमें अलवाल की टीम 6 विकेट से विजयी रहीं। आठवां मैच सिकंदराबाद व आईजी फ्रेंड्स क्लब के मध्य खेला गया, जिसमें सिकंदराबाद की टीम 8 विकेट से विजेता रही। नौवां जुबली हिल्स क्लब व टी एम जी टाइटंस के मध्य खेला गया। जिसमें जुबली हिल्स क्लब की टीम 45 रनों से विजेता रही। दसवां मैच लिंगम्मपल्ली व अलविन इलेवन के मध्य खेला गया, जिसमें लिंगम्मपल्ली की टीम 76 रनों से विजयी रही। ग्यारहवां शमशाबाद व शादनगर स्ट्राइकर के माध्य खेला गया। जिसमें शमशाबाद की टीम 113 रनों से विजयी रही। 12वां मैच एल बी नगर व रामनगर रायल के मध्य से खेला गया। जिसमें एल बी नगर 68 रनों से विजयी रही। महिला वर्ग में थौरो बोल गेम आयोजित हुए जिन खिलाड़ियों ने जीत हासिल की उनको सीरवी समाज प्रिमियर लीग 8 के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जायेगा। अवसर पर प्रतियोगिता के स्पॉनसर व समाज के गणमान्य बन्धु उपस्थित रहे। सफल आयोजन में सीरवी समाज फ्रेन्डस् क्लब के सदस्य उपस्थित रहें। प्रतियोगिता का पांचवां चरण 23 नवंबर रविवार को होंगा।

आरटीसी बस की टक्कर से युवक की मौत

सिद्दीपेट, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट जिले के कुकुनुरपल्ली में शुक्रवार को आरटीसी बस की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। गांव के ही रहने वाले 30 वर्षीय न्यालापोगुला नागराजू राजीव राहधारी पार कर रहे थे, तभी सिद्दीपेट डिपो की सिकंदराबाद जाने वाली आरटीसी बस ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही नागराजू गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। शव को गजवेल के सरकारी अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

घर में 15 साल बाद साउथ अफ्रीका से भारत हारा

टीम 124 रन चेज नहीं कर सकी

गिल बैटिंग करने नहीं उतरे; हार्मर गेम चेंजर रहे

कोलकाता, 16 नवंबर (एजेंसियां)। भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में 30 रन की हार झेलनी पड़ी है। टीम 15 साल बाद अपने घर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोई मैच हारी है। पिछली हार 2010 में ग्रीम स्मिथ की कप्तानी में नागपुर में मिली थी।

ईडन गार्डन्स स्टेडियम में रविवार को 124 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम 9 विकेट पर 93 रन ही बना सकी। कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी करने नहीं आए। वे एक दिन पहले गर्दन में ऐंठन के कारण रिटायर हुए थे।

वॉशिंगटन सुंदर ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। साइमन हार्मर ने मैच में कुल 8 विकेट झटके। मैच में इकलौती फिफ्टी अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा ने लगाई। वे दूसरी पारी में 55 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इससे पहले साउथ अफ्रीका दूसरी पारी में 153 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने शुक्रवार को टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया और पहली पारी में 159 रन बनाए। भारत ने पहली पारी में 189 रन बनाए थे।

भारत की हार के दो कारण

1. दूसरी पारी में भारत की बैटिंग पूरी तरह फेल

दूसरी पारी में भारत की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। टॉप ऑर्डर ने शुरुआत में ही लगातार विकेट गंवा दिए। ओपनर यशस्वी जायसवाल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। टीम को 1 रन के स्कोर पर दूसरा झटका लगा। केएल राहुल 1 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद वॉशिंगटर सुंदर और ध्रुव जुरेल ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच पारी की सबसे बड़ी 32 रन की साझेदारी हुई। हालांकि साइमन हार्मर ने जुरेल को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद मिडिल ऑर्डर बिल्कुल नहीं टिक सका। साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों ने सटीक लाइन लेंथ रखकर भारतीय बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाया।

2. हार्मर की शानदार गेंदबाजी

स्पिनर साइमन हार्मर ने मैच में शानदारी गेंदबाजी की। उन्होंने मैच में 8 विकेट झटके। दोनों पारियों में 4-4 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। हार्मर ने पहली पारी में ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल के विकेट लिए। वहीं, दूसरी इनिंग में जुरेल, पंत, जडेजा और कुलदीप को आउट किया।

लखनऊ से आईपीएल खेलेंगे मोहम्मद शमी

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन को एलएसजी ने किया ट्रेड

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स ने अगले आईपीएल सीजन के लिए 2 नए खिलाड़ियों को ट्रेड किया। इनमें मोहम्मद शमी और सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर शामिल हैं। दोनों खिलाड़ियों से ये कांट्रैक्ट आईपीएल 2026 के लिए किया गया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अभी तक सनराइजर्स हैदराबाद के साथ खेलते थे। वहीं, मुंबई इंडियंस ने अर्जुन तेंदुलकर को एलएसजी के साथ 30 लाख रुपए में ट्रेड किया है।

इस ट्रेड के बाद एलएसजी के मालिक संजीव गोयंका ने मोहम्मद शमी के लिए एक्स पर लिखा- मुस्कुराइए आप लखनऊ में हैं। वेलकम टू सुपर जायंट्स फैमिली। एसआरएच ने पिछले साल आईपीएल नीलामी में 35 साल के शमी को 10 करोड़ रुपए में खरीदा था। हालांकि, पिछले सीजन में शमी का प्रदर्शन कमजोर रहा। 9 मैचों में उन्हें सिर्फ छह विकेट मिले थे। उनका

औसत 56.16 और इकोनॉमी रेट 11.23 रही। दोनों फ्रेंचाइजी इस ट्रेड पर सहमत हुई हैं। इसके बाद इसे पब्लिक किया गया।

शमी के आने से एलएसजी की गेंदबाजी मजबूत होगी

शमी हाल में चोट और फिटनेस की वजह से नेशनल टीम में भी जगह नहीं बना सके हैं। इसी बीच, लखनऊ सुपर जायंट्स ने तेज गेंदबाज मयंक यादव को रिलीज न करने का निर्णय लिया है। मयंक फिलहाल बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चोट से उबर रहे हैं।

गेंदबाजी की शुरुआत करेंगे

मयंक के रिहैब में गेंदबाजी शुरू करने की खबर है। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वे आईपीएल के नए सीजन से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे। टीम के सूत्रों ने बताया, ₹हम उनकी रोजाना प्रगति पर नजर रख रहे हैं। अगर वे पूरी सीजन टीम के लिए खेलते हैं, तो बेहद अच्छा रहेगा।

अर्जुन तेंदुलकर लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलेंगे

मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर का सफल ट्रांसफर लखनऊ सुपर जायंट्स में हो गया है। अर्जुन अब अपनी मौजूदा 30 लाख रुपए की फीस पर

एलएसजी के लिए खेलेंगे। उन्हें मुंबई इंडियंस ने 2021 की आईपीएल नीलामी के दौरान खरीदा था। 2023 में डेब्यू करवाया था। हालांकि इसके बाद उन्हें ज्यादा खेलने के मौके नहीं मिले।

अर्जुन के आने से लखनऊ की गेंदबाजी मजबूत होगी

अर्जुन के ट्रांसफर के बाद लखनऊ की गेंदबाजी और मजबूत मानी जा रही है। टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि अर्जुन के आने से टीम को संतुलन मिलेगा। अर्जुन एक अच्छे गेंदबाज के साथ-साथ बल्लेबाज भी हैं, जिससे वह टीम के लिए उपयोगी साबित होंगे।

ईडन टेस्ट में 'शर्मनाक' हार पर भड़के कोच गौतम गंभीर

टीम इंडिया की सरेआम लगा दी क्लास

कोलकाता, 16 नवंबर (एजेंसियां)। ईडन टेस्ट में भारत का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा और इसी वजह से कोच गौतम गंभीर गुस्से में दिखाई दिए. उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम इंडिया की क्लास लगा दी.

टीम इंडिया की हार पर भड़के गौतम गंभीर

हार के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए. इसी बीच उन्होंने टीम इंडिया के बल्लेबाजों की कड़ी आलोचना की और बताया कि लक्ष्य का पीछा हो सकता था. उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 124 रन चेज किए जा सकते थे. हमें रन बनाने के लिए सही तरह से खेलने की जरूरत थी. जब आप अच्छा नहीं खेलते हैं, तो ऐसा ही होता है. विकेट में कोई दिक्कत नहीं थी.'

गंभीर ने आगे कहा, 'ये ऐसी पिच नहीं थी, जिसपर खेला ही नहीं जा सकता था. अगर हम विकेट की बात करेंगे, तो ज्यादातर खिलाड़ियों को तेज गेंदबाजों ने आउट किया है. ये ऐसी पिच थी, जहां तकनीक, मानसिक स्वभाव और खेलने के तरीके की परीक्षा थी. हमने इस पिच की ही मांग की थी और हमें वही मिली. आपको पता होना चाहिए कि स्पिन कैसे खेलते हैं. ज्यादातर विकेट तेज गेंदबाजों ने झटके.'

हार पर क्या बोले ऋषभ पंत?

शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत पोस्ट मैच इंटरव्यू के लिए आए. उन्होंने शर्मनाक हार पर बात करते हुए कहा, 'हम इस लक्ष्य का पीछा करने में असफल रहे. दूसरी पारी में हमारे ऊपर दबाव बढ़ा गया और हम सही तरह से नहीं खेल पाए. टेम्बा बवुमा और कॉर्बिन बॉश के बीच शानदार साझेदारी हुई और इसी वजह से वो गेम में वापस आए. इस विकेट में मदद थी. 120 के करीब का स्कोर मुश्किल हो सकता था लेकिन एक टीम के रूप में हमें प्रेशर को झेलना और रन बनाने थे. मैच अभी खत्म हुआ है और हम बेहतर तरीके से वापस आएंगे.'

पंजाब की लेडी मिल्खा रेस जीत पिता को जमीन दिलाई

उम्र 10 साल, जालंधर में भी फर्स्ट आई; बोली- परिवार को घर बनाकर दूंगी

जालंधर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के फरीदकोट की 10 साल की बच्ची नवजोत को लेडी मिल्खा का नाम मिल रहा है। ये बच्ची अब तक ग्रामीण खेलों में 100 मीटर की रेस में इतना पैसा जीत चुकी है कि पिता के लिए 8 मरले जमीन खरीदकर दे दी है।

अब नया घर बनाकर देने का सपना है। शुक्रवार को जालंधर के गांव सराय खाम में हुई खेल प्रतियोगिता में भी फरीदकोट के सादिके गांव की इस बच्ची ने 100 मीटर की रेस में पहला स्थान पाकर जीत को कायम रखा है। अब तक ये बच्ची दौड़ में 9वीं साइकिल जीत चुकी है।

पंजाब के अलग-अलग गांवों में खेल मेले करवाने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पिंका जरग कहते हैं कि आने वाले 10 साल में पंजाब के हर तीसरे बच्चे को एथलीट बनाने का सपना देखा है। ये सपना साकार करना बहुत मुश्किल है, लेकिन नामुमकिन नहीं है। पिंका कहते हैं कि मैं ये कसम खाकर निकला हूं कि पंजाब की धरती पर इतने बच्चों को गेम से जोड़ दूंगा कि पंजाब की धरती से नशे के नाम का कलंक ही मिट जाए।

इसी के साथ इन खेलों में एक और बच्चा लाइमलाइट में आया है। इसका नाम राजू ढूडिके है। बच्चा मोगा के गांव ढूडिके का रहने वाला है। इसने अंडर 8 में 100 मीटर की रेस में 5वीं बार साइकिल जीती है। राज ढूडिके के बोलने के स्टाइल ने उसे गेम्स के साथ सोशल मीडिया पर भी स्टार बना दिया है।

अर्जुन एरिगेसी फिडे विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में, पूर्व चैंपियन आरोनियन को हराया

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने दो बार के चैंपियन अमेरिका के लेवोन आरोनियन को अंतिम-16 के दूसरे क्लासिकल गेम में हराकर फिडे शतरंज विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। पहले मुकाबले में ड्रॉ खेलने के बाद अर्जुन ने दूसरे गेम में काले मोहरों से शानदार प्रदर्शन करते हुए अनुभवी आरोनियन को कोई मौका नहीं दिया और मुकाबला अपने नाम किया।

भारत के ही ग्रैंडमास्टर पी. हरिकृष्णा ने मैक्सिको के जोस एडुआर्डो मार्तिनेज के खिलाफ लगातार दूसरा गेम ड्रॉ खेला। अब उन्हें रविवार को टाइब्रेकर का सामना करना होगा। उजबेकिस्तान के नोदिरबेक याकूबोएव ने आर्मेनिया के गैब्रियल सर्जिसियान को मात देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

टूर्नामेंट के शीर्ष तीन खिलाड़ी अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करेंगे। अन्य मुकाबलों में अमेरिका के सैम शैंकलैंड और रूस के दानिल दुबोव के बीच दूसरा गेम भी ड्रॉ रहा, जिसके बाद दोनों अब टाइब्रेकर खेलेंगे। वहीं रूस के आंद्रेई एसिपेंको और अलेक्सी ग्रेबनेव के बीच भी विजेता का फैसला टाइब्रेकर से होगा।

केएल राहुल के निशाने पर संजीव गोयनका ?

एलएसजी छोड़ने के बाद पहली बार खुलकर बोले- उन्हें समझाना मुश्किल

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी केएल राहुल ने IPL टीम की कप्तानी करने के प्रेशर के बारे में बात की. केएल राहुल LSG के कप्तान थे लेकिन 2024 के सीजन के बाद उन्होंने टीम को छोड़ दिया. 2025 में वो दिल्ली कैपिटल्स के लिए बतौर प्लेयर खेलते हुए नजर आए. राहुल ने IPL में कप्तानी करने को लेकर आने वाली मुश्किलों का जिक्र किया. लग रहा है कि उन्होंने इशारों-इशारों में संजीव गोयनका को भी निशाने पर लिया.

कप्तानी के भार पर खुलकर बोले केएल राहुल

2024 में LSG को एक महत्वपूर्ण मैच में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा

था. इसके बाद टीम के मालिक संजीव गोयनका के साथ राहुल की बातचीत चर्चा का विषय बनी थी. बताया जा रहा था कि उनके रिश्ते यहां से खराब हो गए. LSG के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के बावजूद राहुल को रिटेन नहीं किया गया. अब राहुल ने बताया कि जो लोग क्रिकेट नहीं खेले हैं, उन्हें भी बतौर कप्तान जवाब देना मुश्किल होता है. माना जा रहा है कि उन्होंने संजीव गोयनका पर तंज कसा है. उन्होंने कहा,

'आईपीएल में कप्तान के रूप में सबसे मुश्किल चीज यह थी कि आपको लगातार मीटिंग करनी होती थी. लगातार रिव्यू होता था और आपको ओनरशिप लेवल पर मौजूद लोगों को जवाब देना होता था. मैं इन सभी चीज से थक गया था. मुझे ऐसा लगता था कि मैं 10 महीने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के बावजूद आईपीएल में मैं ज्यादा थक जाता हूं. इस तरह के सवाल पूरे साल नहीं पूछे जाते हैं. हमें सिर्फ कोच और सिलेक्टर्स को जवाब देना होता है. आप कुछ भी कर लीजिए, खेल में कभी जीत की गारंटी नहीं होती है. उन लोगों को समझाना मुश्किल होता है, जो स्पोर्ट्स बैकग्राउंड से नहीं हैं.'

डीसी के लिए कैसा रहा राहुल का प्रदर्शन?

एलएसजी द्वारा रिटेन नहीं किए जाने के बाद केएल राहुल को डीसी ने खरीदा. राहुल का दिल्ली कैपिटल्स के लिए बल्ले से प्रदर्शन शानदार रहा. उन्होंने 13 मैचों में को 539 रन बनाए. उनका औसत 53.90 का रहा और उन्होंने 149.72 के शानदार स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की. उन्होंने सीजन में कुल 3 अर्धशतक और 1 शतक लगाया. राहुल पर कप्तानी का उतना प्रेशर नहीं था और वो धमाल मचाने में सफल हुए.

न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में वेस्टइंडीज को 7 रन से हराया

डेरिल मिचेल ने 119 रनों की शतकीय पारी खेली

जैमिसन ने 4 विकेट लिए

हेग्ले ओवल, 16 नवंबर (एजेंसियां)। क्राइस्टचर्च के हेग्ले ओवल में खेले गए पहले वनडे में न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 7 रन से हरा दिया। कीवी टीम ने 7 विकेट पर 269 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 50 ओवर में 6 विकेट पर 262 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड के लिए डेरिल मिचेल ने 118 गेंदों पर 119 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि काइल जैमिसन ने 3 विकेट लिए।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत निराशाजनक रही। टीम ने 24 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए। इसके बाद डेरिल मिचेल ने शतकीय पारी खेलते हुए पारी को संभाला और कई महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं।

7वें ओवर में मैथ्यू फोर्ड ने

लगातार गेंदों पर रचिन रविंद्र (4) और विल यंग (0) को आउट कर न्यूजीलैंड को शुरुआती झटके दिए। 24 रन पर दो विकेट गिरने के बाद टीम दबाव में थी, लेकिन इसके बाद पारी संभली।

कॉनवे-मिचेल ने 67 रन जोड़े

ओपनर ड्वोन कॉनवे और डेरिल मिचेल ने तीसरे विकेट के लिए 73 गेंदों पर 67 रन जोड़े। इस साझेदारी ने स्कोर 91 तक पहुंचाया। कॉनवे 58 गेंदों पर 49 रन बनाकर आउट हुए।

मिचेल-लाथम की पार्टनरशिप

इसके बाद मिचेल ने टॉम लाथम के साथ 52 गेंदों पर 32 रन जोड़े। लाथम ने 30 गेंदों पर 18 रन बनाए।

मिचेल-ब्रेसवेल की अहम भूमिका

पांचवें विकेट के लिए डेरिल मिचेल और माइकल ब्रेसवेल ने 86 गेंदों पर 69 रन की साझेदारी कर पारी को मजबूती दी। ब्रेसवेल ने 52 गेंदों पर 35 रन बनाए।

मिचेल-फाउलकेस की तेज साझेदारी

सातवें विकेट के लिए मिचेल ने जैक फाउलकेस के साथ सिर्फ 24 गेंदों पर 43 रन जोड़े। फाउलकेस 16 गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाकर लौटे।

मिचेल का शतक

डेरिल मिचेल ने 118 गेंदों का सामना कर 119 रन की पारी खेली और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

जेडन सील्स ने वेस्टइंडीज के लिए 3 विकेट लिए

वेस्टइंडीज के लिए जेडन सील्स ने 3 विकेट, मैथ्यू फोर्ड ने 2 विकेट, जस्टिन ग्रीव्स और रोस्टन चेज ने 1-1 विकेट लिया।

शेरफेन रदरफोर्ड ने वेस्टइंडीज के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए

270 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। मात्र 10 रन के स्कोर पर ओपनर जॉन कैम्पबेल आउट होकर पवेलियन लौट गए। उन्होंने 9 गेंदों में 4 रन बनाए। इसके बाद कीसी कार्टी ने 67 गेंदों में 32 रन की धीमी लेकिन संभली हुई पारी खेली। कप्तान शाई होप ने 45 गेंदों में 37 रन जोड़े। वहीं, शेरफेन रदरफोर्ड ने टीम के लिए सबसे अहम पारी खेलते हुए 55 रन बनाए।

मिनौर को हराकर एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में पहुंचे सिनर

अब अल्कारेज से होगा सामना

तूरिन, 16 नवंबर (एजेंसियां)। इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन जारी करते हुए एटीपी फाइनल्स के अंतिम चार मैच में एलेक्स डी मिनौर को को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सिनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी को सीधे सेटों में 7-5, 6-2 से हराकर दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबले में 13वीं जीत दर्ज की।

सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में घरेलू कोर्ट पर सिनर के सामने खिताबी मुकाबले में कार्लोस अल्कारेज होंगे जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल मैच में फेलिक्स ऑगर-एलियासेम को मात दी। सिनर और अल्कारेज पिछले तीन ग्रैंडस्लैम फाइनल में भिड़ चुके हैं। अल्कारेज ने फ्रेंच ओपन का खिताब जीता, जबकि सिनर ने विंबलडन में अल्कारेज को शिकस्त दी थी। अल्कारेज ने हालांकि यूएस ओपन में जीत के साथ सिनर के खिलाफ अपना दबदबा मजबूत किया।

बंडी संजय ने हिन्दुओं से घर वापसी की अपील की

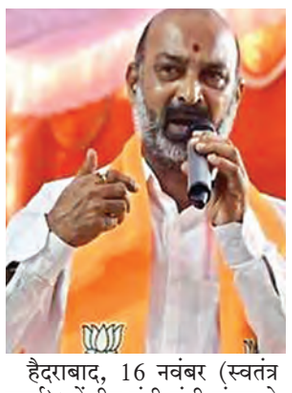

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने रविवार को कुकटपल्ली में आयोजित कापू जाति के 'कार्तिक वन भोजनालु' कार्यक्रम में विवादित टिप्पणी की। उन्होंने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों से हिंदू धर्म छोड़कर अन्य धर्म अपनाने वाले सभी लोगों से घर वापसी करके हिंदू धर्म में वापस लौटने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सभी हिंदुओं को एकजुट वोट बैंक बनने की जरूरत है। संजय ने दावा किया कि हाल ही में जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के नतीजों के बाद हिंदुओं में एकजुट हिंदू वोट बैंक बनने की तीव्र इच्छा है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म की रक्षा के द्वार उन सभी के लिए खुले हैं जो घर वापसी करना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि धर्मों का त्याग करना देवताओं को धोखा देने जैसा है। उन्होंने कहा, हिंदू सनातन धर्म महान है। हिंदू के रूप में जन्म लेना हम सभी के लिए गर्व की बात है। सभी जातियों को अपने समुदाय के कल्याण और हिंदू धर्म के लिए काम करना चाहिए। मेरा लक्ष्य हिंदू सनातन धर्म की रक्षा करना है। आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण का सनातन धर्म अभियान उन हिंदुओं को अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर रहा है, जिन्होंने अन्य धर्मों को अपना लिया है। संजय ने वनभोज का आयोजन करने वाली सभी जातियों को बधाई दी और कहा कि गरीबों की मदद की जानी चाहिए। साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी जातियों को हिंदू सनातन धर्म की रक्षा के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

कांग्रेस सांसद ने बंडी संजय की टिप्पणी की निंदा की

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद चमल किरण कुमार रेड्डी ने जुबली हिल्स उपचुनाव में भाजपा की हार के बारे में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय की लापरवाह टिप्पणी की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि बंडी संजय के लिए बोलते समय केंद्रीय मंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को नजरअंदाज करना एक चलन सा बन गया है। रविवार को यहां एक बयान में, कांग्रेस सांसद ने बंडी संजय की उस टिप्पणी की निंदा की, जिसमें उन्होंने कहा था कि सभी हिंदुओं को, चाहे उनकी राजनीतिक संबद्धता कुछ भी हो, भाजपा के साथ जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, बंडी संजय जातियों और धर्मों के बीच टकराव पैदा कर रहे हैं। कम से कम अब तो उन्हें जाति और धर्म के मुद्दों को दरकिनार कर विकास की बात करनी चाहिए। कांग्रेस सांसद ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट मंत्री किशन रेड्डी के प्रतिनिधित्व वाले सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र में, जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की जमानत तक जब्त हो गई और विधानसभा चुनावों की तुलना में उपचुनाव में भाजपा का वोट प्रतिशत कम हो गया। उन्होंने कहा, बंडी संजय को लोगों को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या भाजपा ने गुप्त रूप से बीआरएस पार्टी का समर्थन किया था। अगर बंडी संजय को खुद नहीं पता कि उन्होंने बीआरएस का समर्थन किया है या नहीं, तो उन्हें पार्टी के भीतर इस पर चर्चा करनी चाहिए। भुवनगिरी लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले चमल किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि नवीन यादव ने जुबली हिल्स उपचुनाव केवल एक जाति या एक धर्म के वोटों से नहीं जीता, सभी वर्गों के लोगों ने वोट दिया। उन्होंने कहा, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी और बंडी संजय दोनों को तेलंगाना में धन लाने के लिए काम करना चाहिए। उन्हें राज्य में धन लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर दबाव बनाना चाहिए। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि केंद्र सरकार को हैदराबाद मेट्रो विस्तार, आरआरआर और मुसी कायाकल्प परियोजनाओं में सहयोग करना चाहिए।

तेलंगाना में बीसी वर्गों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व लगातार कमजोर

'बीसी आरक्षण न्याय साधना दीक्षा' आयोजित

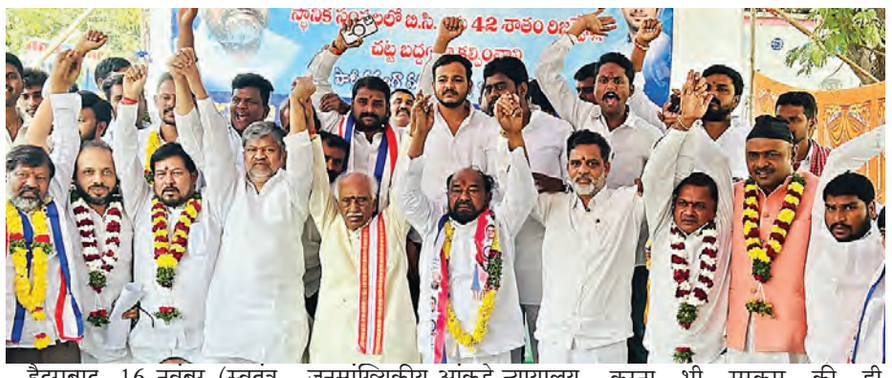

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। '42 प्रतिशत आरक्षण लागू करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी' प्रदर्शन का नेतृत्व आर. कृष्णैया ने किया इंदिरा पार्क धरना चौक में रविवार को आयोजित 'बीसी आरक्षण न्याय साधना दीक्षा' में राज्यभर के विभिन्न पिछड़ा वर्ग संगठनों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही। कार्यक्रम का नेतृत्व राष्ट्रीय बीसी संघ के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद आर. कृष्णैया ने किया। छात्र, युवा, महिला, कर्मचारी और विधिक संगठनों सहित 60 से अधिक बीसी समुदाय संगठनों ने इसमें हिस्सा लिया। सभा को संबोधित करते हुए आर. कृष्णैया ने कहा कि तेलंगाना में बीसी वर्गों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व लगातार कमजोर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि राज्य सरकार सटीक और व्यापक जनसांख्यिकीय आंकड़े न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करे, तो 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण कानूनी रूप से पूरी तरह संभव है। उनका कहना था कि उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय दोनों प्रमाणिक आंकड़ों के आधार पर आरक्षण वृद्धि पर विचार कर सकते हैं। दीक्षा की अध्यक्षता कर रहे पूर्व बीसी आयोग अध्यक्ष डॉ. वकुलाभरणं कृष्णमोहन राव ने कहा कि सरकार वैधानिक प्रक्रियाओं और वैज्ञानिक पद्धतियों के साथ डेटा प्रस्तुत करे तो बीसी वर्गों के लिए केवल 42 प्रतिशत ही नहीं, बल्कि 52 प्रतिशत तक आरक्षण भी संवैधानिक ढांचे के भीतर उचित ठहराया जा सकता है। हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि जब सरकार आरक्षण वृद्धि की घोषणा करती है, तो उसका पूर्ण और समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करना भी सरकार की ही जिम्मेदारी है। बीआरएस के एमएलसी एल. रामना ने मांग की कि आगामी चुनाव घोषित आरक्षण अनुपात के तहत ही कराए जाने चाहिए। दीक्षा के दौरान इंदिरा पार्क परिसर 42 प्रतिशत आरक्षण की मांग से गूंजता रहा। राज्य के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे हजारों बीसी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति से धरना स्थल दिनभर सक्रिय रहा। नेताओं ने कहा कि शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में बीसी समुदाय का समान और अनुपातिक अधिकार राजनीतिक वादा नहीं, बल्कि संवैधानिक कर्तव्य है। दीक्षा से उभरा मुख्य संदेश साफ था, बीसी वर्गों को अनुपातिक और वैधानिक प्रतिनिधित्व दिलाना राज्य सरकार की तात्कालिक जिम्मेदारी है।

'अनुसूचित जाति में भी लागू होना चाहिए क्रीमी लेयर'

आरक्षण पर सीजेआई बीआर गवई का बड़ा बयान

अमरावती, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को कहा कि वे अब भी इस विचार के पक्ष में हैं कि अनुसूचित जातियों (एससी) को मिलने वाले आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' यानी आर्थिक-सामाजिक रूप से आगे बढ़ चुके वर्ग को बाहर किया जाना चाहिए। एक कार्यक्रम 'इंडिया एंड द लिविंग इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन ऐट 75 इयर्स' में बोलते हुए उन्होंने कहा कि एक आईएएस अफसर के बच्चे और गरीब किसान मजदूर के बच्चों को एक ही स्तर पर नहीं रखा जा सकता। उनका कहना था कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

मेरी सेवानिवृत्ति में बचा है सिर्फ एक हफ्ता :

सीजेआई गवई ने बताया कि उन्होंने अतीत में भी इंद्रा साहनी (मंडल आयोग) मामले के आधार पर यही राय दी थी कि जैसे ओबीसी समुदाय में क्रीमी लेयर की पहचान की जाती है, वैसे ही यह व्यवस्था एससी समुदाय के लिए भी होनी चाहिए, भले ही इस विचार की काफी आलोचना हुई हो। उन्होंने मुस्कराकर कहा कि न्यायाधीशों को आम तौर पर अपने फैसलों का बचाव नहीं करना चाहिए और मेरे पास सेवानिवृत्ति तक सिर्फ एक हफ्ता ही बचा है।

महिलाओं और समानता पर बदलता भारत :

सीजेआई ने कहा कि देश में वर्षों के दौरान महिलाओं के अधिकारों और समानता को लेकर जागरूकता बढ़ी है, और भेदभाव की पुरानी सोच को पीछे छोड़ा जा रहा है। उन्होंने भावुक होकर याद किया कि उनके कार्यकाल का पहला कार्यक्रम महाराष्ट्र के अपने गृह नगर अमरावती में था और आखिरी कार्यक्रम आंध्र प्रदेश के अमरावती में, मानो उनकी यात्रा एक पूरा चक्र पूरा कर रही हो।

संविधान- बदलता, सांस लेता दस्तावेज :

सीजेआई गवई ने कहा कि भारतीय संविधान स्थिर नहीं है, बल्कि एक 'जीवंत, विकसित होने वाला' दस्तावेज है। डॉ. भीमराव आंबेडकर की सोच पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान में संशोधन की प्रक्रिया इसीलिए रखी गई ताकि समय के साथ जरूरतें बदलने पर देश आगे बढ़ सके। उन्होंने बताया कि आंबेडकर के भाषण, विशेषकर जब वे मसौदा संविधान प्रस्तुत कर रहे थे, हर कानून के विद्यार्थी को पढ़ने चाहिए। आंबेडकर के तीन शब्द (समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व) को उन्होंने भारत की सामाजिक-आर्थिक प्रगति की रीढ़ बताया।

संविधान ने बदली लाखों की जिंदगी- मेरा भी सफर इसका उदाहरण :

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि संविधान की वजह से ही आज भारत में दो राष्ट्रपति अनुसूचित जाति से हुए हैं और वर्तमान राष्ट्रपति एक अनुसूचित जनजाति की महिला हैं। अपनी यात्रा याद करते हुए उन्होंने कहा, अर्ध-झुग्गी जैसे इलाके और नगरपालिका स्कूल में पढ़ने वाला एक बच्चा भी जब देश की सर्वोच्च न्यायिक कुर्सी तक पहुंच सकता है, तो यह संविधान की ही ताकत है।

राष्ट्रपति निलयम में भारतीय कला महोत्सव 22 से 30 नवंबर तक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 21 नवंबर को करेंगी महोत्सव का उद्घाटन

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के बोलारम स्थित राष्ट्रपति निलयम में 22 से 30 नवंबर तक भारतीय कला महोत्सव का दूसरा संस्करण आयोजित किया जाएगा। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 21 नवंबर को शाम 4 बजे इस महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति निलयम की प्रबंधक के रजनी प्रिया ने बताया कि इस बार का महोत्सव भारत के पश्चिमी क्षेत्र की कला और संस्कृति को समर्पित है। इसमें गुजरात, राजस्थान, गोवा, महाराष्ट्र और दादरा-नगर हवेली व दमन-दीव की विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा।

महोत्सव आम जनता के लिए रोज सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहेगा, जबकि अंतिम प्रवेश शाम 7 बजे तक होगा। प्रवेश निःशुल्क है। आगंतुक राष्ट्रपति निलयम के आधिकारिक टिकट पोर्टल के माध्यम से या कार्यक्रम पोस्टर के क्यूआर कोड स्कैन करके ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। राष्ट्रपति निलयम के अधिकारियों के अनुसार, स्थल पर तत्काल बुकिंग की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। आने वाले आगंतुकों को मार्गदर्शन देने के लिए विशेषज्ञ गाइड भी नियुक्त किए जाएंगे।

मानसिक रूप से विकलांग बच्चों की हत्या का प्रयास, बेटी की मौत

करीमनगर में पिता पर जहर देने या गला घोंटने का आरोप, बेटा अस्पताल में भर्ती

करीमनगर, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर में शनिवार शाम एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक व्यक्ति पर अपने मानसिक और शारीरिक रूप से विकलांग दोनों बच्चों की हत्या का प्रयास करने का आरोप लगा है। घटना में 15 वर्षीय अर्चना की मौत हो गई, जबकि उसका भाई आश्रित बेहोशी की हालत में अस्पताल में इलाज करा रहा है।

पुलिस के अनुसार, मंचेरियल जिले के वेंकटरावपेट निवासी अनावेनी मल्लेशम और उसकी पत्नी पोशव्वा पिछले सात वर्षों से करीमनगर के वाविलापल्ली इलाके में रह रहे हैं। दोनों के 15 वर्षीय बच्चे मानसिक और शारीरिक रूप से विकलांग थे। शनिवार शाम बाजार से लौटने पर पोशव्वा ने दोनों बच्चों को बेहोश पाया और तुरंत जिला मुख्यालय अस्पताल ले गईं, जहां अर्चना को मृत घोषित कर दिया गया। आश्रित की हालत गंभीर बनी हुई है। परिवार को शक है कि बच्चों की सेहत से परेशान मल्लेशम ने ही उन्हें जहरीला पदार्थ दिया होगा या फिर गला घोंटने की कोशिश की होगी। घटना के बाद से मल्लेशम फरार है। करीमनगर शहर के सीआई जनरेड्डी ने बताया कि पोशव्वा की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है।

तेलंगाना के 8 डाकघरों में बुकिंग सेवा शुरू

रविवार और अवकाशों में भी उपलब्ध रहेंगी स्पीड पोस्ट और पार्सल सेवाएं

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना डाक सर्कल ने विकाराबाद, रंगारेड्डी और हैदराबाद जिलों के आठ डाकघरों में चौबीसों घंटे बुकिंग सेवा शुरू कर दी है। इस पहल से अब लोग दिन या रात किसी भी समय स्पीड पोस्ट, दस्तावेज, पार्सल और धन प्रेषण जैसी डाक सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। इन 24/7 सेवा वाले डाकघरों में विकाराबाद जिले के आलमपल्ली और कुकटपल्ली उप-डाकघर, ऑटोनगर स्थित पार्सल प्रोसेसिंग सेंटर (पीपीसी) और शमशाबाद के हैदराबाद एयरपोर्ट ट्रांजिट मेल ऑफिस (एपीटीएमओ) शामिल हैं। हैदराबाद जिले में यह सुविधा हैदराबाद जीपीओ, स्पीड पोस्ट सेंटर बेगमपेट, सिकंदराबाद टीएमओ और हैदराबाद डेक्कन आरएसटीएमओ, नामपल्ली में उपलब्ध होगी।

डाक विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रविवार और सार्वजनिक अवकाशों में भी ये डाकघर लगातार खुले रहेंगे, जिससे ग्राहकों को निर्बाध डाक सेवाएं मिल सकेंगी। इसके साथ ही सिकंदराबाद, त्रिमुलघेरी, सैनिकपुरी, मल्काजगिरी, खैरताबाद, उप्पल, गोलकोंडा, बंजारा हिल्स, वनस्थलीपुरम, ईसीआईएल, घाटकेसर, जीडीमेटला, संगारेड्डी और शमशाबाद सहित 32 डाकघरों के कामकाज का समय बढ़ाकर सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक कर दिया गया है। इस अवसर पर डाक विभाग, तेलंगाना सर्किल ने जनजातीय गौरव दिवस 2025 के उपलक्ष्य में दो विशेष डाक कवर भी जारी किए। यह दिवस हर वर्ष 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मनाया जाता है। जारी विशेष कवर में लंबाडा, गुसाडी, अटापटस, कलापथ, चेंचू और कोलाटम जैसे प्रमुख आदिवासी नृत्यों को दर्शाया गया है, जो पारंपरिक वाद्ययंत्रों की लय पर किए जाने वाले सांस्कृतिक प्रतीक हैं।

तेलंगाना में कपास खरीद संकट पर केटीआर का हमला

केंद्र और राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में बढ़ते कपास खरीद संकट को लेकर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने केंद्र और राज्य सरकार, दोनों पर कड़ा हमला किया है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार तुरंत एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली भेजे, ताकि केंद्र से किसानों के लिए राहत दिलाई जा सके। केटीआर ने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान ऐसे कृषि संकटों पर तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सीधे दखल देकर किसानों की मदद की थी। उन्होंने कांग्रेस सरकार से भी वैसे ही कदम उठाने की अपील की।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-नीत केंद्र और कांग्रेस-नीत राज्य सरकार दोनों की लापरवाही के कारण लाखों कपास किसान अपनी उपज नहीं बेच पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 50 लाख एकड़ से ज्यादा जमीन पर कपास की खेती होने के बावजूद प्रशासन समय पर कार्रवाई नहीं कर रहा। केटीआर ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के दिल्ली दौरों पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने कपास संकट को नजरअंदाज किया। साथ ही कांग्रेस और भाजपा के सांसदों पर भी इस मुद्दे को केंद्र में नहीं उठाने का आरोप लगाया।

उन्होंने सीसीआई पर भी कई खामियों का आरोप लगाया, जैसे नमी के आधार पर खरीद से इनकार, मोबाइल ऐप में दिक्कतें और जिनिंग मिलों में भ्रष्टाचार। इन वजहों से किसानों को 8,110 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य की बजाय खुले बाजार में सिर्फ 6,000 से 7,000 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस सीजन में अनुमानित 28.29 लाख टन के मुकाबले सीसीआई ने अब तक सिर्फ 1.12 लाख टन कपास खरीदा है। उन्होंने केंद्र से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की और कहा कि सरकार को किसानों के लिए ठोस योजना के साथ तुरंत कदम उठाने चाहिए।

दोमलगुडा में खड़ी इलेक्ट्रिक कार में लगी आग

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के दोमलगुडा इलाके में रविवार को एक खड़ी इलेक्ट्रिक कार में अचानक आग लग गई। हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। घटना एनटीआर स्टेडियम के पास हुई, जहां पार्क की गई कार में अचानक धुआं उठने लगा और कुछ ही देर में आग भड़क गई। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। अधिकारियों का कहना है कि आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है। जांच जारी है।

शिववरम में मगरमच्छ अभयारण्य विकास को नई उम्मीद

मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट की टीम ने किया निरीक्षण, पर्यटन विकास की संभावनाएं बढ़ीं

मंचेरियल, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जयपुर मंडल के शिववरम गांव स्थित सुंदर मगरमच्छ अभयारण्य के विकास का प्रस्ताव वर्षों से लंबित है, लेकिन मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट और सेंटर फॉर हर्पेटोलॉजी (एमसीबीटीएच) की दो सदस्यीय टीम के हालिया दौरे ने उम्मीदें फिर से जगाई हैं। 1978 में स्थापित 36.29 वर्ग किलोमीटर में फैला यह अभयारण्य मीठे पानी के मगरमच्छों के संरक्षण के लिए बनाया गया था। वर्तमान में यहां लगभग 100 मगरमच्छ पाए जाते हैं। इसके अलावा यह स्थान ऊदबिलाव, कई वन्यजीवों और विभिन्न जलीय पक्षियों का घर है, जिससे इसे राज्य के एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की बड़ी संभावनाएं हैं।

पिछले वर्षों में नाव सफारी शुरू करने, पर्यटकों के लिए कॉटेज बनाने और बुनियादी सुविधाएं विकसित करने की योजनाएं बनाई गई थीं।

2023 में प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पी. गौतमी ने अभयारण्य में 2.2 किलोमीटर लंबा ट्रेकिंग ट्रैक तैयार किया था, लेकिन धनाभाव के चलते प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सके। अधिकारियों ने बताया कि अभयारण्य को विकसित करने के प्रयास जल्द ही फिर शुरू किए जाएंगे और विशेषज्ञों की मदद से योजनाएं तैयार की जा रही हैं। इसी क्रम में केंद्र के सहायक निदेशक और वैज्ञानिक डॉ. शफीक अहमद तथा ट्रस्टी गणेश मुथैया ने हाल ही में अभयारण्य का दौरा कर आवास स्थितियों का आकलन किया। उन्होंने तेलंगाना में इस तरह के समृद्ध अभयारण्य की मौजूदगी पर प्रसन्नता जताई और भविष्य में वन विभाग के साथ संरक्षण कार्यों में सहयोग की इच्छा व्यक्त की। टीम ने कहा कि यहां मगरमच्छों के लिए अनुकूल वातावरण मौजूद है और ऊदबिलाव सहित कई दुर्लभ पक्षी प्रजातियों के दर्शन प्रभावशाली रहे। जल्द ही मगरमच्छ संरक्षण और पारिस्थितिक पर्यटन विकास की रणनीति के लिए केंद्र के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी।

फारूकनगर में युवक की हत्या

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के फारूकनगर मंडल में शनिवार को एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना तब हुई जब एक ओबीसी समुदाय की महिला ने दूसरी जाति के युवक चंद्रशेखर से भागकर शादी कर ली। इस शादी से महिला का परिवार नाराज था।

महिला के पिता के. वेंकटेश और कुछ रिश्तेदारों ने चंद्रशेखर के बड़े भाई राजशेखर को गांव के बाहर पकड़ लिया। उन्होंने उसे लाठियों से बुरी तरह पीटा। बाद में उसके हाथ-पैर बांधकर उस पर ईंधन डालकर आग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने नाकेबंदी कर दी है।

तेलंगाना को मछली उत्पादन का ब्रांड बनाने का आह्वान किया

मंत्री वाकिति श्रीहरि ने मत्स्य बीज वितरण किया

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मत्स्य पालन एवं पशुपालन मंत्री वाकिति श्रीहरि ने कहा कि तेलंगाना को मछली उत्पादन में एक अग्रणी ब्रांड के रूप में स्थापित होना चाहिए। उन्होंने रविवार को हनमकोंडा जिले के घनपुर निर्वाचन क्षेत्र के धर्मसागर जलाशय में आयोजित एक निःशुल्क मछली बीज वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। अपने संबोधन के दौरान, मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कांग्रेस सरकार ने मत्स्य पालन विभाग को 122 करोड़ रुपये का प्रभावशाली बजट सफलतापूर्वक आवंटित किया है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना के 26,000 जलाशयों में 84 करोड़ मछली के पौधे और 10 करोड़ झींगा के पौधे निःशुल्क और पूर्ण सब्सिडी के साथ वितरित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, वाकिति श्रीहरि ने घोषणा की कि प्रत्येक जलाशय और तालाब के पास मछली के बच्चों की संख्या दर्शाने वाले साइनबोर्ड लगाए जाएंगे, जिन पर मत्स्य पालन अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों की संपर्क जानकारी भी प्रदर्शित होगी। उन्होंने कहा कि चिकन और मटन जैसी मछली को लोकप्रिय बनाने की बहुत जरूरत है और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे कि मछली के व्यंजन मध्याह्न भोजन योजना में शामिल हों। इस अवसर पर, मंत्री ने स्टेशन घनपुर निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक मत्स्य पालन केंद्र की स्वीकृति की घोषणा की।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 76.50 लाख की धोखाधड़ी, दो और आरोपी गिरफ्तार

कागजनगर पुलिस की विशेष टीम ने पुणे और अहमदाबाद से पकड़े आरोपी

कुमराम भीम आसिफाबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर में ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर लोगों को ठगने के एक बड़े मामले में पुलिस ने रविवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया।

डीएसपी वहीदुद्दीन ने बताया कि महाराष्ट्र के पुणे निवासी संतोष कुशल चंद तौवर और गुजरात के अहमदाबाद निवासी पटेल दावल कुमार गुंडालाल को 76.50 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी में शामिल होने के आरोप में पकड़ा गया है। विशेष टीम ने दोनों का पता लगाकर उन्हें हिरासत में ले लिया।

पुलिस के अनुसार, संतोष और दवल कुमार ने जल्दी पैसा कमाने के इरादे से अपराध करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म में निवेश पर भारी मुनाफे का लालच देकर लोगों को अपने जाल में फंसाया और कथित तौर पर धोखाधड़ी वाले लेनदेन करने के लिए कई बैंक खाते खोले थे। इससे पहले 14 नवंबर को अहमदाबाद निवासी कदवाला भावेश सिदा भाई, राठौड़ राहुल हाजा और साहू प्रदीप को भी ऐसे ही आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। कागजनगर निवासी जी किरण की शिकायत पर इन पांचों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, जिसमें आरोप था कि उनके बैंक खाते से 7 लाख रुपये धोखाधड़ी से निकाल लिए गए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.